विज्ञापन आमंत्रित है..
- संपर्क -
मो. 9329033433

बालाघाट, सिवनी, गोंदिया एवं भंडारा जिले मे प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 11 जुलाई 2026 | दिन - शनिवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 165 | मूल्य - 5 रुपये

7 Years
SAHAYOG HOSPITAL
निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर
वैधता 31 अगस्त 2026 तक
आयुष्मान भारत योजना (PMJAY) एवं MJPJAY के अंतर्गत निःशुल्क एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध
91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

कलरफूल, प्रिण्टेड, डिजाईनर्स
युनिफार्म के लिए गोंदिया-बालाघाट जिले की
अधिकांश मैडम्स की पसंद
पंकज
खास साड़ियों का खास संग्रह
मेन रोड, गोंदिया महा.
मो. 9325481081

भारतीय मूल के शिशु का दुर्लभ जिगर प्रत्यारोपण किया गया..

नई दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली के एक निजी अस्पताल में सात महीने के भारतीय मूल के त्रिनिदादी शिशु का दुर्लभ जिगर प्रत्यारोपण किया गया है। डॉक्टरों ने शुक्रवार को बताया कि उस जैसी दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी से ग्रस्त दुनिया भर में केवल कुछ दर्जन बच्चों पर ही यह प्रक्रिया की गई है। उसके पूर्वज करीब 175 साल पहले उत्तर प्रदेश से प्रवास करके कैरेबियाई देश चले गए थे। एक निजी अस्पताल के अनुसार, एरिक रैमसूक नामक शिशु का वजन चार किलोग्राम से भी कम था और वह टीजेपी2 जीन में दुर्लभ उत्परिवर्तन के कारण अंतिम चरण के 'लिवर फेलियर' से पीड़ित था। उसके परिवार की जड़ें उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के मोराडीहा गांव से जुड़ी हैं, जबकि एरिक का जन्म त्रिनिदाद और टोबैगो में हुआ है। अस्पताल ने कहा कि एरिक को जन्म के कुछ हफ्तों के भीतर पीलिया हो गया, जो धीरे-धीरे गंभीर जिगर की बीमारी में बदल गया। जब वह दिल्ली लाया गया, तब तक वह गंभीर कुपोषण, पेट में तरल पदार्थ जमा होने और उच्च रक्तचाप से गंभीर रूप से पीड़ित था। अस्पताल के डॉक्टरों ने परिवार के भारत पहुंचने के एक सप्ताह के भीतर उसका जिगर प्रत्यारोपण किया। एरिक के पिता का पहले दाता के रूप में मूल्यांकन किया गया, लेकिन उन्हें इसके लिए उपयुक्त नहीं पाया गया। इसके बाद उसकी मां ने प्रत्यारोपण के लिए अपने जिगर का एक हिस्सा दान किया। सर्जरी के 15 दिन बाद एरिक को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल के अनुसार, वह तेजी से स्वस्थ हो रहा है।

म.प्र. के दतिया उपचुनाव में भाजपा का अंतकर्लह सड़क पर, नाराज नरोत्तम मिश्रा समर्थकों ने किया प्रदर्शन..

आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाये जाने से नाराज हुए समर्थक..

भोपाल, (भाषा)। ***मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को होने वाले उपचुनाव के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को आशुतोष तिवारी को अपना उम्मीदवार घोषित किया। तिवारी के नाम की घोषणा किये जाने के बाद वरिष्ठ नेता***

दतिया से बीजेपी उम्मीदवार बनाए जाने पर आशुतोष तिवारी को प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने मिठाई खिला कर बधाई दी..

बड़ी संख्या मे एकजुट समर्थक चकाजाम आंदोलन करते हुए..

एवं पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, मिश्रा को टिकट मिलने की उम्मीद थी और उन्होंने नामांकन पत्र भी खरीद लिया था। ऐसे में भाजपा का यह फैसला उनके लिए झटका माना जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि दतिया जिले के सेवढ़ा कस्बे के निवासी तिवारी लंबे समय से प्रदेश भाजपा संगठन में सक्रिय हैं।

उम्मीदवार घोषित होने के बाद तिवारी ने प्रदेश भाजपा कार्यालय के बाहर संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, नरोत्तम मिश्रा बहुत वरिष्ठ नेता हैं और मेरे अभिभावक समान हैं। उन्होंने (नरोत्तम मिश्रा ने) कहा है कि वह मेरे और पार्टी के लिए चुनाव प्रचार करेंगे।

हालांकि, दतिया में मिश्रा के समर्थकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। समर्थक बलराम ने 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से कहा कि कुछ कार्यकर्ताओं ने विरोध स्वरूप अपनी शर्ट उतारकर सड़क पर लेटकर प्रदर्शन किया जबकि अन्य धरने पर बैठ गए। एक अन्य समर्थक ने कहा कि जब तक 'नरोत्तम दादा' को टिकट नहीं दिया जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर वे भाजपा छोड़ने का फैसला भी कर सकते हैं। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राजेंद्र भारती ने तत्कालीन गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को 7,500 से अधिक मतों से हराया था।

हालांकि, दिल्ली की एक अदालत ने इसी वर्ष अप्रैल में धोखाधड़ी के एक मामले में भारती को तीन साल के कारावास की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त हो गई और दतिया सीट पर उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया। हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। भारत निर्वाचन आयोग ने हाल में अलग-अलग राज्यों की तीन विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा की, जिनमें मध्यप्रदेश की दतिया सीट भी शामिल है। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार, दतिया के अलावा बिहार और गुजरात की एक-एक विधानसभा सीट पर भी 30 जुलाई को मतदान होगा, जबकि मतगणना तीन अगस्त को की जाएगी।

प्रशिक्षण के दौरान चीन के दो सैन्य पायलट की मौत: रिपोर्ट

बीजिंग, (भाषा)। ***चीन में पिछले महीने प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान एक वरिष्ठ कमांडर सहित दो सैन्य पायलटों की मौत हो गई। खबरों के माध्यम से शुक्रवार को यह जानकारी मिली। चीन आमतौर पर सैन्य कर्मियों***

की मौत की जानकारी सार्वजनिक नहीं करता और उसने इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान भी जारी नहीं किया है। हांगकांग के समाचार पत्र 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने क्षेत्रीय सरकारी सूचनाओं और स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के हवाले से कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों पायलटों की मौत एक ही दुर्घटना में हुई या अलग-अलग घटनाओं में। रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों में शामिल 38 वर्षीय फ़ंग मिंग वरिष्ठ कर्नल थे और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के दक्षिणी थिएटर कमान की नौसेना विमानन इकाई में कमांडर के रूप में तैनात थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 25 वर्षीय शी शाओयोंग की भी 10 जून को मृत्यु हो गई। वह भी दक्षिणी थिएटर कमान में तैनात थे और पीएलए नौसेना में फर्स्ट लेफ्टिनेंट थे। यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों पायलट एक ही विमान में सवार थे या एक ही प्रशिक्षण अभियान का हिस्सा थे।

सांसद प्रफुल पटेल 11 व 12 जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर..

भंडारा व जिले मे विभिन्न कार्यक्रमो मे होंगे उपस्थित..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया भंडारा जिले के नेता सांसद प्रफुल पटेल दो दिवसीय दौरे पर 11 व 12 जुलाई को भंडारा व गोंदिया जिले में रहेंगे। सांसद श्री पटेल के दौरा कार्यक्रम के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार सांसद श्री पटेल महायुती द्वारा आयोजित सत्कार समारोह में दिनांक 11 जुलाई शनिवार को दोपहर 01.00 बजे लक्ष्मी सभागृह, भंडारा (जे एम पटेल महाविद्यालय के सामने) उपस्थित रहेंगे। इसी प्रकार दिनांक 12 जुलाई 2026 को सुबह 11 से 01 तक बगीचा रामनगर, निवास स्थान में पक्ष पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से भेट कर चर्चा करेंगे। इस अवसर पर सांसद श्री राजेंद्र जैन व पक्ष के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर अधिक से अधिक लोगों से उपस्थिति का आहवान राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी द्वारा किया गया है।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के आरोप से श्रद्धालु आहत हैं: शिंदे

मुंबई, (भाषा)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे में कथित चोरी से श्रद्धालुओं को दुख पहुंचा है। इस मामले में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मानसून सत्र के आखिरी दिन विधान परिषद में शिंदे ने अतीत में मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर के दान पात्र को 'लूटे' जाने का आरोप लगाया और जानना चाहा कि उस समय की सरकार ने इसकी जांच का आदेश क्यों नहीं दिया। शिंदे का यह इशारा तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले प्रशासन की ओर था। शिवसेना प्रमुख शिंदे ने जोर देकर कहा कि जिस भव्य राम मंदिर का जनवरी 2024 में उद्घाटन किया गया उसमें प्राप्त दान के प्रबंधन में किसी भी तरह की अनियमितता का समर्थन कोई नहीं कर सकता। विपक्ष द्वारा लाए गए 'अंतिम सप्ताह प्रस्ताव' का जवाब देते हुए उन्होंने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (उबाठा) पर निशाना साधा। शिंदे ने शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे का नाम लिए बगैर आरोप लगाया कि जो लोग अयोध्या मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी की आलोचना कर रहे हैं, उन्हीं के सहयोगियों ने देश के सबसे अमीर मंदिरों में से एक सिद्धिविनायक मंदिर को 'लूटने का पाप' किया था। ''राम मंदिर में जो हुआ, उसका कोई भी समर्थन नहीं कर सकता।

रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ हरियाणा भूमि सौदा मामले में ईडी ने सीलबंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट सौंपी..

नई दिल्ली, (भाषा)। ***प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के शिकोहपुर में जमीन सौदे से जुड़े धनशोधन मामले में कारोबारी रॉबर्ट वाद्रा और अन्य के खिलाफमामले में अपनी स्थिति रिपोर्ट शुक्रवार को सीलबंद लिफाफे में सौंपी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा के पति रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ जांच***

गुरुग्राम जिले के मानेसर-शिकोहपुर (अब सेक्टर 83) में हुए जमीन सौदे से जुड़ी है।

ईडी ने विशेष न्यायाधीश सुशांत चांगोत्रा को सूचित किया कि ''मैसर्स डीएलएफकी भूमिका के संबंध में आगे की जांच की जा रही है।'' न्यायाधीश ने उल्लेख किया कि आरोपियों में से एक केवल सिंह विर्क ने जमानत और जमानती बॉण्ड प्रस्तुत किए, जिन्हें स्वीकार कर लिया गया। उन्होंने कहा, ''ईडी द्वारा सीलबंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट दाखिल की गई है। उक्त स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, मैसर्स डीएलएफकी भूमिका के संबंध में आगे की जांच की जा रही है।''

अदालत ने मामले को अगली सुनवाई के लिए 21 अगस्त को सूचीबद्ध किया। इससे पहले मई में, वाद्रा ने दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर अपनी उस याचिका को बिना किसी शर्त के वापस ले लिया था, जिसमें उन्होंने विशेष सीबीआई अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। आदेश में उन्हें तलब किया गया था। अदालत ने 15 अप्रैल को वाद्रा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दाखिल आरोप पत्र का संज्ञान लिया था। यह पहली बार था जब किसी जांच एजेंसी ने वाद्रा (57) के खिलाफ आपराधिक मामले में आरोपपत्र दाखिल किया था। अप्रैल 2025 में, ईडी ने वाद्रा से लगातार तीन दिन तक पूछताछ की थी। विशेष न्यायाधीश चांगोत्रा ने कहा था कि आरोपपत्र और दस्तावेजों की प्रथम दृष्टया व्यापक जांच से वाद्रा और आठ अन्य आरोपियों के खिलाफआगे की कार्रवाई के लिए पर्याप्त सामग्री सामने आई है। न्यायाधीश ने कहा था, ''मैं धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा तीन (धन शोधन) और धारा 70 (कंपनियों द्वारा किए गए अपराध) के तहत किए गए अपराधों का संज्ञान लेता हूं, जो अधिनियम की धारा 4 के तहत दंडनीय हैं।

आवश्यकता है..
बालाघाट शहर के प्रसिद्ध गपशप रेस्टॉरेंट (केशर प्लाजा कॉम्पलेक्स, हनुमान चौक) में वेटर, हेल्पर की आवश्यकता है। संपर्क 9301210805, 7000671780

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..
दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं।
कृपया संपर्क करें..
मो. 9329033433

स्वामी विवेकानन्द प्रा. आई.टी.आई.
इलेक्ट्रिशियन | फिटर
न्यूनतम शुल्क सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण
सर्वाधिक रोजगार रोजगार हेतु नियमित कैम्पस
मोती तालाब के पास, सुरभी नगर, बालाघाट
मो. 7000627847, 7000482405, 9826324832
ADMISSION OPEN 2026-27
NCVT एवं DGE&T से मान्यता प्राप्त

ग्रेसियस् कॉलेज
2026-27 ADMISSION OPEN
SC, ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म. प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति
नर्सिंग — बी.एस.सी. नर्सिंग 4 वर्षीय डिग्री
मान्यता : आई.एन. सी. नई दिल्ली, म.प्र. नर्सिंग रजि. काउंसिल भोपाल, राजा शंकरशाह वि. वि. छिंदवाड़ा
फार्मेसी — बी.फार्मा. 4 वर्षीय डिग्री; डी.फार्मा. 2 वर्षीय डिप्लोमा
मान्यता : पी.सी.आई. नई दिल्ली, आर.जी.पी.वी. भोपाल, डी.टी.ई. भोपाल
योग्यता : 12 वी उत्तीर्ण (जीव विज्ञान/गणित संकाय)
73820 53000 / 73820 54000
आर.टी.ओ.ऑफिस के पास, वारासिवनी रोड, बरबसपुर - कायदी,बालाघाट म.प्र.

SARDAR PATEL UNIVERSITY
BALAGHAT (M.P.)
ADMISSION OPEN 2026-27
ENGINEERING — POLYTECHNIC, B.TECH | M.TECH (Part Time / Full Time, AICTE Approved)
• Civil Engg. • Mechanical Engg. • Electrical Engg. • Mining Engg. • Computer Sc. & Engg. • Mining & Mine Surveying
B.Tech. (AI & ML) — 100% Job Oriented Program
छात्रवृत्ति SC/ST/OBC छात्रों को शासन के योजनानुसार
PHARMACY (PCI Approved) — • D. PHARMACY • B. PHARMACY • M. PHARMACY (Pharmacology / Pharmaceutics)
MBA PHARMACEUTICAL MANAGEMENT
AGRICULTURE — • B.Sc. (Hons.) • M.Sc.(Ag.) • B.Tech (Agril) • Diploma
ABM AGRI BUSINESS MANAGEMENT
LAW — • B.A. LL.B. • LL.B. • LL.M. (BCI Approved)
MANAGEMENT — • BBA (Hons.) • MBA • BHM
BAMS SARDAR PATEL AYURVEDIC MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL | BHMS S.M. DEO HOMOEOPATHIC MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL
कैम्पस : वारासिवनी रोड, डोंगरिया, बालाघाट (म.प्र.)
9174192111, 9174202111, 9174212111

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शांति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविंदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर, शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा
live शहर बालाघाट
● गर्रा ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
मनीष वर्मा
मो. 9425448126
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

दुग्ध क्रांति में बालाघाट का परचम, कृत्रिम गर्भाधान में कलेक्टर श्री मृणाल मीना को मिला 'प्रशंसा पत्र'..

जगप्रेरणा बालाघाट।

दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने और पशुपालन क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे बालाघाट जिले ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में

जिले के शानदार प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव ने कलेक्टर श्री मृणाल मीना की सराहना की है। प्रमुख सचिव, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, श्री उमाकांत उमराव ने कलेक्टर श्री मीना को प्रशंसा पत्र भेजकर इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि बालाघाट जिले ने न केवल निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा किया है, बल्कि जिले की 'गर्भधारण दर' प्रदेश के औसत से कहीं अधिक दर्ज की गई है, जो अपने आप में एक मिसाल है।

कुशल नेतृत्व और टीम भावना का परिणाम

इस सफलता का श्रेय कलेक्टर श्री मृणाल मीना के कुशल मार्गदर्शन और पशुपालन विभाग की पूरी टीम के समर्पित प्रयासों को दिया गया है। प्रमुख सचिव श्री उमराव ने जिले की प्रभावी कार्यशैली, फील्ड लेवल पर सतत निगरानी और अधिकारियों-कर्मचारियों के बीच बेहतरीन तालमेल की जमकर तारीफकी है। उन्होंने कहा कि बालाघाट का यह मॉडल राज्य के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

पशुपालन क्षेत्र में नई उम्मीदें

इस गौरवशाली उपलब्धि के बाद विभाग ने विश्वास जताया है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए तय किए गए बढ़े हुए लक्ष्यों को भी जिले की टीम इसी उत्साह और दक्षता के साथ पूरा करेगी। कलेक्टर श्री मीना ने इस सफलता का श्रेय पशुपालन विभाग के समस्त मैदानी अमले और पशुपालकों के सहयोग को दिया है।

25 सूत्रीय मांगों को लेकर बालाघाट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मनाया काला दिवस..

सौंपा ज्ञापन.. दी उग्र आंदोलन की दी चेतावनी..

जगप्रेरणा गोंदिया।

अखिल भारतीय आंगनबाड़ी वर्कर्स एण्ड हेल्पर्स फैडरेशन के राष्ट्रीय आव्हान पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिक युनियन म.प्र सीटू बालाघाट द्वारा 10 जुलाई को आयोजित राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के माध्यम से 25 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा 10 जुलाई को जिला मुख्यालय के बस स्टैण्ड स्थित धर्मशाला

में बैठक आहूत कर काला दिवस मनाया। इस दौरान संगठन की जिलाध्यक्ष श्रीमती अंजली बिसेन ने कहा कि न्यायालय के आदेश के बावजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 2019 से 2023 तक का 6 प्रतिशत एरियर राशि का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। इसके अलावा मानदेय का भुगतान समय पर नहीं किया जा रहा है, अतिरिक्त कार्य भी कराया जा रहा है जिससे प्रदेश व जिले के समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिकाओं में नाराजगी व्याप्त है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 38 हजार रूपए व सहायिकाओं को 25 हजार रूपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिकाओं ने शासन-प्रशासन को चेतावनी दी कि शीघ्र मांगें पूरी नहीं की जाती है तो विधानसभा घेराव व 12 अगस्त को उग्र आंदोलन किया जाएगा।

ये है प्रमुख मांगे..

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा है। इसमें प्रमुख रूप से शासन द्वारा केन्द्र का पोषण ट्रैकर व राज्य का संपर्क एप दोनों चलवाए जा रहे हैं। इससे नेटवर्क न होने से घंटों जंगल-खेत में भटकना पड़ता है। संपर्क एप में काम करना काफी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने मांग की है कि आंगनबाड़ी कर्मियों से ऑनलाइन काम लिया जाए या ऑफ्लाइन काम लिया जाए। किसी भी एप में मानदेय को न जोड़ा जाए। आंगनबाड़ी कर्मियों द्वारा एप से कार्य करने का पूरा प्रयास किया जाता है लेकिन नेटवर्क नहीं मिलने से काम नहीं होने पर मानदेय में कटौती की जा रही है। काम डबल करने के बावजूद मानदेय कट रहा है। सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। हाईकोर्ट के एरियर भुगतान के आदेश तुरंत लागू हो। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से कराए जा रहे अतिरिक्त काम न लिया जाए। सरकार द्वारा 3 से 6 साल के बच्चों को स्कूल भेजने कहा जा रहा है, इससे आंगनबाड़ी में बच्चों की संख्या नगण्य हो जाएगी। इस आदेश को समाप्त किया जाए। चार श्रम संहिताओं व नियमों को निरस्त किया जाए। आंगनबाड़ी कर्मियों को ट्रेड युनियन अधिकारों को मान्यता दी जाए। ग्रेज्यूटी का लाभ सेवानिवृत हुए सभी आंगनबाड़ी कर्मियों को दिया जाए। आंगनबाड़ी कर्मियों की सेवा काल के दौरान मृत्यु होने पर 5 लाख रूपए की राशि मृत्यु उपरांत परिवार को सहायता राशि के रूप में दिया जाए। आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों को शीतकालीन अवकाश व ग्रीष्मकालीन अवकाश में भोजन प्रदाए की व्यवस्था की जाए। आंगनबाड़ी कर्मियों की सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष किए जाने सहित अन्य मांगें शामिल है।

कलेक्टर मृणाल मीना ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर दिये लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने शुक्रवार 10 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में

अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, संयुक्त कलेक्टर श्री एम.आर. कोल, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव, एसडीएम श्री गोपाल सोनी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं जिले के सभी एसडीएम व तहसीलदार वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुडे रहें। बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की तहसीलवार समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान लांजी तहसील की प्रगति सबसे कम पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की तथा एसडीएम लांजी एवं तहसीलदार को इसमें शीघ्र प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सभी एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देशित किया फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए। फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को मिशन मोड में करना सुनिश्चित करें तथा शीघ्र ही फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को संतोषजनक रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही उन्होंने सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्रों के गांवों में मुनादी कराकर किसानों को कीटनाशकों के सुरक्षित एवं सावधानीपूर्वक उपयोग के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिये।

बैठक में नजूल प्रकरणों एवं स्थायी पट्टों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही राजस्व वसूली अभियान में तेजी लाने, नियमित वसूली करने तथा वसूली के पश्चात उसकी ऑनलाइन प्रविष्टि (एंट्री) समय पर दर्ज करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने 500 दिनों से अधिक समय से लंबित 18 सीएम हेल्पलाइन शिकायतों तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में उनका निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मीना ने लोक सेवा गारण्टी व सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग शिकायतों एवं राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन व अन्य राजस्व विभागों के प्रकरणों को लंबित न रखे इसका त्वरित व संतुष्टिपूर्वक निराकरण करना सुनिश्चित करें।

बालाघाट में उद्यम पंजीयन शिविर का हुआ शुभारंभ, 35 उद्यमियों को मिले प्रमाण पत्र

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में स्व-सहायता समूहों के सदस्यों के लिए उद्यम पंजीयन शिविर का शुभारंभ शुक्रवार को विकासखंड बालाघाट में किया गया। शिविर का शुभारंभ

कलेक्टर मृणाल मीणा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ जिला परियोजना प्रबंधक श्वेता मेहतो तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक प्रीति मर्सकोले के मार्गदर्शन में हुआ। शिविर में स्व-सहायता समूहों से जुड़े उद्यमियों का निःशुल्क उद्यम पंजीयन किया गया।

इस दौरान प्रथम 15 उद्यमियों को उद्यम पंजीयन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। वहीं कुल 60 उद्यमियों का पंजीयन कर 35 हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इन उद्यमियों को आगे चलकर 'लखपति दीदी' अभियान से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा। जिला परियोजना प्रबंधक श्वेता मेहतो ने बताया कि छोटे उद्यमियों के लिए उद्यम पंजीयन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि विकासखंड बालाघाट में यह शिविर अलग-अलग तिथियों में चार चरणों में आयोजित किए जाएंगे तथा अधिक से अधिक समूह सदस्यों को निःशुल्क पंजीयन का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। महाप्रबंधक प्रीति मर्सकोले ने उद्यम पंजीयन के लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि पंजीयन से उद्यमियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी। वहीं जिला प्रबंधक लघु उद्यमिता विकास मुकेश बिसेन ने उद्यम पंजीयन की प्रक्रिया, पात्र उद्यमों तथा पंजीयन के बाद मुद्रा ऋण एवं उद्यम विस्तार की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। आजीविका मिशन के अनुसार उद्यम पंजीयन शिविरों का आयोजन जिले के अन्य विकासखंडों में भी किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बैहर में 11 जुलाई, बिरसा में 13 जुलाई, कटंगी में 15 जुलाई, परसवाड़ा में 16 जुलाई, खैरलांजी में 17 जुलाई, किरनापुर में 20 जुलाई, वारासिवनी में 21 जुलाई, लालबर्रा में 22 जुलाई तथा लांजी में 27 जुलाई को शिविर आयोजित होंगे, जहां मिशन से जुड़े स्व-सहायता समूहों के सदस्यों का निःशुल्क उद्यम पंजीयन किया जाएगा। शिविर में जिला परियोजना प्रबंधक श्वेता मेहतो, जिला प्रबंधक मुकेश बिसेन, महाप्रबंधक प्रीति मर्सकोले सहित जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा आजीविका मिशन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भटेरा रेल ओवरब्रीज निर्माण में लापरवाही के कारण दलदल बना मार्ग, फंसी स्कूली वैन..

बाल बाल बचे स्कूली बच्चे..

जगप्रेरणा बालाघाट।

सड़क हो, ओवरब्रीज हो या फिर अन्य कोई भी निर्माण, निर्माण कार्य जब हो रहा हो तो उस मार्ग पर सुरक्षित आवागमन की उत्तम सुविधा प्रदान करना यह निर्माण ठेकेदार एवं निर्माण एजेंसी दोनों का काम है, लेकिन जिले भर में जहां कहीं भी निर्माण चल रहे होते हैं, वैकल्पिक साधनों की उचित व्यवस्थाएं

नहीं की जाती, जिसका खामियाजा अन्य राहगीरों को भुगतना पड़ता है। सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था नहीं करने के कारण दुर्घटनाएं होती है, और कई बार इस दुर्घटनाओं में लोगों की जान तक चली जाती है।

ऐसा ही एक दृश्य आज बालाघाट में भटेरा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य में की गई लापरवाही का देखने में आया। निर्माण एजेंसी द्वारा एक ओर पक्की सड़क बनाई गई है, लेकिन दूसरी ओर का मार्ग पूरी तरह दलदल में तब्दील हो चुका है। आरोप है कि स्कूल समय में कई बार पक्के मार्ग को बंद कर दिया जाता है, जिससे स्कूली वैन और ऑटो चालकों को मजबूरन दलदल भरे रास्ते से गुजरना पड़ता है। शुक्रवार 10 जुलाई को दोपहर लगभग 2 20 बजे इसी दलदली मार्ग पर सेंट मैरी स्कूल के बच्चों से भरी एक वैन गहरे गड्ढे में फंसकर एक ओर झुक गई।

गनीमत रही कि वैन पलटी नहीं और उसमें सवार सभी बच्चे व चालक सुरक्षित बच गए। यदि वैन पूरी तरह पलट जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराना संबंधित एजेंसी की जिम्मेदारी है, लेकिन इस ओर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। प्रतिदिन सैकड़ों स्कूली बच्चे इसी रास्ते से आवागमन करते हैं और अपनी जान जोखिम में डालने को मजबूर हैं। घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और निर्माण एजेंसी से तत्काल सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्कूल समय में पक्के मार्ग को बंद नहीं करने की मांग की है।

लोगों का कहना है कि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है। अब सवाल यह है कि बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? क्या निर्माण एजेंसी लेगी, या कॉन्ट्रेक्टर या फिर जिले के कलेक्टर मृणाल मीना?

बालाघाट में 15 जुलाई को भारी बारिश और तेज हवाओं की संभावना, किसानों व आमजन को सतर्क रहने की सलाह ..

जगप्रेरणा बालाघाट।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त पांच दिवसीय मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 11 से 14 जुलाई 2026 तक मध्यम बादल छाए रहने के साथ मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वहीं 15 जुलाई को जिले में भारी वर्षा, आकाशीय बिजली गिरने, आंधी-तूफान तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव के वैज्ञानिक डा धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस अवधि में अधिकतम तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। सुबह के समय हवा में आर्द्रता 87 से 91 प्रतिशत तथा दोपहर में 62 से 70 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं दक्षिण दिशा से लगभग 6 से 7 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। कृषि विज्ञान केन्द्र ने किसानों को सलाह दी है कि मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों की योजना बनाएं। भारी वर्षा एवं तेज हवाओं की संभावना को देखते हुए खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें तथा बिजली कड़कने और आंधी-तूफान के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों एवं विद्युत पोलों के नीचे खड़े होने से बचें। मौसम विभाग ने आम नागरिकों से भी खराब मौसम के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने और प्रशासन एवं मौसम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा live जिला सिवनी
बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

ऊंची बोलियों ने बढ़ाई विकास की उम्मीद तो गरीबों की चिंता भी हुई गहरी..

जनपद की 6 दुकानों की नीलामी संपन्न..

अब ग्राम पंचायत की 12 दुकानों पर टिकी निगाहें..

जगप्रेरणा बलजीत सिंह, धनौरा।

धनौरा जनपद पंचायत द्वारा निर्मित 6 शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकानों की खुली नीलामी गुरुवार को जनपद पंचायत सभागार में संपन्न हुई। नीलामी प्रक्रिया के दौरान कई बार माहौल गर्माया और नियमों को लेकर अलग-अलग पक्षों ने

अपनी आपत्तियां भी दर्ज कराई। हालांकि मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं उपस्थित पत्रकारों की सूझबूझ से पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया।नीलामी में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग तथा अनारक्षित वर्ग के लिए आरक्षण रोस्टर के अनुसार दुकानों का आवंटन किया गया। जनपद द्वारा न्यूनतम 2 लाख रू. की आधार बोली निर्धारित की गई थी, जिसके बाद एससी वर्ग की दुकान लगभग 2.05 लाख रू., एसटी वर्ग की 2.07 लाख रू., ओबीसी वर्ग की 3.75 लाख रू., दिव्यांग वर्ग की 2.05 लाख रू. तथा अनारक्षित वर्ग की दोनों दुकानें लगभग 3 लाख रू. से लेकर 5.01 लाख रू. तक की ऊंची बोली पर आवंटित हुईं।नीलामी के बाद क्षेत्र में इस प्रक्रिया को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली। एक ओर लोगों ने कहा कि अधिक बोली लगने से जनपद पंचायत को अच्छा राजस्व प्राप्त होगा, जिससे क्षेत्र में भविष्य के विकास कार्यों को गति मिलेगी। वहीं दूसरी ओर कई बेरोजगार युवाओं और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों ने सवाल उठाया कि आरक्षण का उद्देश्य तभी सार्थक होगा जब संबंधित वर्ग के गरीब और जरूरतमंद लोगों को भी वास्तविक अवसर मिल सके। उनका कहना था कि कागजों पर आरक्षण मिल गया, लेकिन लाखों रुपये की बोली लगाने की क्षमता हर पात्र व्यक्ति के पास नहीं होती। ऐसे में अंततः दुकानें उन्हीं लोगों तक सीमित रह जाती हैं जो आर्थिक रूप से मजबूत हैं। नीलामी के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि यदि ये दुकानें जनपद पंचायत की हैं तो प्रक्रिया पूरे जनपद स्तर के पात्र लोगों के लिए समान रूप से और अधिक स्पष्ट तरीके से संचालित की जानी चाहिए थी। हालांकि अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार अपनाई गई है तथा भविष्य में आवश्यक सुधार की संभावना हमेशा बनी रहेगी। अब पूरे क्षेत्र की निगाहें ग्राम पंचायत धनौरा द्वारा निर्मित मुख्य बाजार की 12 दुकानों पर टिक गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि वहां भी केवल ऊंची बोली को ही प्रमुख आधार बनाया गया तो गरीब, बेरोजगार एवं वास्तविक जरूरतमंद लोग फिर पीछे रह जाएंगे। लोगों की मांग है कि आगामी आवंटन प्रक्रिया में संवैधानिक आरक्षण के साथ-साथ सामाजिक न्याय और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के हितों का भी विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ केवल संपन्न वर्ग तक सीमित न रह जाए।

इस नीलामी ने खड़े कर दिए कई बड़े सवाल...

क्या केवल ऊंची बोली ही पात्रता का पैमाना बनेगी, या गरीब और वास्तविक बेरोजगारों को भी स्वरोजगार का अवसर मिलेगा? जनपद पंचायत की छह दुकानों की नीलामी ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि संवैधानिक आरक्षण लागू होने के बावजूद यदि लाखों रुपये की बोली ही अंतिम कसौटी है, तो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग आखिर दुकान कैसे प्राप्त करेगा?

क्या यही मॉडल ग्राम पंचायत के 12 शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में भी अपनाया जाएगा?

धनौरा के 12 दुकानों का मामला पहले से विवादों में है। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि क्या वहां भी यही नीलामी प्रक्रिया लागू होगी, या गरीब एवं बेरोजगार युवाओं के लिए अलग और न्यायसंगत व्यवस्था बनाई जाएगी?

आरक्षण मिला, लेकिन क्या सामाजिक न्याय भी मिला?

आरक्षण रोस्टर का पालन किया गया, लेकिन ऊंची बोली के कारण कई जरूरतमंद लोग भागीदारी ही नहीं कर सके। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या केवल आरक्षण पर्याप्त है, या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए भी व्यवहारिक व्यवस्था जरूरी है?

क्या भविष्य में नियमों में सुधार होगा?

जनपद प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में प्रक्रिया में सुधार की संभावना बनी रहेगी। अब देखना होगा कि आने वाले आवंटनों में इन अनुभवों से क्या सीख ली जाती है।

राजस्व बढ़े या रोजगार भी मिले?

सरकारी नीलामी से राजस्व बढ़ना सकारात्मक है, लेकिन क्या इसके साथ स्थानीय गरीब, बेरोजगार और पात्र युवाओं को स्वरोजगार का अवसर भी सुनिश्चित किया जाएगा? यही सबसे बड़ा प्रश्न बनकर उभरा है।

क्षेत्रीय ग्रामीणों के सवाल..

क्या ग्राम पंचायत के 12 शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के आवंटन में ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी, जिसमें पारदर्शिता, संवैधानिक आरक्षण और गरीबों के हितों का संतुलन बना रहे? क्या पंचायत निर्माण में लगी शासकीय लागत की राशि वसूल कर, वास्तविक गरीब एवं बेरोजगार युवाओं को भी दुकानों का अवसर देने जैसा कोई व्यावहारिक मॉडल अपनाएगी, या फिर वहां भी केवल सबसे ऊंची बोली लगाने वाले ही बाजी मारेंगे?

बाहुबली चौक के नाम को परिवर्तन करने का प्रयास निदंनीय है : कांग्रेस

जगप्रेरणा सिवनी।

भाजपा शासित नगरपालिका परिषद सिवनी का साधारण सम्मिलन दिनांक 6 जुलाई 2026 को आयोजित था जिसमें प्रस्ताव क्रं. 42 में नगरपालिका कार्यकारी अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया द्वारा परिषद को गुमराह कर लाया गया था,

प्रस्ताव में नगर के किसी चौक का नाम बाहुबली चौक रखे जाना प्रस्तावित था, इनके द्वारा परिषद की बैठक में बाहुबली चौक का नाम बदले जाने का प्रस्ताव पास कराया गया जो वर्षो पुराने भगवान बाहुबली जी के नाम से प्रचलित चौक का नाम बदलने का प्रस्ताव लाकर वर्षो पुराने ऐतिहासिक भगवान बाहुबली चौक का नाम बदलकर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी रखे जाने का निर्णय लेकर प्रस्ताव पारित करवा लिया गया, जो कि जैन एवं हिन्दु धर्म के अनुयायीयों की धार्मिक भावनाओं को आहत करता है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रसन्नचंद मालू, पवन दिवाकर, जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष सुधीर जैन, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मुकेश जैन, जिला कांग्रेस महामंत्री अतुलचंद मालू, संदीप बंटी जैन, अखलेश जैन, राजेन्द्र जैन, सुजीत नाहटा, एवं जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष आदित्य मोन्टू भूरा, राजू जैन, राकेश जैन द्वारा प्रेस को विज्ञप्ति जारी में बताया कि भाजपा शासित नगरपालिका के कार्यकारी अध्यक्ष एवं उनके सहयोगी भाजपा पार्षदो की धर्म विरोधी नीति के चलते नगरपालिका के साधारण सम्मिलन में प्रस्ताव क्रं. 42 जिसमें भगवान बाहुबली का अनादर कर बाहुबली चौक का नाम परिवर्तन किये जाने के पारित प्रस्ताव की घोर निंदा करते है क्योंकि इतिहास साक्षी है कि सिवनी जिले में सन् 1965 में जन कल्याणार्थ हेतु संतो के आव्हान पर सकल जैन समाज द्वारा पंचकल्याण महोत्सव आयोजित किया गया था, इसी कारण इस चौक का नाम भगवान बाहुबली जी के नाम से रखा गया था जो कि सभी धर्म अनुयायीयों को स्वीकार्य था।

जिला कलेक्टर से मांग है कि भाजपा शासित सिवनी नगरपालिका परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया द्वारा जैन समाज एवं सम्पूर्ण नगरवासियों की भावनाओं को आहत् करते हुए, प्रस्ताव लाकर इस ऐतिहासिक बाहुबली चौक का नाम डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी करने का निर्णय लिया गया है। धार्मिक भावनाओं को ठेस पंहुचाने वाले इस प्रस्ताव को निरस्त कर इस चौक का नाम यथावत बाहुबली चौक ही रहने दिया जाए, यदि ऐसा नही किया गया तो बाहुबली चौक का नाम यथावत रखने को लेकर तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

श्री दादा गुरु महाराज का आगमन 14 जुलाई को पलारी में..

जगप्रेरणा सिवनी।

पलारी के श्री हनुमान मंदिर में विगत वर्ष 9/9/25 से लगातार अखंड सुंदर कांड पाठ आयोजन जन सहयोग से किया जा रहा है जो इस वर्ष 2026 में भी लगातार जारी हे उक्त कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने अवधूत महायोगी नर्मदा जी के जल का सेवन कर अपनी दिनचर्या करने वाले श्री दादा गुरु का आगमन 14 जुलाई को हनुमान मंदिर प्रांगड़ खैरा पलारी में होने जा रहा हे सर्व प्रथम दादा गुरु 10 बजे कहानी में महाराज श्री का आगमन स्वागत वंदन के पश्चात 11 बजे धनौरा में स्वागत पुष्पवर्षा के बाद 11:30 बजे कुंडारि, मझगवां में स्वागत वंदन के बाद 12 बजे चिरचिरा में स्वागत वंदन अभिनंदन के बाद नवीन पलारी में स्वागत वंदनके बाद 12:30 बजे मेरा खेरा पलारी हनुमान मंदिर में पूजन अर्चना के बाद 1 बजे हाई स्कूल ग्राउंड में दादा गुरु द्वारा पौधा रोपड़ करने के उपरांत 1:30 बजे मंडी प्रांगड़ में हनुमान मंदिर सेवा समिति द्वारा आयोजित धर्म सभा में दादा गुरु को भव्य माला से स्वागत एवं उपस्थित भक्तों द्वारा चरण पूजन कर दादा गुरु के आशीर्वचनों का लाभ प्राप्त करेंगे। धर्म सभा के उपरांत प्रसाद वितरण का आयोजन 3 बजे से किया जाएगा ओर दादा गुरु अल्प विश्राम के लिए गणेश सींगोंर के घर 3:20 पर पहुंचेगे ओर भक्त मंडल से भेंट करेंगे। उक्त आयोजन में आप सभी की उपस्थिति कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करेगी अतः आप सभी सादर आमंत्रित है। संतोष बंदेवार, राष्ट्रीय बजरंग दल जिला कार्यकारी अध्यक्ष कपिल अवधिया, देवेंद्र ठाकुर ने धर्म प्रेमी बंधुओं से उक्त कार्यक्रम में उपस्थिति होने का आग्रह किया है।

अवैध गौवंश परिवहन पर कुरई पुलिस की बड़ी कार्यवाही..

कार से क्रुरता से बंधे 08 गौवंश बरामद, वाहन जप्त..

जगप्रेरणा कुरई।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी (भापुसे) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा व **SDOP** बरघाट श्री ललित गठरे के मार्गदर्शन में गौवंश तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कुरई पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

दिनांक 09.07.2026 को थाना कुरई को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति गौवंश को वध हेतु वाहन से ले जा रहे हैं। सूचना पर तत्काल कुरई घाटी, **NH-44** सिवनी-नागपुर मार्ग पर वाहन चेकिंग लगाई गई।

चेकिंग के दौरान वाहन क्रमांक **MH 12 FF 1645**, मारुति सुजुकी **SX4 VXI** को रोकने का प्रयास किया गया तो चालक वाहन को तेज गति से भगाकर ले गया। पुलिस द्वारा पीछा करने पर आरोपी ने कुरई घाटी स्थित बंजारी मंदिर के आगे वाहन सड़क किनारे छोड़ दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गया।

बरामदगी एवं कार्रवाई..

वाहन की तलाशी लेने पर भीतर एवं डिग्गी में रस्सियों से क्रूरतापूर्वक बंधे 08 गौवंश बरामद हुए। पंचनामा कार्रवाई कर वाहन को विधिवत जप्त किया गया। जप्त वाहन का अनुमानित मूल्य 1,00,000 रू., जप्त गौवंश का अनुमानित मूल्य 30,000, रू. कुल जप्त संपत्ति 1,30,000 रू.।

बरामद गौवंश को उपचार एवं सुरक्षा हेतु गौशाला में भिजवाया गया। जप्त वाहन को थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम, पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई है। फरार आरोपी की तलाश के लिए दबिशें दी जा रही हैं।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने आमजन से अपील की है कि अवैध गौवंश परिवहन अथवा पशु क्रूरता की कोई भी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा सके।

सराहनीय भूमिका..

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक कृपाल शाह तेकाम, सउनि शैलेन्द्र डोंगरे, प्र.आर. महेंद्र परतेति, आर. रत्नेश कुशवाहा, आर. यशपाल उईके एवं डायल- पायलट कमल की विशेष भूमिका रही।

सिवनी मे जगप्रेरणा समाचार पत्र के लिये संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद 7898530101

पेयजल संकट से राहत: विधायक निधि से बेगरवानी और पिण्डराबोडी ग्राम पंचायतों को मिले पानी के टैंकर

जगप्रेरणा बलजीत सिंह धनौरा।

धनौरा विकासखंड के सालीवाड़ा उप ब्लॉक, विधानसभा लखनादौन अंतर्गत पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को राहत पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। क्षेत्रीय विधायक की विधायक निधि से जनपद पंचायत धनौरा की ग्राम पंचायत बेगरवानी एवं ग्राम पंचायत पिण्डराबोडी को पेयजल आपूर्ति के लिए पानी के टैंकर उपलब्ध कराए गए। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में गर्मी के मौसम के दौरान पेयजल की समस्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया, ताकि ग्रामीणों को समय पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। टैंकर मिलने से दोनों ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को पेयजल संकट से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने विधायक के निर्देशानुसार दोनों ग्राम पंचायतों को टैंकर सौंपे। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने भी पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध कराए गए टैंकरों पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे जनहित में उपयोगी पहल बताया।

बाहुबली चौक के नाम को परिवर्तन करने का प्रयास निदंनीय है : कांग्रेस

जगप्रेरणा सिवनी।

भाजपा शासित नगरपालिका परिषद सिवनी का साधारण सम्मिलन दिनांक 6 जुलाई 2026 को आयोजित था जिसमें प्रस्ताव क्रं 42 में नगरपालिका कार्यकारी अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया द्वारा परिषद को गुमराह कर लाया गया था, प्रस्ताव में नगर के किसी चौक का नाम बाहुबली चौक रखे जाना प्रस्तावित था, इनके द्वारा परिषद की बैठक में बाहुबली चौक का नाम बदले जाने का प्रस्ताव पास कराया गया जो वर्षो पुराने भगवान बाहुबली जी के नाम से प्रचलित चौक का नाम बदलने का प्रस्ताव लाकर वर्षो पुराने ऐतिहासिक भगवान बाहबली चौक का नाम बदलकर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी रखे जाने का निर्णय लेकर प्रस्ताव पारित करवा लिया गया, जो कि जैन एवं हिन्दु धर्म के अनुयायीयों की धार्मिक भावनाओं को आहत करता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रसन्नचंद मालू, पवन दिवाकर, जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष सुधीर जैन, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मुकेश जैन, जिला कांग्रेस महामंत्री अतुलचंद मालू, संदीप बंटी जैन, अखलेश जैन, राजेन्द्र जैन, सुजीत नाहटा, एवं जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष आदित्य मोन्टू भूरा, राजू जैन, राकेश जैन द्वारा प्रेस को विज्ञप्ति जारी में बताया कि भाजपा शासित नगरपालिका के कार्यकारी अध्यक्ष एवं उनके सहयोगी भाजपा पार्षदो की धर्म विरोधी नीति के चलते नगरपालिका के साधारण सम्मिलन में प्रस्ताव क्रं 42 जिसमें भगवान बाहुबली का अनादर कर बाहुबली चौक का नाम परिवर्तन किये जाने के पारित प्रस्ताव की घोर निंदा करते है क्योंकि इतिहास साक्षी है कि सिवनी जिले में सन् 1965 में जन कल्याणार्थ हेतु संतो के आव्हान पर सकल जैन समाज द्वारा पंचकल्याण महोत्सव आयोजित किया गया था, इसी कारण इस चौक का नाम भगवान बाहुबली जी के नाम से रखा गया था जो कि सभी धर्म अनुयायीयों को स्वीकार्य था। जिला कलेक्टर से मांग है कि भाजपा शासित सिवनी नगरपालिका परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया द्वारा जैन समाज एवं सम्पूर्ण नगरवासियों की भावनाओं को आहत् करते हुए, प्रस्ताव लाकर इस ऐतिहासिक बाहुबली चौक का नाम डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी करने का निर्णय लिया गया है। धार्मिक भावनाओं को ठेस पंहुचाने वाले इस प्रस्ताव को निरस्त कर इस चौक का नाम यथावत बाहुबली चौक ही रहने दिया जाए, यदि ऐसा नही किया गया तो बाहुबली चौक का नाम यथावत रखने को लेकर तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
मो.- 8817448039

शासकीय कन्या हाई स्कूल कान्हीवाड़ा में नियमों की उड़ी धज्जियां..

जगप्रेरणा कान्हीवाड़ा।

जिला शिक्षा केंद्र सिवनी के अंतर्गत आने वाले शासकीय कन्या हाई स्कूल कान्हीवाड़ा से एक बेहद शर्मनाक और गंभीर मामला प्रकाश में आया है। शासन द्वारा छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने और सुगम आवागमन के लिए दी जाने वाली निःशुल्क साइकिल योजना को स्कूल के ही कुछ जिम्मेदार शिक्षकों ने कमाई का जरिया बना लिया है। यहाँ साइकिल वितरण के एवज में छात्राओं से अवैध रूप से 100-100 रू. की वसूली किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

छात्राओं ने खुद बयां की हकीकत

शासकीय कन्या हाई स्कूल कान्हीवाड़ा में कुल 64 साइकिलें वितरण हेतु प्रदान की गई थीं। इनमें से अब तक केवल 50 साइकिलों का ही वितरण किया गया है, जबकि 14 साइकिलें अब भी स्कूल परिसर में धूल खा रही हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिन 50 छात्राओं को साइकिल बांटी गई हैं, उनसे इसके बदले में 100-100 रू. की अवैध वसूली की गई। इस बात का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित छात्राओं ने खुद मीडिया के कैमरों के सामने आकर आपबीती सुनाई। छात्राओं ने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें साइकिल देने के बदले स्कूल के शिक्षक द्वारा सौ-सौ रुपये लिए गए हैं। बिना पैसे दिए साइकिल नहीं दी जा रही थी।

शिकायत के बाद भी प्राचार्य मौन, कार्रवाई शून्य..

इस पूरे मामले की जानकारी जब शासकीय कन्या हाई स्कूल के प्राचार्य आर. रजक के संज्ञान में लाई गई, तब भी उन्होंने इस भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने का ही प्रयास किया। घटना को कई दिन बीत जाने के बाद भी दोषी शिक्षकों के खिलाफ स्कूल प्रबंधन या प्राचार्य द्वारा किसी भी प्रकार की दंडात्मक या अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। प्राचार्य की यह निष्क्रियता और खामोशी सीधे तौर पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की ओर इशारा कर रही है, जिससे क्षेत्र के पालकों में भारी आक्रोश है।

अप-डाउन के चक्कर में शिक्षा व्यवस्था बेपटरी..

स्कूल की बदहाली केवल भ्रष्टाचार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ की शैक्षणिक व्यवस्था भी पूरी तरह चरमरा गई है। बताया जा रहा है कि इस स्कूल में पदस्थ अधिकांश शिक्षक स्थानीय स्तर पर न रहकर 30 से 35 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय या अन्य शहरों से 'अप-डाउन' करते हैं।

लंबी दूरी तय करने के कारण न तो स्कूल समय पर खुल पाता है और न ही प्रार्थना सभा सही समय पर संचालित होती है। रोज़ाना 60-70 किलोमीटर का सफर तय करने की थकान के कारण शिक्षक वर्ग क्लासरूम में सही ढंग से पढ़ा नहीं पा रहे हैं। इस थकाऊ दिनचर्या का सीधा और बुरा असर छात्राओं की पढ़ाई पर पड़ रहा है।

इनका क्या कहना है- 'साइकिल वितरण के नाम पर पैसे लेना पूरी तरह से अवैध और गंभीर अपराध है। यदि कान्हीवाड़ा स्कूल में ऐसा हुआ है और छात्राओं ने कैमरे पर यह बात स्वीकारी है, तो इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। दोषी पाए जाने वाले शिक्षकों और इस पर पर्दा डालने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को जमीनी स्तर पर पलीता लगाने वाले ऐसे शिक्षकों और प्रशासनिक शिथिलता के कारण आज गरीब और ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां खुद को ठगा महसूस कर रही हैं। कलेक्टरेट और जिला शिक्षा विभाग को इस मामले पर तत्काल संज्ञान लेकर दोषियों को निलंबित करना चाहिए, ताकि कान्हीवाड़ा स्कूल की गरिमा पुनः बहाल हो सके।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

'रामपायली में करोड़ों के विकास कार्य या रहस्य? जनता पूछ रही - आखिर क्या बन रहा है, कितनी है लागत और कब मिलेगा जवाब?'

जगप्रेरणा रामपायली।

मध्य प्रदेश शासन के पर्यटन विभाग एवं संस्कृति विभाग द्वारा रामपायली में इन दिनों अनेक निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य तेज़ी से संचालित किए जा रहे हैं। भारी-भरकम मशीनें, निर्माण सामग्री और लगातार जारी कार्य यह संकेत देते हैं कि क्षेत्र में बड़े स्तर पर विकास की योजनाएं लागू हैं।

लेकिन विडंबना यह है कि जिस जनता के करों से इन योजनाओं का वित्तपोषण हो रहा है, वही जनता आज इस मूलभूत जानकारी से वंचित है कि आखिर रामपायली में क्या-क्या निर्माण हो रहा है, प्रत्येक कार्य की स्वीकृत लागत कितनी है, कार्यदायी एजेंसी कौन है और इन परियोजनाओं को कब तक पूरा किया जाएगा।

रामपायली ही नहीं, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी यही सवाल पूछ रहे हैं कि जब विकास जनता के लिए हो रहा है, तो विकास की जानकारी जनता से क्यों छिपी हुई प्रतीत होती है? निर्माण स्थल पर कहीं भी ऐसा सूचना बोर्ड दिखाई नहीं देता, जिससे नागरिकों को परियोजना का पूरा विवरण मिल सके।

शासकीय निर्माण कार्यों के लिए सामान्यतः यह अपेक्षित होता है कि कार्यस्थल पर एक सार्वजनिक सूचना बोर्ड लगाया जाए। इस बोर्ड पर कार्य का नाम, प्रशासकीय स्वीकृति, स्वीकृत लागत, कार्यदायी संस्था, तकनीकी अधिकारी, कार्य प्रारंभ की तिथि, कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि तथा संबंधित विभाग का विवरण अंकित रहता है। इसका उद्देश्य केवल औपचारिकता निभाना नहीं, बल्कि शासन के कार्यों में पारदर्शिता और जनभागीदारी सुनिश्चित करना होता है।

यदि रामपायली में ऐसे सूचना बोर्ड पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं, तो यह स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि आखिर क्यों? क्या संबंधित विभाग इस महत्वपूर्ण जानकारी को सार्वजनिक करने में विलंब कर रहा है? क्या निरीक्षण के लिए आने वाले वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान इस ओर नहीं गया? यदि गया, तो अब तक सुधारात्मक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

यह भी उल्लेखनीय है कि विकास कार्यों में लगाया जा रहा प्रत्येक रुपया जनता के कर से प्राप्त सार्वजनिक धन है। इसलिए नागरिकों को यह जानने का पूर्ण अधिकार है कि उनके क्षेत्र में कौन-सी योजना पर कितना व्यय किया जा रहा है और उससे उन्हें क्या लाभ मिलेगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता कोई उपकार नहीं, बल्कि प्रशासन की जवाबदेही है।

इन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भी स्थानीय लोगों में असंतोष दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित उद्यान तक बनाई गई सड़क पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त होने लगी, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। यदि प्रारंभिक वर्षा ही निर्माण की मजबूती की परीक्षा बन जाए, तो भविष्य में इन परियोजनाओं की टिकाऊ गुणवत्ता को लेकर चिंता स्वाभाविक है।

रामपायली के नागरिक अब जिला प्रशासन, पर्यटन विभाग और संस्कृति विभाग से स्पष्ट जवाब चाहते हैं–

रामपायली में कुल कितने निर्माण कार्य स्वीकृत हैं? प्रत्येक कार्य की स्वीकृत लागत कितनी है? इन कार्यों को कौन-सी एजेंसी या ठेकेदार निष्पादित कर रहा है? कार्य पूर्ण होने की समय-सीमा क्या है? निर्माण स्थलों पर सूचना बोर्ड क्यों नहीं लगाए गए? गुणवत्ता की निगरानी किस अधिकारी द्वारा की जा रही है?

विकास तभी सार्थक माना जाएगा, जब वह पारदर्शी भी हो। जनता को जानकारी देना शासन की जिम्मेदारी है, क्योंकि विकास का वास्तविक उद्देश्य केवल निर्माण करना नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतना भी है।

अब समय आ गया है कि संबंधित विभाग इन सभी प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर सार्वजनिक करे, प्रत्येक निर्माण स्थल पर विस्तृत सूचना बोर्ड लगाए और गुणवत्ता की स्वतंत्र जांच कराकर उसकी रिपोर्ट भी आम नागरिकों के सामने रखे। तभी रामपायली का विकास वास्तव में जनविश्वास और सुशासन का उदाहरण बन सकेगा।

रामपायली चैक के बाद कंटगी और लालबर्रा की सीमाये भी सुसज्जित होगी स्ट्रीट लाईट से.. प्रदीप जायसवाल..

नपा परिषद के लोकार्पण कार्यक्रम मे नपा अध्यक्ष, पार्षदगण, प्रबुद्व नागरिकगण रहे उपस्थित

जगप्रेरणा वारासिवनी।

नगर की सभी सीमाओ को सौदर्यीक्रत करने के उद्धेश्य से आज नपा परिषद ने महाराष्ट राज्य की दिशा मे रामपायली चैक पर स्ट्रीट लाईट की सुविधा की शुरूवात कर विकास के नये आयाम स्थापित किये है। स्ट्रीट लाईट लोकार्पण कार्यक्रम मे पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष

श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, वरिष्ठ नेता किशोर अमूले, प्रदीप शरणागत, रिधन चैहान के साथ नपा के अधिकारीगण भी इस समारोह मे अतिथी के रूप मे उपस्थित रहे।

रामपायली चैक मे जैसे ही अतिथी प्रदीप जायसवाल ने स्ट्रीट लाईट के बटन को आन किया वैसे ही पुरा मुख्य मार्ग चकाचैध रोशनी से जगमगा गया। गौरतलब है की इस मार्ग पर चंदन नदी के पूल से रिधनलाल चैहान की राईस मिल तक पहले अंधेरा रहने से परेशानी का अनुभव होता रहा है। किंतू आज जैसे ही स्ट्रीट लाईट की रोशनी से यह मार्ग जगमगाया आवागमन करने वाले वाहन चालको और राहगीरो ने स्थल पर ही गुडडा भैया और नपा अध्यक्ष को इस प्रासंगिक कार्य की बधाई प्रेषित की।

इस अवसर पर मिडिया के सवालो पर गुडडा भैया ने कहा की हमारा प्रयास वारासिवनी को महानगरो की तर्ज पर सुसज्जित और सुविधायुक्त बनाने का है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव व नपा परिषद के सहयोग से हम आज रामपायली मार्ग पर स्ट्रीट लाईट की सुविधा शुरू कर रहे है। अब नागपुर दिशा से आने वाला राहगीर या हमारे मेहमान भी जब इस सीमा को जगमग रूप से देखेगे तो उनके मानस पटल पर वारासिवनी की एक अच्छी छवि अवश्य उभरेगी।

इसी तरह एक सवाल पर गुडडा भैया ने कहा की अब हम कंटगी मार्ग पर टोंडिंया नाले से गौशाला तक और लालबर्रा मार्ग पर डा चैधरी के क्लिनिक से अभिनंदन लान तक स्ट्रीट लाईट की सुविधा नगरवासीयो को प्रदान करने की दिशा मे कार्य शुरू कर रहे है। हमारे नगर की अब सभी सीमाये रोशनी से जगमग नजर आयेंगी।

इसी तरह नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने मिडिया के सवालो पर कहा की हमारे नेता प्रदीप जायसवाल की सोच से हम विकास के नये आयाम स्थापित कर रहे है। आज स्ट्रीट लाईट की सौगात से पुरे जिले मे वारासिवनी के विकास कार्यो की एक अलग पहचान स्थापित होंगी। आगे भी हमारी नपा परिषद के इस तरह के विकास कार्यो को जनता अवश्य देखेगी।

आज लोकार्पण समारोह मे विशेष रूप से सर्वश्री संदीप मिश्रा मंडल अध्यक्ष, वेदप्रकाश पटेल मंडल अध्यक्ष,पार्षदो मे श्रीमती दीपा रूसिया, मोनू लिमजे, धर्मु जोशी, अमित येरपूडे,प्रबल जायसवाल, सोनू जायसवाल,संतोष आडे, हरीश जैरथ, अनिश मिश्रा, श्रीमती रीना कासल, मंजू भोंडले, तुलसी शर्मा, शीतल अरोरा आदि के साथ मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, उपंयत्री अंशिका चैहान के साथ नपा का अमला उपस्थित रहा।

एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी में मनाया गया भारतीय स्टेट बैंक स्थापना दिवस..

जगप्रेरणा वारासिवनी।

शासकीय शंकरसाव पटेल महाविद्यालय, वारासिवनी में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 10 जुलाई को भारतीय स्टेट बैंक स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस.एस. गेडाम एवं प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. नरेन्द्र कुमार डोंगरे के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय स्टेट बैंक, वारासिवनी शाखा के प्रबंधक हितेन्द्र पटेल तथा विशिष्ट अतिथि आरबीओ मंडला के प्रतिनिधि श्रेयांस कुमार सिंगोर एवं एसबीआई के सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक रामनाथ पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत में आधुनिक बैंकिंग प्रणाली के अग्रदूत डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

मुख्य अतिथि हितेन्द्र पटेल ने भारतीय बैंकिंग प्रणाली के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय स्टेट बैंक समय-समय पर कौशल विकास, प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के माध्यम से युवाओं को बैंकिंग क्षेत्र से जोडने़ का कार्य कर रहा है। विशिष्ट अतिथि श्रेयांस कुमार सिंगोर ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के उपाय बताए। सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक रामनाथ पटेल ने बैंकिंग व्यवस्था को देश की अर्थव्यवस्था की धड़कन बताते हुए कहा कि जिस प्रकार हृदय के सुचारु रूप से कार्य करने पर शरीर स्वस्थ रहता है, उसी प्रकार मजबूत बैंकिंग प्रणाली से आर्थिक विकास निरंतर आगे बढ़ता है। महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. सरिता कोल्हेकर ने विद्यार्थियों को बैंकिंग क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस.एस. गेडाम ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति के लिए बैंकिंग प्रणाली का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में डॉ. रक्षा निकोसे, हेमंत कुमार गणवीर, कृष्णा पराते, हिमांशु गुरदे, नेहा मर्सकोले, डॉ. योगेश बिसेन, डॉ. तपेश चैरे, शिखा देवगीरकर, शिल्पा वासनिक, पराग पालेवार, सुनील कुमार चैरे एवं संतोष गोखले सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. नरेन्द्र कुमार डोंगरे ने किया।

मशरूम उत्पादन स्वरोजगार का सशक्त माध्यम, कृषि महाविद्यालय मुरझड़ के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया मॉडल

जगप्रेरणा बालाघाट।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत संचालित कृषि महाविद्यालय मुरझड़ में बी.एससी. (कृषि) द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने मशरूम उत्पादन पर आधारित एक आकर्षक एवं उपयोगी मॉडल प्रस्तुत किया।

यह कार्यक्रम महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मशरूम नोडल अधिकारी डॉ. रमेश अमुले एवं डॉ. श्रद्धा कर्चो के निर्देशन में विद्यार्थियों ने मशरूम उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीक, उत्पादन प्रक्रिया, पोषण संबंधी महत्व तथा किसानों के लिए इसकी आर्थिक उपयोगिता का प्रभावी प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने बताया कि मशरूम उत्पादन कम लागत, कम स्थान और कम समय में अधिक आय देने वाला लाभकारी कृषि उद्यम है। यह विशेष रूप से लघु एवं सीमांत कृषकों, महिलाओं तथा ग्रामीण युवाओं के लिए स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बन सकता है।

इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख ने छात्र-छात्राओं को मशरूम उत्पादन की उपयोगिता, वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक, पोषण महत्व तथा रोजगार की संभावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रस्तुत मॉडल किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है और कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. राजू पांसे, डॉ. प्रतिभा बिसेन, डॉ. विक्रम सिंह गौर, डॉ. आर.एस. सोलंकी एवं डॉ. पूजा गोस्वामी सहित अन्य प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए मॉडल का अवलोकन किया और उनकी वैज्ञानिक सोच, नवाचार तथा प्रस्तुति की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों में व्यावहारिक ज्ञान, कृषि उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की भावना को विकसित करती हैं तथा किसानों तक नवीन कृषि तकनीकों के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने मशरूम उत्पादन को किसानों की आय बढ़ाने, पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने वाला एक महत्वपूर्ण कृषि व्यवसाय बताया।

13 जुलाई से शुरू होगा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तीसरा चरण..

घर-घर पहुंचेंगे पशुपालन विभाग के दल..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन की जानकारी उपलब्ध कराने और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 13 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक ÷दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान÷ का तृतीय चरण संचालित किया जाएगा। मध्यप्रदेश

शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने अभियान के प्रभावी संचालन के लिए विस्तृत आदेश जारी कर विकासखंडवार एवं ग्रामवार भ्रमण दलों की ड्यूटी निर्धारित कर दी है।

अभियान के दौरान सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी (एवीएफओ), मैत्री कार्यकर्ता, गौसेवक एवं विभागीय दल गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर पशुपालकों से सीधा संवाद करेंगे। विशेष रूप से ऐसे पशुपालकों को चिन्हित किया जाएगा, जिनके पास तीन से चार या उससे अधिक मादा गाय अथवा भैंस हैं।

गृह-भेंट के दौरान पशुपालकों को नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, सेक्स्ड-सॉर्टेड सीमेन तकनीक, उन्नत पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक पशुपालन प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी। साथ ही ऑनलाइन ऐप के माध्यम से पशुओं का भौतिक सत्यापन किया जाएगा तथा बिना टैग वाले पशुओं की जानकारी भी दर्ज की जाएगी। प्रत्येक पशुपालक के एक पशु का टैग क्रमांक सहित आवश्यक विवरण अभियान ऐप पर मौके पर ही अपलोड किया जाएगा।

अभियान के दौरान यदि ऐसे पशुपालक मिलते हैं, जिनके पास तीन से चार या उससे अधिक मादा पशु हैं लेकिन वे पूर्व चरणों में सूचीबद्ध नहीं हो सके थे, तो उन्हें भी अभियान में शामिल कर उनका पंजीयन एवं सत्यापन किया जाएगा।

अभियान के सफल संचालन के लिए 9 जुलाई को जिले के सभी विकासखंडों में मैदानी अमले का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। वहीं विभागीय अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों से भी संपर्क कर अभियान को सफल बनाने में सहयोग का अनुरोध किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफके मार्गदर्शन में उपसंचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. अरुण नेमा ने जिले के सभी सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों, मैत्री कार्यकर्ताओं एवं गौसेवकों को निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार अनिवार्य रूप से भ्रमण करने के निर्देश दिए हैं।

जिला प्रशासन ने सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में आने वाले शासकीय दलों का सहयोग करें, सही जानकारी उपलब्ध कराएं तथा अभियान का लाभ उठाकर वैज्ञानिक पशुपालन अपनाते हुए दुग्ध उत्पादन एवं अपनी आय में वृद्धि करें।

ब्राउन मेन्यूरिंग तकनीक से धान उत्पादन बढ़ाने का नवाचार, कटंगी के किसान के खेत में शुरू हुआ तुलनात्मक प्रयोग..

जगप्रेरणा कटंगी।

बालाघाट जिले में खरीफसीजन में धान की उत्पादकता बढ़ाने तथा मिट्टी की उर्वरता में सुधार के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा विकासखंड कटंगी में ब्राउन मेन्यूरिंग तकनीक का प्रदर्शन कराया जा रहा है। कृषि विस्तार अधिकारी श्री विशेष बागड़े के मार्गदर्शन में ग्राम सुकली के प्रगतिशील कृषक श्री वैभव पालीवाल के 5 एकड़ खेत में यह नवाचार शुरू किया गया है।

प्रदर्शन के तहत सुपर सीडर मशीन से खेत के आधे हिस्से में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के साथ ढैंचा की बुवाई कर ब्राउन मेन्यूरिंग तकनीक अपनाई गई है, जबकि शेष आधे हिस्से में केवल डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई की गई है। इस तुलनात्मक प्रयोग का उद्देश्य यह जानना है कि धान के साथ ढैंचा लगाने से मिट्टी की उर्वरता, फसल की वृद्धि एवं उत्पादन पर कितना सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

कृषि विस्तार अधिकारी श्री विशेष बागड़े ने बताया कि ढैंचा एक उत्कृष्ट हरी खाद वाली फसल है। ब्राउन मेन्यूरिंग तकनीक में ढैंचा प्रारंभिक अवस्था में खरपतवार नियंत्रण में मदद करता है तथा बाद में नष्ट होकर मिट्टी में जैविक पदार्थ और पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाता है। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होने के साथ मिट्टी की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।

कृषि विभाग द्वारा दोनों हिस्सों में फसल की बढ़वार, पौधों के विकास, खरपतवार की स्थिति तथा अंतिम उत्पादन का नियमित अवलोकन किया जाएगा। प्रयोग के परिणामों के आधार पर किसानों को ब्राउन मेन्यूरिंग तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन और टिकाऊ खेती को बढ़ावा मिल सके।

जग प्रेरणा live देश विदेश
5 शनिवार 11 जुलाई 2026
भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, अमेरिका, ब्रिटेन, ईरान, चीन, जापान आदि की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

हिमाचल में 15 जुलाई तक आफत बरपाएगी बारिश! कुल्लू में शख्स की मौत, सोलन-सिरमौर में स्कूल बंद; लैंडस्लाइड की चेतावनी..

डेस्क जगप्रेरणा।

शिमला: हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से कहर बरप रहा है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण प्रदेश के सिरमौर और सोलन जिलों में शुक्रवार को सभी सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थानों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद रखा गया।

भारत मौसम विज्ञान केंद्र **(IMD)** शिमला के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 10 से 15 जुलाई तक राज्य के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होगी, जबकि अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की आशंका है। **IMD** ने राज्य के कई हिस्सों में भूस्खलन, अचानक बाढ़, पेड़ों के उखड़ने और सड़कों के अवरुद्ध होने जैसी घटनाओं को लेकर भी चेतावनी दी है।

124 रोड़ बंद, 442 ट्रांसफार्मर ठप..

भारी बारिश से कहर से कुल्लू में एक की शख्स की मौत हुई है। प्रदेश में 124 सड़कें बंद, 442 ट्रांसफार्मर ठप और 19 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। मूसलाधार मानसूनी बारिश ने सिरमौर जिले के काला अंब औद्योगिक क्षेत्र सहित कई हिस्सों में भारी तबाही मचाई है जहां जलभराव के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और स्कूल बंद करने पड़े हैं। सिरमौर जिले के पच्छाद में राज्य में सबसे अधिक 207 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, इसके बाद नाहन में 158.5 मिलीमीटर जबकि धौलाकुआं में 70 मिलीमीटर और पांवटा साहिब में 62.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

शिमला में दीवार गिरने से 2 वाहन क्षतिग्रस्त..

बारिश की वजह से राजधानी शिमला में भी जनजीवन प्रभावित हुआ और शिमला ज़िले में वाहनों की आवाजाही के लिए 27 सड़कें बंद कर दी गईं। शहर के विकासनगर क्षेत्र में एक इमारत के सामने बनी दीवार ढह गई। दीवार गिरने से सड़क किनारे खड़े 2 वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने बताया कि शिमला जिले के सुन्नी इलाके में अत्यधिक बारिश के कारण ब्रैंडली गांव में एक घर की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानपरिसर में पानी घुस गया, जहां से अब लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम चल रहा है।

सिरमौर में नदियां-नाले उफान पर..

मौसम विभाग ने अगले तीन से चार घंटों के दौरान सिरमौर जिले में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। अधिकारियों ने बताया कि नाहन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। सिरमौर जिले की प्रमुख नदियां टोंस, यमुना, बाटा, गिरि और मार्कंडा तथा दर्जनों छोटे-छोटे नाले उफान पर हैं। प्रशासन ने लोगों को इन नदियों और नालों से दूर रहने की सलाह दी है।

जिले में बंद रहीं 34 सड़कें..

बारिश का असर जिले की सड़कों पर भी पड़ा है। लोक निर्माण विभाग **(PWD)** के अनुसार, जिले में कुल 34 सड़कें बंद रहीं। इनमें शिलाई उपमंडल की 21, संगड़ाह की आठ, नाहन की चार और राजगढ़ की एक सड़क शामिल है।

सिरमौर में सभी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद..

सिरमौर जिले के पांवटा उपमंडल में गुरुवार देर रात ही शिक्षण संस्थानों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया गया था। इसके बाद शुक्रवार तड़के नाहन, संगड़ाह, पच्छाद और राजगढ़ उपमंडलों के उपमंडलाधिकारियों **(SDM)** ने भी अलग-अलग आदेश जारी कर दिए। दिन में **IMD** द्वारा भारी बारिश और बादल गरजने का अलर्ट जारी किए जाने के मद्देनजर सिरमौर जिले के पांवटा के **SDM** द्विज गोयल ने शुक्रवार को उपमंडल के सभी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित किया।

यह फैसला स्टूडेंट्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लिया गया। हालांकि, आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी अपने-अपने संस्थानों में उपस्थित रहेंगे और उन्हें ड्यूटी से छूट नहीं दी गई है।

टीचर की डांट के बाद 13 साल की छात्रा ने उठाया खौफनाक कदम, रात को फंदे से लटकी हुई मिली लाश..

डेस्क जगप्रेरणा।

कर्नाटक के दक्षिण बेंगलुरु जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जिले के आनेकल इलाके में आठवीं क्लास की एक छात्रा ने कथित तौर पर अपने घर पर आत्महत्या कर ली।

उसके परिवार का आरोप है कि स्कूल में एक टीचर की डांट के बाद उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि 13 साल की छात्रा बुधवार रात को फंदे से लटकी हुई मिली, जबकि उसके माता-पिता को इस घटना का पता गुरुवार सुबह चला। इस घटना के बाद मौके से सुसाइड नोट को भी बरामद किया गया है। आइए जानते हैं कि छात्रा ने इसमें क्या बताया है।

सुसाइड नोट में क्या लिखा था?

मौके से हाथ से लिखा एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें लड़की ने कहा कि स्कूल में हुई एक घटना से उसे बहुत ज्यादा मानसिक तकलीफ हुई थी। उसने लिखा कि उस पर झूठे आरोप लगाए गए थे और वह इस अपमान को बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी। नोट में उसने यह भी कहा कि उसके इस फैसले के लिए उसकी मां, बहन और भाई जिम्मेदार नहीं हैं। उसने दूसरों से अपील की कि वे उसकी मां को न डांटें और अपने परिवार से माफी भी मांगी।

पुलिस ने शुरू की पड़ताल..

सूर्यनगर पुलिस ने इस मामले में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की आरम्भिक जांच के दौरान पता चला है कि छात्रा के कुछ सहपाठी कथित तौर पर उसे बुरा-भला कहते थे, जिससे वह परेशान थी।

हालांकि, सुसाइड नोट में किसी खास टीचर पर कोई खास आरोप नहीं लगाया गया है। पुलिस टीचरों, सहपाठियों और परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रही है ताकि उस असल वजह का पता लगाया जा सके जिसके कारण उसने यह कठोर कदम उठाया।

'मेरी हत्या हो सकती है, फिर भी जाऊंगी', शेख हसीना ने बांग्लादेश लौटने को लेकर किया बड़ा ऐलान; बताया कब करेंगी सरेंडर..

डेस्क जगप्रेरणा।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने घोषणा की है कि वह, अवामी लीग के अन्य निर्वासित नेताओं के साथ दिसंबर के आस-पास स्वेच्छा से बांग्लादेश लौटने का इरादा कर रही हैं;

भले ही उन्हें बांग्लादेश जाने पर गिरफ्तारी या मृत्यु का सामना करना पड़ रहा हो। एक इंटरव्यू में शेख हसीना ने यह बात कही। बता दें कि अगस्त 2024 में छात्र-नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद वह भारत चली गई थीं, जिसके बाद बांग्लादेश से उनकी सरकार हट गई थी और कई जगहों पर प्रदर्शन देखे गए।

कोर्ट के सामने कर सकती हैं सरेंडर..

शेख हसीना ने कहा कि वह बांग्लादेश लौटने पर न्यायिक अदालतों के समक्ष सरेंडर करने की योजना बना रही हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि निर्धारित वापसी के संबंध में ढाका में वर्तमान अधिकारियों के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। शेख हसीना ने इंटरव्यू में कहा, 'वे मुझे लौटने पर गिरफ्तार कर सकते हैं, वे मुझे मार भी सकते हैं। फिर भी, मुझे जाना ही होगा।'

'मौत आती है तो अपनी धरती पर आए'

अपने देश में अपने राजनीतिक समर्थकों की मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने अपने गृह देश में परिणामों का सामना करने के अपने दृढ़ संकल्प पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भीषण दमन हो रहा है। अगर मौत आती है, तो मैं चाहती हूं कि वह मेरी अपनी धरती पर आए, जहां मेरे माता-पिता दफन हैं और जहां उनका खून बहा था।'

शेख हसीना को मौत की सजा..

शेख हसीना का ये अहम बयान बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के फैसले के बाद आया है, जिसने मानवता के खिलाफ अपराधों में दोषी पाए जाने के बाद उन्हें मौत की सजा सुनाई। ये आरोप 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले प्रदर्शनों पर राज्य की कार्यवाही से जुड़े थे, जिसके कारण अंततः आवामी लीग सरकार का पतन हो गया। न्यायाधिकरण ने उन्हें राजनीतिक अशांति के दौरान प्रदर्शनकारियों की मौतों को रोकने का आदेश देने या ऐसा करने में विफल रहने के लिए जिम्मेदार ठहराया।

इसी फैसले में, न्यायाधिकरण ने पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को मौत की सजा और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को पांच साल की जेल की सजा सुनाई। न्यायिक निकाय ने राज्य को शेख हसीना और कमाल दोनों की संपत्तियों को जब्त करने का भी निर्देश दिया।

स्पेन के जंगल में लगी आग; 12 लोगों की मौत, 23 अन्य लापता..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

स्पेन के जंगल में लगी आग ने शुक्रवार तड़के तक 12 लोगों की जान ले ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आग लगने की इस घटना को स्पेन के इतिहास के सबसे घातक दावानल में से एक बताया जा रहा है। लोकप्रिय पर्यटन स्थल दक्षिणी प्रांत अल्मेरिया में लगी इस आग में कई लोगों के शव जली हुई गाड़ियों के अंदर मिले। माना जा रहा है कि आग से बचकर भागने की कोशिश के दौरान उनकी मौत हो गई।

अंदालूसिया क्षेत्र के प्रमुख जुआन मैनुअल मोरेनो ने बताया कि आग में आठ लोग झुलस गए हैं, जबकि 23 अन्य लापता हैं। आग पर काबू पाने के लिए 150 दमकलकर्मी और स्पेन की सैन्य आपदा इकाई के 220 सैनिक तैनात हैं। अब तक यह आग 3,200 हेक्टेयर से अधिक जंगल और कृषि भूमि को अपनी चपेट में ले चुकी है।

क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में ब्रिटेन के चार नागरिक तथा कुछ अन्य विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

यह आग सिएरा दे लॉस फिलाब्रेस पर्वतमाला के पास स्थित एक छोटे से गांव में भड़की। अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की फिलहाल पुष्टि नहीं की है, लेकिन आग की सूचना देने वालों का कहना है कि बिजली के तार से चिंगारी निकली, जिससे आग लगी और वह तेजी से पास के जंगल में फैल गई।

देश के अधिकांश हिस्सों में इस समय भीषण गर्मी का प्रकोप बना हुआ है। अंदालूसिया की आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख एंटोनियो सान्ज़ ने बताया कि अधिकांश लोगों की मौत इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने सुरक्षित स्थान पर ही रहने संबंधी अधिकारियों के निर्देशों का पालन नहीं किया और भागने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि कुछ लोग सूखी पड़ी नदी के रास्ते भागे, जो उनके लिए मौत का जाल बन गया।

सान्ज़ ने कहा कि सात लोगों ने अपनी कारें छोड़कर पैदल भागने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षित रास्ता तलाशते हुए उनकी मौत हो गई।

उन्होंने कहा, 'इस आग के परिणाम बेहद भयावह रहे हैं। प्रारंभिक संकेतों से लगता है कि मृतकों में अधिकतर विदेशी नागरिक हैं।'

स्पेन के प्रधानमंत्री पेट्रो सांचेज़ ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अल्मेरिया प्रांत में लगी भीषण आग के दुखद परिणामों से अत्यंत दुख और पीड़ा हुई है।' इस बीच, यूरोप एक बार फिर भीषण गर्मी के प्रकोप का सामना कर रहा है। हाल के वर्षों में स्पेन में भीषण गर्मी एक गंभीर समस्या बन गई हैं। यहां तापमान अक्सर 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच जाता है। तेज हवाएं, अत्यधिक गर्मी और बहुत कम वर्षा जैसी परिस्थितियां जंगल में लगी मामूली आग को भी तेजी से फैलाकर भयंकर और बेकाबू दावानल में बदल देती हैं।

हरियाणा के नूंह में गो तस्करी रोकने के अभियान के दौरान दो पुलिसकर्मियों की मौत..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

हरियाणा में नूंह जिले के गोयला गांव के निकट कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ़्तार ट्रक की चपेट में आने से एक आरक्षी और एक उपनिरीक्षक की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा बृहस्पतिवार तड़के उस समय हुआ जब पुलिस की एक टीम मवेशियों को ले जा रही एक गाड़ी को अपने कब्जे में लेने के लिए एक्सप्रेसवे पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, मवेशियों को ले जा रहा वाहन खराब होने के बाद सड़क किनारे खड़ा कर दिया गया था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। हादसे में आरक्षी गिरीश (26) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उपनिरीक्षक मुकेश फोगाट (54) गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, एक अन्य पुलिसकर्मी साहिल बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद बचाव अभियान शुरू किया गया और गंभीर रूप से घायल उपनिरीक्षक मुकेश फोगाट को अस्पताल में भर्ती कराया गया। नूंह पुलिस के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि इलाज के दौरान फोगाट ने भी दम तोड़ दिया।

पुलिस ने इस मामले में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं। मवेशी तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार कर उसके वाहन से 15 गायों को भी बरामद कर सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले के मंडोली निवासी रानू सिंह के रूप में हुई है।

बंगाल की खाड़ी में लापता हुई मछली पकड़ने वाली ट्रॉलर, 15 मछुआरों का अब तक नहीं चला पता...

डेस्क जगप्रेरणा।

बंगाल की खाड़ी से एक चिंताजनक खबर सामने आई है। समुद्र में मछली पकड़ने गई एक ट्रॉलर लापता हो गई है। इस ट्रॉलर पर सवार कुल 15 मछुआरों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। इनमें ओडिशा के बालेश्वर जिले के तीन मछुआरे भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, 'मां काली' नाम की यह ट्रॉलर 2 जुलाई को पश्चिम बंगाल के शंकरपुर फिशिंग हार्बर से समुद्र में मछली पकड़ने के लिए निकली थी। बताया जा रहा है कि समुद्र में तेज लहरों और खराब मौसम का सामना करने के बाद ट्रॉलर अचानक लापता हो गई।

ट्रॉलर से संपर्क टूटा..

जानकारी के अनुसार, समुद्र में यह खराब मौसम बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण पैदा हुआ है। इसी वजह से समुद्र में ऊंची लहरें उठीं, जिसके बाद ट्रॉलर से संपर्क टूट गया। लापता मछुआरों में ओडिशा के बालेश्वर जिले के भोगराई ब्लॉक के उलुदा गांव के तीन लोग शामिल हैं। उनकी पहचान रबिंद्र माझी, जगन्नाथ माझी और जयराम माझी के रूप में हुई है। ट्रॉलर पर सवार बाकी 12 मछुआरे पश्चिम बंगाल के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

एसोसिएशन के अधिकारी ने बताई पूरी बात..

घटना की जानकारी मिलने के बाद दीघा फिशरमेन एंड फिश ट्रेडर्स एसोसिएशन ने तुरंत दीघा और मंदारमणि मरीन पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रशासन ने खोज अभियान शुरू कर दिया। शंकरपूर फिशरमैन एंड फिश ट्रेलर्स एसोसिएशन के सेक्रेटरी स्वदेश नायक ने कहा,÷मैं आवेदन कर रहा हूं कि 'मां काली' नाम का ट्रॉलर, जो हमारे एसोसिएशन से जुड़ा हुआ है, 2 जुलाई 2026 को 15 मछुवारों के साथ समंदर के अंदर गया था, उनका आज तक पता नहीं चल पा रहा है। हमनें मान्यवर सांसद सोमेंदो अधिकारी,मान्यवर विधायक चंद्रशेखर,विभिन्न थानों,दीघा कोस्टल पुलिस और मंदारमणि कोस्टल पुलिस को भी इसकी जानकारी दी है। हम चाहते हैं कि जल्द से जल्द मछुवारों को खोजने और रेस्क्यू करने की व्यवस्था की जाए। हम नेवी और हेलीकॉप्टर से खोजने की व्यवस्था की जाए। मछुवारों का परिवार टूट गया है और सभी चिंता कर रहे हैं।÷

समुद्र में सर्च ऑपरेशन जारी..

लापता ट्रॉलर और उसमें सवार मछुआरों की तलाश के लिए समुद्र में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। खोज अभियान में हेलीकॉप्टर की भी मदद ली जा रही है ताकि जल्द से जल्द ट्रॉलर और मछुआरों का पता लगाया जा सके। फिलहाल सभी 15 मछुआरे लापता बताए जा रहे हैं और उनकी तलाश लगातार जारी है। प्रशासन की ओर से बचाव अभियान तेज कर दिया गया है, लेकिन अभी तक किसी के सुरक्षित मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों और परिजनों की निगाहें अब बचाव दल की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। लापता मछुवारों के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

महिला और बेटे की हत्या के मामले में पति समेत पांच लोग हिरासत में..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में एक महिला और उसके 10 वर्षीय बेटे की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके पति और देवर समेत पांच लोगों को हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (नगर) रणविजय सिंह ने बताया कि घटना पाकबड़ा थाना क्षेत्र की है और जांचकर्ताओं को आशंका है कि यह वारदात कथित अवैध संबंधों से जुड़ी हो सकती है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के लिए हिरासत में लिए गए लोगों में महिला का पति, देवर, चाचा ससुर और कथित प्रेमी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, महिला पिछले करीब दो वर्षों से अपने पति से अलग रह रही थी।

पुलिस ने बताया कि बुधवार को मोदहा तैय्या गांव के पास जंगल से महिला का शव बरामद हुआ था और इसके अगले दिन बृहस्पतिवार को उसके 10 वर्षीय बेटे का शव करीब 50 मीटर दूर गन्ने के खेत से बरामग किया गया था। पुलिस के मुताबिक, बच्चे की हत्या गला घोंटकर की गई जबकि महिला का गला किसी धारदार हथियार से रेता गया था।

पुलिस ने बताया कि दोनों की पहचान छिपाने के उद्देश्य से चेहरों को जला दिया गया था हालांकि, बच्चे का चेहरा पूरी तरह से नहीं जला था, जिसके आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान मोदहा तैय्या गांव निवासी जसराम के बेटे अंकुश के रूप में की और बाद में महिला की पहचान जसराम की पत्नी सीमा के रूप में हुई।

पुलिस के मुताबिक, जसराम ट्रक चालक है लेकिन बीमारी के कारण वह काम करने में असमर्थ है और गांव में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि वहीं, सीमा करीब दो साल पहले वैवाहिक विवाद के बाद अपने बेटे के साथ अलग रहने लगी थी। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि सीमा कुछ समय से फलैदा गांव के एक व्यक्ति के कथित तौर पर संपर्क में थी। सिंह ने बताया, 'मामले को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। केवल घटनाक्रम और बाकी कड़ियों को जोड़ना बाकी है।'

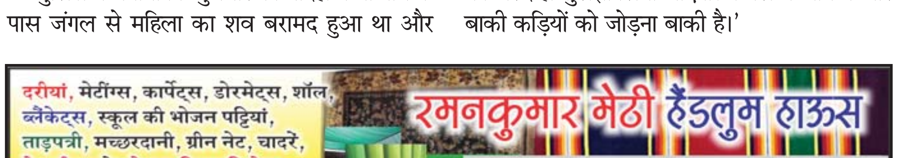

जग प्रेरणा
खेल मनोरंजन
खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

मंत्रालय ने राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 191 सदस्यीय भारतीय दल को मंजूरी दी..

नई दिल्ली, (भाषा)।

खेल मंत्रालय ने 23 जुलाई से ग्लास्गो में शुरू होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 191 सदस्यीय भारतीय दल को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। इस दल में 126 खिलाड़ी और 51 टीम अधिकारी शामिल हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारतीय ओलंपिक संघ

(आईओए) की कार्यकारी समिति के निर्वाचित सदस्यों की यात्रा एवं अन्य व्यय का वहन सरकार नहीं करेगी।

यहां जारी अधिसूचना के अनुसार, दल के भारत लौटने के 30 दिनों के भीतर खेल मंत्रालय को खिलाड़ियों के प्रदर्शन की विस्तृत रिपोर्ट प्रतियोगिताओं से संबंधित फोटो के साथ प्रस्तुत करनी होगी।

भारतीय दल में कुल 126 खिलाड़ी शामिल हैं जिनमें 78 पुरुष और 48 महिला खिलाड़ी हैं।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया, ''कोई व्यक्ति अगर आईओए की कार्यकारी समिति, किसी राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) अथवा किसी अन्य खेल निकाय में निर्वाचित पद पर है और उसका नाम टीम अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया है तो उसकी यात्रा एवं अन्य खर्च का वहन सरकार नहीं करेगी।''

मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि 'टीम अधिकारी' की श्रेणी में कोच, सहयोगी स्टाफ चिकित्सा दल तथा दल के अन्य अधिकारी शामिल होंगे।

भारतीय दल के प्रमुख रोहित राजपाल ही ऐसे एकमात्र अधिकारी हैं जो आईओए की कार्यकारी समिति के सदस्य भी हैं। ऐसे में अगर मंत्रालय का यह निर्देश उन पर लागू होता है तो ग्लास्गो में उनके प्रवास का खर्च सरकार वहन नहीं करेगी।

मंत्रालय ने एक बार फिर राष्ट्रीय खेल महासंघों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने दलों के सभी सदस्यों का पृष्ठभूमि सत्यापन (बैकग्राउंड जांच) अनिवार्य रूप से कराएं क्योंकि अतीत में 'कुछ अधिकारियों और खिलाड़ियों के विदेशों में लापता हो जाने की घटनाओं को देखते हुए यह कदम आवश्यक है'।

स्वीकृत सूची के अनुसार नीरज चोपड़ा की अगुवाई वाली 32 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम में 10 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। इसके साथ सबसे बड़ा सहयोगी दल भेजा जाएगा। इस दल के सहयोगी स्टाफका नेतृत्व मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर करेंगे। इसके बाद मुक्केबाजी दल का स्थान है जिसके लिए आठ सदस्यीय सहयोगी दल को मंजूरी दी गई है। एथलेटिक्स दल के साथ पांच कोच, दो फिजियोथेरेपिस्ट, एक चिकित्सक और दो अन्य चिकित्सा विशेषज्ञ भी ग्लास्गो जाएंगे।

पीटीआई ने मार्च में खबर दी थी कि भारतीय दल में इस बार खिलाड़ियों के निजी कोचों को शामिल नहीं किया गया है। खेल मंत्रालय ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि किसी निजी कोच को दल में शामिल करने के अनुरोध पर खिलाड़ी के विकास में उनके प्रत्यक्ष योगदान और नियमित जुड़ाव का आकलन किया जाएगा।

मंत्रालय ने यह भी साफकिया था कि स्वीकृत दल की निर्धारित संख्या से अधिक किसी भी निजी कोच को अनुमति नहीं दी जाएगी, भले ही उसके खर्च का वहन सरकार को न करना पड़े।

मुक्केबाजी दल के सहयोगी स्टाफ में खेल मनोवैज्ञानिक मैथिली भूपतानी को भी शामिल किया गया है। कोचिंग समूह का नेतृत्व स्वीडन के सैंटियागो नीवा करेंगे, जबकि मंदाकिनी चानू कोचिंग दल में शामिल एकमात्र महिला हैं। भारत की ओर से ग्लास्गो में सात महिलाएं समेत 14 मुक्केबाज पदक के मजबूत दावेदार के रूप में चुनौती पेश करेंगे।

मीराबाई चानू की अगुवाई वाली 12 सदस्यीय भारोत्तोलन टीम के साथ चार कोच और दो अतिरिक्त अधिकारी होंगे जिनमें एक फिजियोथेरेपिस्ट भी शामिल है।

पांच सदस्यीय भारतीय तैराकी दल के प्रबंधन और प्रशिक्षण की जिम्मेदारी निहार अमीन और संदीप सेजवाल संभालेंगे।

मंत्रालय ने पैरा-खेलों के दल के लिए 42 सदस्यीय सहयोगी स्टाफको भी मंजूरी दी है। इसमें एथलेटिक्स को सबसे अधिक प्रतिनिधित्व मिला है। 11 सदस्यीय एथलेटिक्स पैरा दल के लिए तीन टीम अधिकारियों को शामिल किया गया है।

लागत में कटौती के कारण ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन काफी सीमित स्तर पर किया जा रहा है। इसका असर भारत के पदक प्रदर्शन पर पड़ने की संभावना है।

इस बार निशानेबाजी, हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती और क्रिकेट जैसी वे पारंपरिक पदक दिलाने वाली स्पर्धाएं शामिल नहीं हैं जिनमें भारत का प्रदर्शन आमतौर पर मजबूत रहा है।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में केवल 10 सामान्य वर्ग की और छह पैरा स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। भारत सामान्य वर्ग की नौ स्पर्धाओं और पैरा वर्ग की पांच स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा।

बहुत हुआ रोमांस अब एक्शन की बारी, रश्मिका मंदाना ने अपकमिंग फिल्म के शूट किए सीन, अंडर वाटर दिखेगी फाइट..

डेस्क जगप्रेरणा।

रश्मिका मंदाना ने अपने करियर के 10 साल में फलक चूमती शोहरत और सफलता देख ली है। लेकिन अभी भी रश्मिका के अंदर का कलाकार पूरी तरह संतुष्ट नहीं हुआ है।

ये बात उनकी अगली फिल्म मीसा की शूटिंग सीन्स की कुछ तस्वीरें देखने के बाद कहा जा सकता है। अपने करियर में एक रोमांटिक गर्ल की भूमिका निभाने वाली रश्मिका अब तक आधा दर्जन से ज्यादा सुपरहिट फिल्में दे चुकी हैं। इनमें से पुष्पा और पुष्पा 2 जैसी फिल्में भी शामिल हैं जिनकी कमाई अपने आप में एक रिकॉर्ड है। अब रोमांस से इतर रश्मिका एक्शन के मोड में हैं और अपनी अपकमिंग फिल्म मीसा के एक्शन सीन्स फिल्मा रही हैं। इसकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिसमें रश्मिका अंडर वाटर फाइट वाले सीन्स शूट कर रही हैं। उनके पीछे पीठ पर गहरे चाकुओं के निशान दिख रहे हैं जो सीन को फिल्माने से पहले बनाए गए हैं। रश्मिका की अपकमिंग फिल्म 'मीसा' 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

धमाकेदार एक्शन में दिखेंगी रश्मिका मंदाना..

डायरेक्टर रविंद्र फुले की ये फिल्म एक बेहतरीन एक्शन का वादा कर रही है और बीते दिनों रिलीज हुए इसके टीजर में भी झलक देखने को मिली थी। रश्मिका फिल्म में एक दमदार रोल में एक्शन करते दिखने वाली हैं। टीजर में इसकी झलक देखने के बाद उनके फैन्स भी काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। रश्मिका के साथ फिल्म में राव रमेश, ईश्वरी राव, प्रवीण दचरम और शत्रु जैसे एक्टर नजर आने वाले हैं। खास बात ये है कि रश्मिका ने इससे पहले इतना एक्शन से भरा किरदार नहीं निभाया है। लेकिन अब उनके फैन्स को उम्मीदें हैं कि रश्मिका कुछ कमाल करने वाली हैं।

रोमांटिक किरदारों में भरा रंग..

रश्मिका फिल्मी दुनिया में सबसे कम समय में सबसे ज्यादा सफल होने वाली चंद अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत क्रिक पार्टी से की थी और ये फिल्म सुपरहिट रही थी।

इसके बाद रश्मिका ने लगातार कई बेहतरीन फिल्मों में अपनी खूबसूरती और रोमांस से दर्शकों का मनोरंजन किया है। उनका पुष्पा के किरदार से लेकर कॉकटेल 2 में भी उन्हें खूब सराहा गया है। अब रश्मिका एक्शन से भरे किरदार के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अब देखना होगा कि क्या रश्मिका की ये फिल्म कमाई के मामले में कमाल कर पाती है या नहीं।

राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ा झटका, चेक बाउंस केस में फिर जाना होगा जेल, सुनाई गई 3 महीने की सजा..

डेस्क जगप्रेरणा।

राजपाल यादव का चेक बाउंस केस एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। एक्टर के केस पर आज दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई की। लंबे वक्त से हाई कोर्ट इस मामले में हस्तक्षेप कर के समझौता कराने का प्रयास कर रहा था, लेकिन ऐसा हो नहीं सका है।

अब दिल्ली हाई कोर्ट से राजपाल यादव को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उन्हें 3 महीने की सजा सुनाई है। ऐसे में एक्टर को फिर जेल भेजा जाएगा।

क्या है कोर्ट का आदेश?

दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिनेता राजपाल यादव को चेक बाउंस के सभी सात मामलों में तीन-तीन महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आदेश दिया कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी, इसलिए उन्हें कुल तीन महीने की ही सजा भुगतनी होगी। अदालत ने हर मामले में 1.05 करोड़ का जुर्माना भी लगाया है।

इस तरह सातों मामलों में कुल जुर्माना 7.35 करोड़ बनता है। अदालत के आदेश के अनुसार, प्रत्येक मामले में 1 करोड़ 4 लाख 75 हजार शिकायतकर्ता को और 25 हजार राज्य को अदा किए जाएंगे। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि राजपाल यादव को अदालत में दिए गए अपने अंडरटेकिंग का पालन करने के लिए कई मौके दिए गए, लेकिन उन्होंने बार-बार अवसर मिलने के बावजूद उसका पालन नहीं किया।

कोर्ट ने पिछली सुनवाई में ही राजपाल के बदले रुख पर सवाल खड़े किए..

हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने 2 अप्रैल को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिस पर आज सुनवाई की गई है। कोर्ट ने साफकिया कि समझौते का अंतिम प्रयास विफल रहा। पिछली सुनवाई के दौरान अभिनेता ने समझौते की योजना का विरोध किया और अदालत के सामने एक भावुक अपील रखी थी। बकाया कर्ज चुकाने को लेकर राजपाल यादव के बदलते रुख पर हाई कोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई। अदालत ने एक मौके पर कहा था, 'मुझे मेरे सवालों के जवाब नहीं मिल रहे हैं। आपके हलफनामे में कुछ और लिखा था और अब आप कुछ और कह रहे हैं।'

कंपनी की थी ये मांग..

शिकायतकर्ता कंपनी का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील अवनीत सिंह सिक्का ने दलील दी था कि यादव अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते क्योंकि वे अपने कनविक्शन को पहले ही स्वीकार कर चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि साल 2024 की संशोधन याचिका में 1894 दिनों की लंबी देरी की कोई ठोस वजह नहीं बताई गई थी। वकील ने आगे तर्क दिया था कि केवल जेल की सजा पूरी कर लेने से बाउंस हुए चेकों की वित्तीय देनदारी खत्म नहीं हो जाती। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बार-बार आश्वासन दिए जाने के बाद भी बकाया राशि का भुगतान न होने के कारण ही शिकायतकर्ता को नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत कानूनी रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा। अदालत के सुझाव पर शिकायतकर्ता कंपनी अंतिम समझौते के रूप में ₹6 करोड़ लेने के लिए तैयार हो गई थी।

समझौते पर राजी नहीं हुआ राजपाल यादव..

हालांकि राजपाल यादव ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया और सुनवाई के अंतिम दिन व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अदालत को बताया कि वे पहले ही भारी वित्तीय नुकसान उठा चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि अपनी संपत्ति बेचने के बाद वे पहले ही एक बड़ी रकम का भुगतान कर चुके हैं। इसके अलावा अदालत ने एक निश्चित समय सीमा के भीतर ₹3 करोड़ के स्ट्रक्चर्ड भुगतान का भी सुझाव दिया, साथ ही यह साफकिया कि यह केवल एक सलाह है, कोई अंतिम फैसला नहीं। इन तमाम कोशिशों के बावजूद दोनों पक्ष किसी सहमति पर नहीं पहुंच सके थे, जिसके बाद कोर्ट ने आज सख्त रुख अपनाया।

युवा तीरंदाज कीर्ति और पृथिका तीरंदाजी विश्व कप के सेमीफाइनल में, नजरें दोहरें पदक पर..

मैड्रिड, (भाषा)।

भारत की युवा तीरंदाज कीर्ति शर्मा और पृथिका प्रदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व तीरंदाजी कप के चौथे चरण में अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर देश की पदक उम्मीदों को कायम रखा तो वहीं,

अनुभवी तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा और ज्योति सुरेखा वेन्नम का अभियान एकल वर्ग में निराशाजनक ढंग से समाप्त हो गया। अपने पहले विश्व कप सत्र में खेल रहीं 19 वर्षीय कीर्ति ने महिला रिकर्व क्वार्टर फाइनल में विश्व की 11वें नंबर की स्पेन की एलिया कैनालेस को 6-2 (27-29, 29-26, 27-26, 28-26) से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करने के बाद अब सेमीफाइनल में उनका सामना तुर्की की एलिफ गोक्किर से होगा।

महिला कंपाउंड वर्ग में 19 वर्षीय पृथिका प्रदीप ने स्पेन की एंड्रिया मुनोज को 140-135 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका मुकाबला मलेशिया की फातिन नुरफातेहाह मत सालेह से होगा। पृथिका अपने पहले विश्व कप व्यक्तिगत पदक से अब केवल एक जीत दूर हैं।

कीर्ति और पृथिका दोनों के पास दोहरे पदक जीतने का मौका है। पृथिका ने ज्योति और चीकिथा तनिपर्थी के साथ महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा के फाइनल में पहुंचकर कम से कम रजत पदक पहले ही सुनिश्चित कर लिया है। वहीं, धीरज और कीर्ति शर्मा की भारतीय मिश्रित रिकर्व टीम रविवार को कांस्य पदक के मुकाबले में उतरेगी।

कीर्ति ने अंतिम-32 मैच में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता जर्मनी की मिशेल क्रोपेन को 6-2 (30-23, 27-25, 25-22, 27-26) से हराने के बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की ली त्साई-ची को 6-4 (29-27, 27-29, 27-25, 27-27, 28-28) से हराया।

कीर्ति ने अंतिम आठ के पहले सेट को 27-29 से गंवाने के बाद दूसरे सेट में शानदार 29 अंक बनाए, जबकि कैनालेस केवल 26 अंक ही जुटा सकीं। इसके बाद तीसरा सेट 27-26 और चौथा सेट 28-26 से जीतकर कीर्ति ने बड़ा उलटफेर किया। पृथिका ने भी कंपाउंड स्पर्धा के पहले दौर में दक्षिण कोरिया की पार्क जुंगयून को 145-144 से हराया, जबकि प्री-क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की लिको अर्रेओला को 147-146 जबकि क्वार्टर फाइनल में एंड्रिया मुनोज को 140-135 से हराकर अंतिम चार में स्थान पक्का किया। पिछले कुछ महीनों से खराब फॉर्म से जूझ रहीं ज्योति ने चौथी वरीय चीन की वेई फांगयाओ को 148-146 से हराकर दमदार शुरुआत की, लेकिन प्री-क्वार्टर फाइनल में तुर्की की हाजल बुरुन से बेहद करीबी मुकाबले में 146-147 से हारकर बाहर हो गईं।

पुरुष रिकर्व वर्ग में धीरज का अभियान भी क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। पिछले महीने अंताल्या में अपना पहला विश्व कप स्वर्ण जीतने वाले धीरज ने क्वालिफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल किया था और उन्हें खिताब का प्रमुख दावेदार माना जा रहा था। जर्मनी के लियोन जेमेला के खिलाफक्वार्टर फाइनल में धीरज 5-6 से हार गए। शूट-ऑफमें जेमेला ने नौ अंक का निशाना लगाया, जबकि धीरज का तीर आठ अंक वाले घेरे में लगा और उनका अभियान समाप्त हो गया।

क्या कुशल टंडन ने शिवांगी जोशी को दिया धोखा? 'लॉक अप 2' में श्रेया कालरा के बयान से उठे सवाल..

डेस्क जगप्रेरणा।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस श्रेया कालरा ने कुशल टंडन के बारे में एक चौंकाने वाला दावा किया है। उनका आरोप है कि कुशल ने उन्हें सोशल मीडिया पर तब मैसेज किया था,

जब वह शिवांगी जोशी के साथ रिलेशनशिप में थे। 'लॉक अप 2' के लेटेस्ट एपिसोड में शिल्पा शिंदे से बात करते हुए, श्रेया ने बताया कि कैसे उनकी बातचीत आगे चलकर शिवांगी तक पहुंची और उनकी चैट पढ़कर शिवांगी सेट पर ही रो पड़ी थी। श्रेया ने यह भी दावा किया कि कुशल ने शिवांगी से कहा था कि श्रेया ने ही सबसे पहले उन्हें अप्रोच किया और मैसेज किया था। श्रेया ने इस दावे को गलत बताया और शिवांगी को सबूत भी दिया।

कुशल टंडन ने शिवांगी जोशी को दिया था धोखा..

उस घटना को याद करते हुए श्रेया ने कहा, 'शूट के बाद उन्होंने मुझे छरूकिया। उस समय मैं किसी को डेट कर रही थी। उस समय कुशल टंडन और शिवांगी जोशी के बीच कुछ चल रहा था, जिसके बारे में मुझे पता नहीं था।' इस बारे में आगे बात करते हुए, उन्होंने दावा किया कि कुशल ने ही उनसे पहले बातचीत करना शुरू की थी, लेकिन उन्होंने उस बातचीत को आगे नहीं बढ़ाया।

श्रेया कालरा ने शिवांगी जोशी को दिया बेगुनाही का सबूत..

श्रेया कालरा के अनुसार बाद में उनकी मुलाक़ात एक सेट पर शिवांगी जोशी से हुई, जहां एक्ट्रेस ने बताया कि कुशल ने उनसे कहा था कि श्रेया ने ही सबसे पहले उन्हें फॉलो किया और मैसेज किया था। श्रेया ने इस आरोप को साफ तौर पर नकारते हुए कहा, 'अरे! मैं किसी भी आदमी से पहले बात करने वाली इंसान नहीं हो सकती। मैंने अपनी पूरी जिंदगी में ऐसा कभी नहीं किया है।'

श्रेया कालरा ने गलतफहमी दूर करने के लिए एक्ट्रेस शिवांगी को अपना फोन दे दिया और उन्हें पूरी चैट पढ़ने दी। इस दौरान उन्होंने यह भी खुलासा किया, 'मैंने अपना फोन उन्हें दे दिया। उन्होंने मेरी पूरी चैट पढ़ी। मैंने कोई फ्लर्ट नहीं किया और न ही कुछ कहा।'

कुशल का सच जानने के बाद टूट गई थीं शिवांगी..

स बारे में सब कुछ सुनाने के बाद शिल्पा ने पूछा कि क्या मैसेज पढ़ने के बाद शिवांगी रोई थीं तो श्रेया कालरा ने जवाब दिया, 'शूट के बाद सेट पर वह रोई थीं।' उन्होंने आगे बताया कि तीन से पांच महीने बाद कुशल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके बताया कि उनका और शिवांगी का ब्रेकअप हो गया है।

मंधाना और हरमनप्रीत के अर्धशतक, भारत के चाय तक पांच विकेट पर 202 रन

लंदन, (भाषा)।

स्मृति मंधाना की 83 रन की आक्रामक पारी और कप्तान हरमनप्रीत कौर के शानदार 58 रन की बदौलत भारत ने शुक्रवार को यहां खेले जा रहे एकमात्र महिला टेस्ट के पहले दिन चाय तक इंग्लैंड के खिलाफपांच विकेट पर 202 रन बना लिए।

चाय से ठीक पहले हरमनप्रीत (121 गेंद, सात चौके) मैडी विलियर्स की शानदार ऑफब्रेक गेंद पर बोल्ड हो गईं, जिससे भारतीय टीम कुछ दबाव में आ गई। दीप्ति शर्मा पांच रन बनाकर खेल रही हैं। भारत ने सुबह के सत्र में तेजी से रन बनाए, लेकिन लंच के बाद उसकी रन गति धीमी पड़ गई। दूसरे सत्र में टीम ने 26.2 ओवर में केवल 80 रन जोड़े और इस दौरान दो विकेट गंवाए।

भारत ने पहले सत्र में तीन विकेट पर 122 रन बनाए थे। इसमें मंधाना (108 गेंद में 11 चौके और एक छक्का) और जेमिमा रोड्रिग्स (38 गेंद में 35 रन) के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी का अहम योगदान रहा।

दूसरे सत्र में भारत को अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए इसी लय की जरूरत थी। मंधाना और हरमनप्रीत ने चौथे विकेट के लिए 89 रन जोड़कर अपेक्षाकृत फीकी नजर आ रही इंग्लैंड की गेंदबाजी के खिलाफरन जुटाए।

मैडी विलियर्स और लॉरेन फाइलर ने कुछ हद तक रनगति पर अंकुश लगाने की कोशिश की, लेकिन हरमनप्रीत उनका प्रभाव कम करने में लगी रहीं। लेकिन शतक के करीब पहुंच रहीं मंधाना तेज गेंदबाज इसी वोंग की गेंद पर बल्ले का बाहरी किनारा लगाकर विकेटकीपर एमी जोन्स को कैच दे बैठीं। इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और उसकी गेंदबाजों ने इसे सही साबित करते हुए 37 रन तक भारत के दो विकेट झटक लिए। शेफाली वर्मा और यास्तिका भाटिया सात ओवर के अंदर आउट हो गईं।

लेकिन मंधाना ने फिर जिम्मेदारी से खेलते हुए पारी को संभाला। उन्होंने और रोड्रिग्स ने इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रामण पर दबदबा बनाया। मंधाना ने तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर पर लगातार दो चौके लगाए और फिर स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन पर स्लॉग स्वीप के जरिए मिड विकेट के ऊपर छक्का जड़ दिया। फाइलर ने दूसरे ही ओवर में एक खूबसूरत गेंद पर शेफाली को आउट किया था। यह भारतीय बल्लेबाज उनकी गेंद पर बल्ला छुआ बैठी और विकेटकीपर के हाथों लपकी गईं।

रोड्रिग्स ने दो बार एक्लेस्टोन की गेंद को सीमी रेखा के पार कराया जिससे भारतीय टीम उस समय छह रन प्रति ओवर के हिसाब से आगे बढ़ रही थी। लेकिन रोड्रिग्स ने तेज गेंदबाज इसी वोंग की बाहर जाती गेंद को खेलने की कोशिश में अपना विकेट गंवा दिया। यह गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर स्टंप पर जा लगी। लेकिन मंधाना और हरमनप्रीत ने सुनिश्चित किया कि पहले सत्र में और कोई विकेट नहीं गिरे।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

साहित्य अभिव्यक्ति

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

ईरान-अमेरिका समझौता टूटा -बढ़ती महंगाई का आघात वैश्विक भू- राजनीतिक तनाव और भारतीय अर्थव्यवस्था -क़्या नई चुनौतियों का दौर शुरू? -एक समग्र अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण..

वैश्विक स्तर पर इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक विश्व अर्थव्यवस्था के लिए जितना अवसरों का युग सिद्ध हो रहा है,उतना ही अनिश्चितताओं औरबहुआयामी चुनौतियों का भी। कोविड-19 महामारी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था ने पुनरुद्धार की दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ाए,लेकिन रूस-यूक्रेन संघर्ष, ईरान अमेरिका युद्ध पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधान, समुद्री व्यापार मार्गों पर सुरक्षा संबंधी जोखिम,ऊर्जा बाज़ार में अस्थिरता तथा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों की सख्त मौद्रिक नीतियों ने विश्व आर्थिक व्यवस्था को फ़िर से कठिन मोड़ पर ला खड़ा किया है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज महंगाई केवल किसी एक देश की घरेलू समस्या नहीं रह गई है,बल्कि यह एक वैश्विक आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौती बन चुकी है, जिसका प्रभाव विकसित और विकासशील दोनों प्रकार की अर्थव्यवस्थाओं पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ईरान अमेरिका समझौता टूटने से आज 9 जुलाई 2026 को दोनों ने एक दूसरे के ऊपर भयंकर हमले किए हैं,स्पष्ट है कि अमेरिका-ईरान तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है,बल्कि उसका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई, वित्तीय बाजारों और भारत जैसे उभरते देशों की विकास यात्रा पर पड़ता है। इसलिए भारत के लिए समय की मांग केवल तात्कालिक संकट प्रबंधन नहीं, बल्कि ऐसी दीर्घकालिक आर्थिक और कूटनीतिक रणनीति तैयार करना है जो बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भी देश की विकास गति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को बनाए रख सके। भारत इस वैश्विक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण इन घटनाक्रमों से अछूता नहीं रह सकता।भारत विश्व के सबसे बड़े कच्चा तेल आयात करने वाले देशों में शामिल है। देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में थोड़ी-सी वृद्धि भी भारत के आयात बिल, व्यापार घाटे और राजकोषीय संतुलन को प्रभावित कर सकती है।यदि तेल महंगा होता है तो परिवहन लागत बढ़ती है, उद्योगों का उत्पादन महंगा होता है, कृषि क्षेत्र में डीजल और उर्वरकों का खर्च बढ़ता है तथा अंततः खाद्य वस्तुओं और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने लगते हैं। यही वह श्रृंखला है, जो महंगाई को केवल आर्थिक शब्द नहीं रहने देती, बल्कि प्रत्येक परिवार के मासिक बजट और जीवन स्तर से सीधे जोड़ देती है।

साथियों, कृषि क्षेत्र भी इन वैश्विक परिस्थितियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। भारत कृषि प्रधान देश है, लेकिन खेती में डीजल, उर्वरक, सिंचाई, परिवहन और भंडारण की लागत लगातार बढ़ने पर किसानों की उत्पादन लागत बढ़ जाती है। यदि मौसम की अनिश्चितता भी साथ जुड़ जाए, तो खाद्यान्न उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इससे खाद्य महंगाई बढ़ने की संभावना रहती है, जिसका सीधा प्रभाव आम नागरिकों की रसोई पर पड़ता है। यही कारण है कि खाद्य सुरक्षा,कृषि सुधार आधुनिक भंडारण व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत बनाना आज केवल कृषि नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक नीति का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

साथियों, महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव निश्चित आय वाले वर्ग पर पड़ता है। मध्यम वर्ग, वेतनभोगी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छोटे व्यापारी और निम्न आय वर्ग के परिवार तब सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, जब उनकी आय की तुलना में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं।भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली, गैस और आवास जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर होने वाला खर्च परिवारों के मासिक बजट को असंतुलित कर देता है। यदि ब्याज दरें भी ऊँची बनी रहती हैं तो गृह ऋण, वाहन ऋण और व्यापारिक ऋण की मासिक किस्तें बढ़ सकती हैं। इस प्रकार महंगाई केवल आर्थि सूचकांक नहीं रहती,बल्कि प्रत्येकपरिवार के जीवन स्तर और भविष्य की योजनाओं को प्रभावित करने वाला वास्तविक सामाजिक प्रश्न बन जाती है।

साथियों, आज विश्व व्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ आर्थिक शक्ति, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी श्रेष्ठता और भू-राजनीतिक प्रभाव एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। अमेरिका अपनी मौद्रिक नीति, तकनीकी नवाचार और डॉलर की वैश्विक भूमिका के माध्यम से आर्थिक नेतृत्व बनाए रखने का प्रयास कर रहा है।चीन विनिर्माण, निर्यात, दुर्लभ खनिजों, हरित प्रौद्योगिकी और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर कार्य कर रहा है।यूरोपीय संघ ऊर्जा विविधीकरण हरित अर्थव्यवस्था और डिजिटल परिवर्तन पर बल दे रहा है,जबकि जापान तकनीकी नवाचार, उच्च उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता के माध्यम से अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। इन परिस्थितियों में भारत केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है।

साथियों, भारत के पास आज विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी,तेजी से बढ़ता डिजिटल बुनियादी ढाँचा, विशाल घरेलू बाजार, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, मजबूत बैंकिंग प्रणाली,व्यापक भुगतान नेटवर्क, तेजी से विकसित हो रहा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और आधारभूत संरचना में निरंतर निवेश जैसी अनेक शक्तियाँ हैं। यही कारण है कि वैश्विक कंपनियाँ आज चीन पर अत्यधिक निर्भरता कम करते हुए भारत को दीर्घकालिक विनिर्माण, अनुसंधान, डिजिटल सेवाओं और वैश्विक आपूर्ति शृंखला के विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखने लगी हैं। यदि भारत इन अवसरों का सही उपयोग करता है तो वर्तमान वैश्विक संकट भी उसके लिए दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन का आधार बन सकता है।हालाँकि अवसरों के साथ चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। यदि वैश्विक महंगाई लंबे समय तक बनी रहती है, पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, कच्चे तेल की कीमतें ऊँचे स्तर पर बनी रहती हैं या समुद्री व्यापार मार्गों में व्यवधान आता है, तो भारत के आयात बिल, चालू खाते के घाटे, राजकोषीय प्रबंधन और महंगाई नियंत्रण पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन, असामान्य मानसून, खाद्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और वैश्विक व्यापार में बढ़ती संरक्षणवादी नीतियाँ भी भविष्य की आर्थिक रणनीति को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए भारत को केवल तात्कालिक समाधान नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों पर भी निरंतर कार्य करना होगा।

साथियों, ऐसी परिस्थितियों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक होनी चाहिए। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन, परमाणु ऊर्जा और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का विस्तार देश को भविष्य के ऊर्जा संकटों से अपेक्षाकृत सुरक्षित बना सकता है। इसके साथ-साथ रेलवे, जलमार्ग, बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स, कोल्ड स्टोरेज, डिजिटल अवसंरचना और स्मार्ट विनिर्माण में निवेश उत्पादन लागत कम करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।यदि भारत अनुसंधान एवं विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा विनिर्माण और उच्च तकनीक उद्योगों में अपनी क्षमता को और मजबूत करता है,तो वह केवलउपभोक्ता बाजार नहीं बल्कि वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में भी स्थापित हो सकता है।

साथियों, वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ यह भी स्पष्ट कर रही हैं कि आधुनिक अर्थव्यवस्था केवल घरेलू नीतियों से संचालित नहीं होती। किसी भी देश में होने वाला युद्ध, प्रतिबंध, समुद्री मार्गों में व्यवधान, ऊर्जा संकट या मुद्रा बाजार में अस्थिरता कुछ ही दिनों में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। वैश्वीकरण के इस युग में देशों की आर्थिक नियति पहले की तुलना में कहीं अधिक परस्पर जुड़ चुकी है। इसलिए भारत जैसे तेजी से उभरते राष्ट्र के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वह केवल घरेलू मांग और उत्पादन पर ही ध्यान न दे, बल्कि वैश्विक घटनाक्रमों का सूक्ष्म विश्लेषण करते हुए अपनी आर्थिक, व्यापारिक और ऊर्जा रणनीतियों को समयानुकूल बनाता रहे।ऊर्जा संकट का महत्वपूर्ण प्रभाव भारतीय रुपये पर पड़ सकता है। जब आयात बिल बढ़ता है तो विदेशी मुद्रा की मांग भी बढ़ती है। यदि निर्यात उसी अनुपात में नहीं बढ़ते, तो रुपये पर दबाव आ सकता है। कमजोर रुपया एक ओर निर्यातकों के लिए कुछ अवसर पैदा करता है, लेकिन दूसरी ओर पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और अन्य आयातित वस्तुओं को महंगा बना देता है। इससे महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है। इसलिए भारतीय रिज़र्व बैंक को विदेशी मुद्रा भंडार, विनिमय दर और मौद्रिक नीति के बीच अत्यंत संतुलित दृष्टिकोण सटिका से अपनाना पड़ता है।

साथियों, विश्व राजनीति के इतिहास में कुछ घटनाएँ ऐसी होती हैं जिनका प्रभाव केवल संबंधित देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा बदल देती हैं। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौता (जेसीपीओए) भी ऐसी ही एक ऐतिहासिक व्यवस्था थी। इस समझौते का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना और बदले में उस पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों में राहत देना था। किंतु समझौते के प्रभावी ढंग से लागू न रह पाने, उसके बाद बढ़ते प्रतिबंधों, अविश्वास, सैन्य तनाव और समय-समय पर दोनों देशों के बीच टकराव ने पश्चिम एशिया को फ़िर से वैश्विक अस्थिरता के केंद्र में ला खड़ा किया। परिणामस्वरूप ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ी, तेल आपूर्ति को लेकर आशंकाएँ गहराई और पूरी दुनिया के नीति-निर्माताओं के सामने आर्थिक जोखिम बढ़ने लगे।

साथियों, विश्व अर्थव्यवस्था में बढ़ती अनिश्चितताओं का सबसे त्वरित प्रभाव वित्तीय बाजारों पर दिखाई देता है। निवेशकों का विश्वास, पूंजी का प्रवाह, विदेशी संस्थागत निवेश, मुद्रा विनिमय दर और ब्याज दरों की दिशा ये सभी एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है, कच्चे तेल की कीमतों में तेज़ उतार-चढ़ाव आता है या महंगाई नियंत्रण से बाहर जाने की आशंका पैदा होती है, तब सबसे पहले शेयर बाजार इसकी प्रतिक्रिया देता है। भारत का शेयर बाजार भी आज वैश्विक पूंजी प्रवाह का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसलिए न्यूयॉर्क, लंदन, टोक्यो, दुबई या सिंगापुर में होने वाली आर्थिक हलचल का प्रभाव कुछ ही घंटों में मुंबई के दलाल स्ट्रीट पर दिखाई देने लगता है। यही वैश्वीकरण की वास्तविकता है, जहाँ पूंजी सीमाओं से अधिक गति से चलती है और निवेशक जोखिम के अनुसार अपनी रणनीति सटीकता से बदलते रहते हैं। साथियों, यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊँची बनी रहती हैं और महंगाई का दबाव बढ़ता है, तो भारतीय शेयर बाजार में क्षेत्रवार अलग-अलग प्रभाव देखने को मिल सकता है। तेल एवं गैस, ऊर्जा, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा तथा कुछ निर्यात आधारित कंपनियों को अपेक्षाकृत लाभ मिल सकता है, जबकि विमानन, परिवहन, रसायन, प्लास्टिक, ऑटोमोबाइल, सीमेंट तथा ऊर्जा-निर्भर उद्योगों की लागत बढ़ने से उनके लाभांश पर दबाव आ सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर भी वैश्विक आर्थिक मंदी का प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि भारतीय आईटी उद्योग का बड़ा हिस्सा अमेरिका और यूरोप से आने वाली परियोजनाओं पर आधारित है। यदि विकसित देशों में निवेश और कॉरपोरेट खर्च धीमा पड़ता है, तो भारतीय आईटी कंपनियों की वृद्धि की गति भी प्रभावित हो सकती है।

रचनाकार

एडव्होकेट किशन भगनानी गोंदिया

पावस..

पावस के दिन बड़े सुहाने
कोई माने, या न माने
हम तो बस इतना है जाने
पावस के दिन बड़े सुहाने।

बाहर हो बरसात झमाझम
घर भीतर भजिया चाय गरम।
मोबाइल पर गीत मधुर
सुन सुन सारे दूर भरम।
बूढ़ी अम्मा देती ताने।
पावस के दिन बड़े सुहाने।।

खेती में जुट गये किसान
श्रम ही है इनके भगवान
खुश हो बरसे बादल काले
हुए लबालब पोखर नाले।
सहमे सहमे वृद्ध सयाने।
पावस के दिन बड़े सुहाने।।

शहर की सड़कें
बोल रहीं हैं।
ढोल में कुछ तो
पोल रही है।
कांक्रीट, सिमेन्ट बह गया-
गोलमाल सब खोल रही है।
फुद्दक फुद्दक खेलें मस्ताने।
पावस के दिन बड़े सुहाने।।

रचनाकार

शशि तिवारी,
गोंदिया (महाराष्ट्र)

'वृक्ष लगाइए'..

धरती की आर्द्र पुकार है,
वृक्ष लगाइए।
जन-जन का आह्वान है,
वृक्ष लगाइए।
प्रकृति के मधुर दृश्य,
दे रहे आमंत्रण।
वन-संरक्षण के साथ-साथ,
नव-वृक्ष लगाइए।
तरुवर तो आशा के प्रतीक,
आकांक्षाओं के।
जीवन को देना हो आधार,
वृक्ष लगाइए।
जीवन-दर्शन हिन्दुस्तान का,
वृक्षों में देवत्व बतलाता।
करना हो ईश्वर से साक्षात्कार,
वृक्ष लगाइए।
मानव-तन में प्राण का,
सूत्रपात किया जिसने।
उसका अनुग्रह करना हो साकार,
वृक्ष लगाइए।
जीवन के मधुर क्षणों के लिए,
ईश्वर का आभार।
प्राणवायु यदि चाहिए पर्याप्त,
वृक्ष लगाइए।
गिरि-निर्झरों-सरिता की,
सुषमा है मनमोहक।
मनमोहकता को दें सतत आकार,
वृक्ष लगाइए।
वृक्ष बाह्य एवं आंतरिक,
पर्यावरण संवारते।
यदि सीखना हो
परोपकार,
वृक्ष लगाइए।
'गंगेश्वरी' का
जन-जन को,
संदेश यही है।
अवनि को रखने
खुशहाल,
वृक्ष लगाइए।

लेखिका

श्रीमती सुनीता मेश्राम 'गंगेश्वरी'
नैनपुर.

शब्दवर्गपहेली क्र.- 213

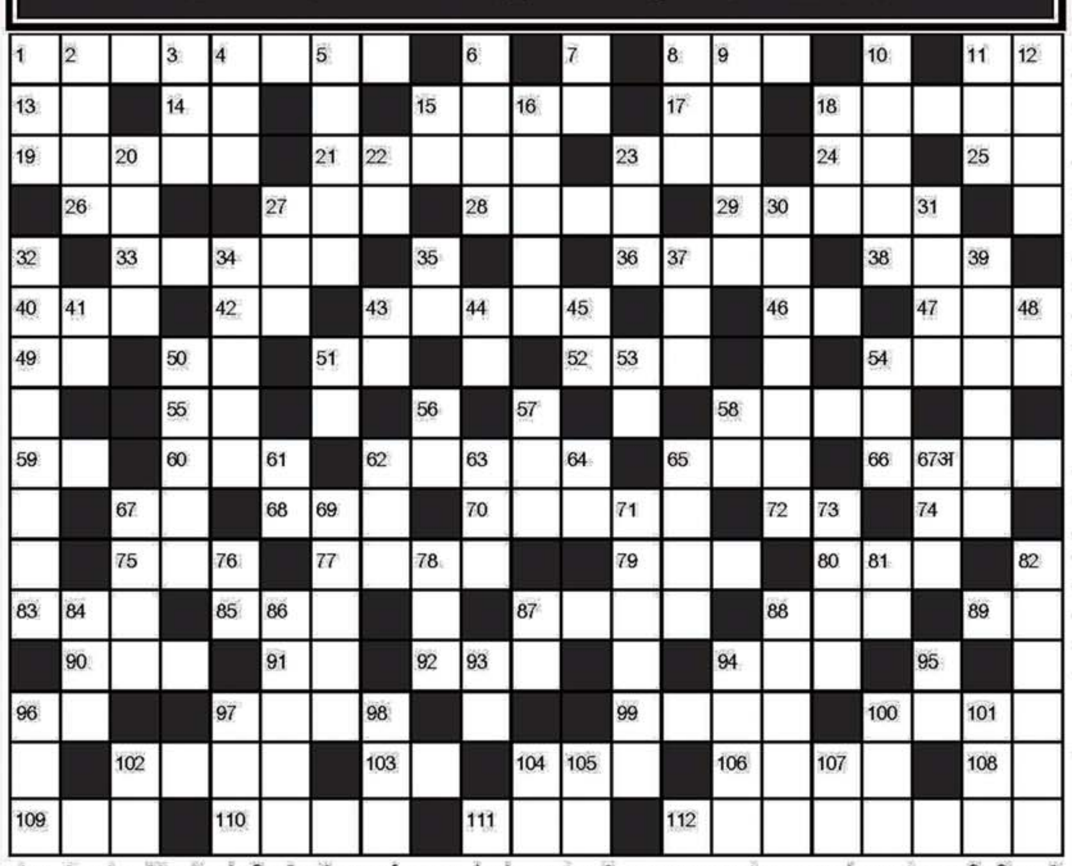

ck;s ls nk;s & 1) जो किसी की भलाई करता है तो दूसरे भी उसकी भलाई करते है इस अर्थवाली एक कहावत 8) सामान तौलने का एक उपकरण 11) किसी शहर का प्रवेशद्वार जहांपर कर वसुला जाता है 13) छोटा 14) ब्रह्मदेव के मुखों की संख्या 15) संसार का आखरी दिन, प्रलय 17) एक शिकारी चिड़िया 18) पक्षपात, किसी एक का पक्ष लेना 19) रोकना 21) तमाशा देखनेवाले 23) कृपालु (अरबी) 24) ताश के पत्तों का एक खेल 25) पर्वत 26) जमीन 27) अच्छा पुत्र 28) पति के बहन का पति 29) शपथपत्र 33) अपराधी, जिसने गलती की हो 36) कामयाबी 38) रत्न, जवाहर 40) बड़प्पन, महत्व 42) 'तस' का विरुद्धार्थी शब्द 43) दुराचारी 46) 'तेजी' का विरुद्धार्थी शब्द 47) पचना 49) अस्थिर, चलता हुआ 50) पत्र, चिट्ठी 51) केश 52) चलायमान, चंचल, द्रव 54) कागज आदि के काटे हुये टुकड़े 55) तपस्या 58) खैरियत, निपुणता 59) नदी या समुद्र का किनारा 60) किसी शब्द या वाक्य को बार बार याद करना 62) वेस्ट इंडिज क्रिकेट संघ के एक पुराने प्रसिद्ध बल्लेबाज 65 निस्सन्देह 66) रसीला, रसयुक्त 67) आगमन होना 68) छत्रपति शिवाजी महाराज का वीर मराठा सैनिक जिसने तोरना गढ़ पर फतेह पाते समय अपने प्राणों का बलिदान किया था 70) खींचतान 72) वह फसल जो बसंत ऋतु में काटी जाती है 74) मुकुट 75) अज 77) ढाका का प्रसिद्ध एक महीन वस्त्र 79) मृत्यु होना 80) वास करना 83) परामर्श 85) दौड़ लगानेवाला 87) वंदे ...., बंगाल उपन्यास 'आनंद मठ' के एक प्रसिद्ध गीत का शब्द 88) पाठ, शिक्षा 89) मुसलमानों का सुन्नी के अलावा एक दूसरा संप्रदाय 90) युवक, सैनिक 91) पुरुष 92) बगैर, बिना 94) अद्भूत कार्य 96) प्राप्त करना 97) 'कम्प्युटर' का हिन्दीकरण 99) पंजाब की पांच प्रसिद्ध नदियों में से एक 100) चन्द्रमा 102) संगीत के सात स्वरों के उतार-चढ़ाव का क्रम, अभिनेत्री जयाप्रदा की पहली फिल्म 103) एक प्राचीन वाहन 104) सुंदर 106) जंगल में लगनेवाली आग 108) रक्तवाहिनी 109) मध्य प्रदेश से बहनेवाली एक नदी 110) मनमाने ढंग से किया गया काम 111) स्मशान में शव ले जाने की सीढ़ी 112) दुर्दशा में इधर-उधर मारे मारे फिरना इस अर्थवाला एक मुहावरा

Aij ls uhps & 1) लेखनी 2) श्रीरामजी का एक नाम 3) मजबूर 4) महाराष्ट्र का प्रसिद्ध किला 'सिंहगढ़' का पूर्ववर्ती नाम 5) राजस्थान का एक प्रमुख शहर जिससे 5 किलोमीटर दूरी पर घाना पक्षी अभयारण्य है 6) एक किस्म की सेम जिसका दूध पौष्टिक माना जाता है 7) समाप्ति 8) बरबादी 9) राजा का निवासस्थान 10) हैदराबाद की एक प्रसिद्ध दर्शनीय इमारत 11) मूर्ख 12) शिल्पकार, दस्तकार 15) बीड़ी के धुएँ का घूंट 16) चिंतनशील, मनन करनेवाला 18) ओर, किनारा, पार्श्व 20) पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता का पूर्ववर्ती नाम 22) केवल 23) धनवान, अमीर 27) सुगंध 30) भारत की जगप्रसिद्ध गानसम्राज्ञी 31) अधीनस्थ 32) गोस्वामी तुलसीदासजी द्वारा रचित रामकथा 34) वह परदा जिस पर फिल्म दिखायी जाती है 35) निद्रा 37) खेतों की उपज 39) ध्यान न देने का भाव 41) किसानों का एक औजार 43) शक्ति, ताकत 44) पहिया, कुम्हार का चाक 45) झुका हुआ 48) दिल 50) जोखीमभरा 51) एक हिंस्त्र जानवर 53) सूर्य 54) पंक्ति, एक लाईन में खड़े होना 56) गौ 57) खोज, ढुंढ़ना 58) रामायण में एक श्रीराम पुत्र 61) रिश्ता 62) दक्षिण आफ्रिका एक प्रमुख देश जो कॉफी और रबड़ के उत्पादन के लिये प्रसिद्ध है 63) अनुकरण, अनुकृति 64) रामायण महाकाव्य के नायक 65) निर्लज्ज 67अ) तंग करना 67) जलवायु 69) बालक के जन्म के बाद किया जानेवाला एक संस्कार 71) किसी काम को करने के लिये तत्पर होना 73) मुगल सम्राट अकबर के दरबार के नौ रत्नों में से एक चतुर व्यक्ति 76) श्रीकृष्ण की बचपन की सखी 78) एक जलचर प्राणी 81) अधिकार 82) ध्यान देना इस आशयवाला एक मुहावरा 84) शरमाना 86) वन प्रयाण, जंगल में जाना 87) पराजित 88) सोशलिजम का हिन्दी पर्याय 93) कल्याण 94) टकसाल में कल (यंत्र) की सहायता से ढला सिक्का 95) गर्दभ 96) पवित्र 97) वह स्थान जहां दो या ज्यादा नदियां आकर मिलती हो 98) करतब, टोटका 100) आसानी से प्राप्त होनेवाला 101) सोना, सुवर्ण 102) हमेशा 104) देवता, ईश्वर 105) गज 107) पुरुष (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

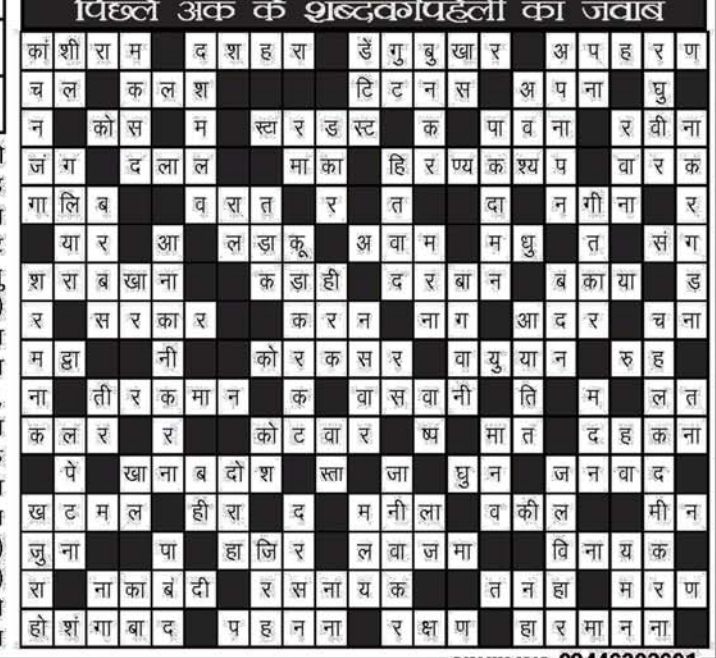

anumeya-08446302691

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

महाराष्ट्र के जल जीवन मिशन में योजना संबंधी खामियां, उपलब्धि बढ़ा - चढ़ाकर पेश: कैग रिपोर्ट

मुंबई, (भाषा)।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने महाराष्ट्र में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में योजना निर्माण, कार्यान्वयन, वित्तीय प्रबंधन और रखरखाव से जुड़ी गंभीर खामियों को लेकर सरकार की खिंचाई की है।

कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मार्च, 2024 तक राज्य में 85.15 प्रतिशत कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) उपलब्ध कराने का दावा भ्रामक है, क्योंकि इसमें 27.74 लाख ऐसे परिवारों को भी शामिल किया गया, जिनके पास पहले से निजी या अपने स्रोत से नल कनेक्शन थे और जिन्हें अभी जल जीवन मिशन के तहत शामिल किया जाना बाकी था।

रिपोर्ट के अनुसार, इन निजी कनेक्शन को अलग करने पर दिसंबर, 2024 तक मिशन के तहत वास्तविक उपलब्धि 101.31 लाख कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन या केवल 69 प्रतिशत रही।

कैग ने कहा कि परीक्षण के लिए चुने गए किसी भी जिले में योजना लागू करने से पहले अनिवार्य आधारभूत सर्वेक्षण नहीं कराया गया। जांच में शामिल सभी 24 गांवों ने ग्राम कार्ययोजना तैयार की, लेकिन इनमें से 13 गांवों में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के माध्यम से ग्राम पंचायत का अनिवार्य प्रस्ताव पारित नहीं कराया गया।

रिपोर्ट में जिला कार्ययोजनाओं की भी आलोचना की गई है। इसमें कहा गया कि इन योजनाओं में जल जीवन मिशन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कई अहम बिंदु शामिल नहीं थे। इनमें घरेलू नल कनेक्शन के तिमाही और वार्षिक लक्ष्य, वित्तीय योजना, जल सुरक्षा, भूमि और मानव संसाधन की आवश्यकता तथा जल स्रोतों की पहचान शामिल हैं।

कैग ने कहा कि व्यापक राज्य कार्ययोजना के अभाव में संसाधनों की योजना, परियोजनाओं के क्रियान्वयन और उनकी दीर्घकालिक स्थिरता प्रभावित हुई। रिपोर्ट में राज्य सरकार द्वारा संचालन एवं रखरखाव नीति तैयार नहीं करने पर भी सवाल उठाए गए हैं।

कैग ने कहा कि ऐसी नीति के अभाव में तैयार की गई जलापूर्ति अवसंरचना के रखरखाव और पेयजल योजनाओं के संचालन पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। कैग ने कहा कि सामुदायिक भागीदारी में कमियों के कारण भी योजना के स्थायित्व और स्थानीय स्वामित्व के उद्देश्य प्रभावित हुए। रिपोर्ट के अनुसार, 13 जलापूर्ति योजनाओं को जल स्रोत सुनिश्चित किए बिना मंजूरी दी गई, जिससे उनके पूरा होने में देरी हुई। वहीं, दो योजनाओं को जल शोधन संयंत्र की व्यवस्था के बिना स्वीकृति दी गई, जिसके कारण पेयजल के बजाय अशुद्ध पानी की आपूर्ति हुई।

कैग ने कहा कि राज्य सरकार निजी नल कनेक्शन को भी जल जीवन मिशन की उपलब्धियों में शामिल कर आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर दिखाती रही। जांच के लिए चुने गए छह जिलों में जेजेएम डैशबोर्ड पर 37.89 लाख नल कनेक्शन दर्शाए गए, जिनमें 9.64 लाख निजी या अपने स्रोत वाले कनेक्शन शामिल थे, जिन्हें अभी मिशन के दायरे में लाना बाकी है।

रिपोर्ट में कहा गया कि निजी या अपने स्रोत के नल कनेक्शन कार्यशील जलापूर्ति सुनिश्चित नहीं करते, इसलिए उन्हें जल जीवन मिशन के तहत उपलब्धि नहीं माना जा सकता।

वित्त मंत्री सोमवार को सार्वजनिक बैंकों के प्रमुखों के साथ करेंगी बैठक

नई दिल्ली, (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों के साथ बैठक करेंगी। बैठक में बैंकों की ओर से विदेशी मुद्रा जमा जुटाने के लिए चलाए जा रहे अभियान की प्रगति की समीक्षा

की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, वित्त मंत्री 13 जुलाई को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और आईडीबीआई बैंक समेत वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों के साथ बैठक की अध्यक्षता करेंगी। इसमें विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) जमा (एफसीएनआर-बी), विदेशी मुद्रा बांड और बाहरी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) जुटाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने प्रवासी भारतीयों (एनआरआई), भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों (ओसीआई) और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) से विदेशी मुद्रा जमा आकर्षित करने के लिए तीन से पांच साल की अवधि वाली नई एफसीएनआर (बी) जमाओं पर ब्याज दर सीमा को 30 सितंबर तक हटा दिया था।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब एफसीएनआर (बी) जमा में प्रवाह में तेज गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2025-16 में इसका शुद्ध प्रवाह घटकर केवल 94.6 करोड़ डॉलर रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 7.1 अरब डॉलर था। नई व्यवस्था के तहत आरबीआई तीन से पांच साल की अवधि वाली एफसीएनआर (बी) जमाओं के लिए बैंकों को रियायती विदेशी मुद्रा विनिमय सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इससे बैंकों की विदेशी मुद्रा जोखिम से बचाव की लागत में काफी कमी आएगी।

इसके अलावा, आरबीआई ने 30 सितंबर, 2026 तक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) जुटाने के लिए भी रियायती विदेशी मुद्रा विनिमय सुविधा देने की घोषणा की है। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसई) आमतौर पर ईसीबी के जरिये हर साल करीब 10 से 12 अरब डॉलर जुटाते हैं। मौजूदा अवसर और करीब तीन प्रतिशत लागत लाभ को देखते हुए कई कंपनियों द्वारा अपनी उधारी योजनाओं को पहले ही पूरा करने की उम्मीद है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को ईसीबी जारी करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली रियायती विदेशी मुद्रा विनिमय सुविधा से विदेशी बाजारों से उधारी बढ़ सकती है। इससे कंपनियों को प्रतिस्पर्धी दरों पर धन जुटाने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया कि इससे बाहरी वाणिज्यिक उधारी और विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड (एफसीसीबी) के कुल प्रवाह में आई गिरावट को पलटने में मदद मिल सकती है। वित्त वर्ष 2025-26 में यह प्रवाह करीब 30 प्रतिशत घटकर 42.9 अरब डॉलर रह गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 61.2 अरब डॉलर था।

सूत्रों के अनुसार, वित्त मंत्री बैठक में बैंकों से अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों में ऋण प्रवाह बढ़ाने का आग्रह भी कर सकती हैं।

मलेशिया टूटने से अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, (भाषा)।

मलेशिया एक्सचेंज में गिरावट के बीच अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम में नरमी आई। सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल में गिरावट देखी गई।

वहीं मांग बने रहने के बीच मूंगफली तेल-तिलहन तथा सोयाबीन के डी-आयल्ड केक (तेल रहित खल या डीओसी) की मांग होने के बीच सोयाबीन तिलहन के दाम स्थिर बने रहे।

मलेशिया एक्सचेंज दोपहर लगभग पौने दो प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, शिकॉगो एक्सचेंज में घट-बढ़ चल रहा है। खबर लिखने तक इसमें फिलहाल सुधार था।

सूत्रों ने कहा कि मलेशिया एक्सचेंज टूटने का असर यहां अधिकांश तेल तिलहनों में आई गिरावट के रूप में दिखा। लेकिन मलेशिया में लगभग पौने दो पतिशत की गिरावट थी उसका उतना असर स्थानीय कारोबार पर नहीं आया क्योंकि यहां के आयातक पहले ही लागत से नीचे दाम पर आयातित तेलों की बिकवाली करने में जुटे हैं।

उन्होंने कहा कि सरसों का दाम अधिक है और ऊंचे दाम पर लिवाली कमजोर है। जिससे सरसों तेल-तिलहन में गिरावट आई। लागत से नीचे दाम की बिकवाली जारी रहने से सोयाबीन तेल में भी गिरावट आई। मलेशिया टूटने के असर के कारण पाम-पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में भी गिरावट आई।

दूसरी ओर, सूरजमुखी के मंहगा होने तथा बिनौले की अनुपलबता के बीच मूंगफली तेल तिलहन की औद्योगिक मांग बनी हुई है। देश में मुर्गीदाने के लिए सोयाबीन के तेल-रहित खल (डीओसी) की भी मांग है। इन कारणों के बीच मूंगफली तेल तिलहन तथा सोयाबीन तिलहन के दाम स्थिर बने रहे।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे..

सरसों तिलहन - 7,725-7,750 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली - 6,950-7,525 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 16,000 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,560-2,860 रुपये प्रति टिन।

सरसों तेल दादरी- 15,900 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों पक्की घानी- 2,615-2,715 रुपये प्रति टिन।

सरसों कच्ची घानी- 2,615-2,765 रुपये प्रति टिन।

सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 15,500 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 15,250 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,020 रुपये प्रति क्विंटल।

सीपीओ एक्स-कांडला- 13,600 रुपये प्रति क्विंटल।

बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 15,950 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 15,500 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स- कांडला- 14,300 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल।

सोयाबीन दाना - 7,175-7,225 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज- 7,025-7,100 रुपये प्रति क्विंटल।

आंध्र सरकार ने रामायपत्तनम बंदरगाह का काम पूरा करने के लिए ठेकेदार को दिया समय विस्तार

अमरावती, (भाषा)।

आंध्र प्रदेश सरकार ने करीब 5,000 करोड़ रुपये की रामायपत्तनम बंदरगाह परियोजना का काम पूरा करने के लिए ठेकेदार को दूसरी बार समय विस्तार दिया है। सरकार ने परियोजना के काम को पूरा करने के लिए अवधि

बढ़ाकर 30 दिसंबर, 2026 कर दी है और इस विस्तार के लिए ठेकेदार पर कोई विलंब शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इस परियोजना का काम नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (एनईसीएल) और अरबिंदो रियल्टी लिमिटेड (एआरआईपीएल) के संयुक्त उपक्रम को सौंपा गया था। परियोजना पूरी करने की मूल समय-सीमा 23 जून, 2025 तय की गई थी।

आंध्र प्रदेश मैरीटाइम बोर्ड (एपीएमबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की सिफारिश के बाद सरकार ने समय विस्तार का फैसला किया। निर्माण कंपनी ने कई ऐसे कारण बताए थे, जो उसके नियंत्रण से बाहर थे और जिनके कारण परियोजना में देरी हुई। आंध्र प्रदेश के अवसंरचना एवं निवेश विभाग के विशेष मुख्य सचिव एमटी कृष्ण बाबू ने शुक्रवार को जारी सरकारी आदेश में कहा कि सरकार ने मामले की समीक्षा के बाद प्रकाशम जिले में रामायपत्तनम बंदरगाह निर्माण परियोजना को पूरा करने के लिए दूसरी बार समय-सीमा बढ़ाने को मंजूरी दी है।

उन्होंने कहा कि समय विस्तार देने के लिए कोई अतिरिक्त राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा। सरकारी आदेश के अनुसार, रामायपत्तनम बंदरगाह निर्माण के लिए 16 फरवरी, 2024 को संशोधित प्रशासनिक मंजूरी 4,923 करोड़ रुपये की दी गई थी, जबकि तकनीकी मंजूरी छह नवंबर, 2020 को प्रदान की गई थी।

आंध्र प्रदेश सरकार इससे पहले परियोजना के पहले चरण के काम को पूरा करने के लिए 27 अप्रैल, 2026 तक समय विस्तार दे चुकी थी। उस समय भी ठेकेदार पर विलंब क्षतिपूर्ति शुल्क नहीं लगाया गया था। ठेकेदार ने दूसरी बार समय विस्तार के लिए आवेदन करते हुए कहा था कि देरी के कई कारण उसके नियंत्रण से बाहर थे। इनमें 38 एकड़ से अधिक शेष भूमि का हस्तांतरण नहीं होना शामिल है, जिससे परियोजना के महत्वपूर्ण काम जैसे भंडारण क्षेत्र, आंतरिक सड़क, रेलवे संपर्क और अन्य सुविधाएं प्रभावित हुईं। ठेकेदार ने बिजली पारेषण और रेलवे संपर्क समेत बाहरी बुनियादी ढांचे के काम में देरी को भी समय विस्तार का कारण बताया।

रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 95.38 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई, (भाषा)।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 9 पैसे चढ़कर 95.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कमजोर होते डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला।

बाजार सूत्रों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी और पश्चिम एशिया में नए सिरे से तनाव को लेकर अनिश्चितता बढ़ने का स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। हालांकि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से रुपये को कुछ सहारा मिला।

पश्चिम एशिया में फिर से तनाव की स्थिति बन गई है। अमेरिका ने बृहस्पतिवार को ईरान के खिलाफहवाई हमले किए, जिसके जवाब में ईरान ने भी अमेरिका के सहयोगी देशों को निशाना बनाया। इस गोलाबारी से युद्ध खत्म करने के उद्देश्य से हुए अंतरिम समझौते पर खतरा मंडराने लगा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.27 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.22 से लेकर 95.42 प्रति डॉलर के दायरे में रहा और अंत में 95.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस तरह रुपये में 9 पैसे की मजबूती दर्ज की गई। बृहस्पतिवार को रुपया एक पैसे की मजबूती के साथ 95.47 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, ''रुपया शुरुआती कारोबार में डॉलर सूचकांक में गिरावट के कारण 95.22 तक मजबूत हुआ, लेकिन बाद में तेल कंपनियों और आयातकों की डॉलर मांग से यह 95.42 तक गिर गया। हालांकि, जोखिम लेने की बेहतर धारणा और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश जारी रहने की उम्मीद से रुपये को समर्थन मिला।''

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.86 पर रहा।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75.83 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में तेजी से भी रुपये को मजबूती मिली।

बीएसई का सेंसेक्स 827.57 अंक यानी 1.08 प्रतिशत चढ़कर 77,569.39 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई का निफ्टी 244.10 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,206.90 अंक पर पहुंच गया।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बाजार में शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 2,603.72 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

केंद्रीय उद्यमों के लिए एमएसएमई आपूर्तिकर्ताओं के भुगतान के लिए टीआरईडीएस का इस्तेमाल अनिवार्य

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार ने कार्यरत सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए अपने सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम आपूर्तिकर्ताओं के साथ लेनदेन के निपटान के लिए ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस) का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया है।

इस कदम का उद्देश्य एमएसएमई इकाइयों को भुगतान मिलने में होने वाली देरी को खत्म करना है। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय ने 30 जून, 2026 को जारी अधिसूचना के जरिये केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई घोषणा को लागू कर दिया है।

टीआरईडीएस भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विनियमित एक इलेक्ट्रॉनिक मंच है, जो 2017 से काम कर रहा है। इसके माध्यम से एमएसएमई के बकाया व्यापारिक बिलों का वित्तपोषण और छूट की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

इसमें कॉरपोरेट खरीदारों, सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों से मिलने वाले भुगतान के लिए कई वित्तीय संस्थान प्रतिस्पर्धी बोली के जरिये वित्त उपलब्ध कराते हैं।

मंत्रालय ने कहा कि एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उद्यम पंजीकरण पोर्टल और उद्यम सहायता मंच पर 8.70 करोड़ से अधिक उद्यम पंजीकृत हैं, जो 38 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं।

हालांकि, भुगतान में देरी इस क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनी हुई है। इससे एमएसएमई की कार्यशील पूंजी फंस जाती है और उनकी वृद्धि पर असर पड़ता है।

मंत्रालय ने कहा कि की ओर से एमएसएमई से की जाने वाली सभी खरीद के लिए टीआरईडीएस को भुगतान का माध्यम बनाने से सार्वजनिक क्षेत्र की खरीद व्यवस्था छोटे आपूर्तिकर्ताओं के हित में काम करेगी। इसके तहत सीपीएसई की खरीद से जुड़े बिल टीआरईडीएस पर दर्ज होंगे और बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों के जरिये बिलों के वित्तपोषण से एमएसएमई को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा, ÷टीआरईडीएस के माध्यम से सीपीएसई के प्रत्येक बिल के आने से एमएसएमई आपूर्तिकर्ताओं को स्वीकृत बिलों को भुगतान की तय तारीख से पहले ही नकदी में बदलने का विकल्प मिलेगा।÷

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा
लांजी किरनापुर हट्टा
● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साडरा ● हिर्री ● रजेगांव

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जहरीली गैस से भरे कुंए में उतरे दो ग्रामीणों की मौत, एसडीईआरएफ ने जोखिम उठाकर निकाले शव..

पीपरटोला में दर्दनाक हादसा, मोटर देखने उतरे व्यक्ति को बचाने गया दूसरा ग्रामीण भी गैस की चपेट में आया..

जगप्रेरणा किरनापुर।

बालाघाट जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पीपरटोला में गुरुवार 09 जुलाई की शाम एक हृदयविदारक हादसे में जहरीली गैस से भरे कुंए में उतरने से दो ग्रामीणों की मौत हो गई।

सूचना मिलते ही जिला होमगार्ड की एसडीईआरएफ **(SDERF)** एवं क्यूआरटी **(QRT)** टीम मौके पर पहुंची और अत्यंत विषम परिस्थितियों में साहसिक रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों शवों को सुरक्षित बाहर निकाला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पीपरटोला निवासी महेश चौधरी (50 वर्ष) मोटर से पानी नहीं आने पर उसकी जांच करने के लिए कुएं में उतरे थे। कुंए में मौजूद जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण वे बेहोश हो गए। उन्हें बचाने के उद्देश्य से युवराज बिसेन (55 वर्ष) भी कुएं में उतर गए, लेकिन वे भी जहरीली गैस की चपेट में आ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

शाम करीब 6:30 बजे घटना की सूचना जिला कंट्रोल रूम को मिली। इसके बाद जिला होमगार्ड कार्यालय से एसडीईआरएफएवं क्यूआरटी टीम आवश्यक जीवन रक्षक उपकरणों और ब्रीदिंग अपरेटस (बी.ए.) सेट के साथ तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। कुंए में जहरीली गैस होने के कारण बचाव अभियान बेहद जोखिमपूर्ण था। टीम ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए बी.ए. सेट पहनकर कुएं में प्रवेश किया और कठिन परिस्थितियों के बीच दोनों शवों को सुरक्षित बाहर निकालकर पुलिस के सुपुर्द किया।

रेस्क्यू अभियान का नेतृत्व सहायक उपनिरीक्षक महेश कुमार ने किया। अभियान में हवलदार सुनील कुमार नागपुरे, सैनिक संजय चौधरी, सतीश तोमर, एसडीईआरएफ सैनिक करण सिंह वल्के, विशाल रजक, आशीष खारोल, राजेश धुर्वे तथा वाहन चालक चेतेश्वर राहंगडाले ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम की त्वरित कार्रवाई, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

जिला होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग ने आमजन से अपील की है कि किसी भी कुएं, सेप्टिक टैंक, बोरवेल या अन्य बंद स्थान में बिना गैस परीक्षण, सुरक्षा उपकरण और प्रशिक्षित बचाव दल की सहायता के प्रवेश न करें। ऐसे स्थानों पर जहरीली गैस एवं ऑक्सीजन की कमी जानलेवा साबित हो सकती है। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस, होमगार्ड अथवा जिला कंट्रोल रूम को सूचना दें।

स्व. अमित नेवारे की सुपुत्री के उज्ज्वल भविष्य के लिए महाविद्यालय परिवार ने की आर्थिक सहायता

जगप्रेरणा बालाघाट।

शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मानवीय संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय देते हुए

महाविद्यालय के अतिथि विद्वान स्वर्गीय अमित नेवारे की तेरहवीं के अवसर पर उनकी सुपुत्री के उज्ज्वल भविष्य के लिए 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। यह सहायता राशि महाविद्यालय परिवार की ओर से उनकी धर्मपत्नी को ससम्मान भेंट की गई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे ने कहा कि स्वर्गीय अमित नेवारे का महाविद्यालय के प्रति समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और सेवाएं सदैव स्मरणीय रहेंगी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय परिवार इस कठिन समय में उनके परिजनों के साथ पूरी संवेदना के साथ खड़ा है और भविष्य में भी हरसंभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। आर्थिक सहायता राशि के संकलन एवं वितरण में आईक्यूएसी **(IQAC)** प्रभारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव तथा प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष डॉ. आर. एन. झारिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके समन्वय और प्रयासों से महाविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वेच्छा से सहयोग राशि एकत्रित कर स्वर्गीय नेवारे के परिवार को प्रदान की।

महाविद्यालय परिवार ने स्वर्गीय अमित नेवारे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से उनकी पुण्यात्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उपस्थित सभी सदस्यों ने इस सहयोग को सामाजिक संवेदनशीलता, पारिवारिक एकजुटता और मानवीय मूल्यों का प्रेरणादायी उदाहरण बताया।

डिवाइडर का कार्य अधूरा, पानी जमा होने से मच्छरों का आतंक..

स्वच्छता अभियान का नारा देकर नपा कुंभकर्णी नींद में..

जगप्रेरणा लांजी।

नगर परिषद द्वारा बालाघाट रोड एवं आमगांव रोड पर बनाए गए डिवाइडर का काम अधूरा छोड़ दिया गया है। परिणामस्वरूप यह डिवाइडर अब नालीनुमा टाका बन गया है,

जिसमें बारिश का पानी जमा हो रहा है। लंबे समय से जमा पानी और कचरे के सड़ने से यहां मच्छरों का प्रजनन हो रहा है, जो पूरे इलाके के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरा बन गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह समस्या नगर परिषद कार्यालय के ठीक सामने मौजूद है। जहां से शहर की सफाई और स्वास्थ्य व्यवस्था की निगरानी होनी चाहिए, वहीं खुद नगर परिषद की लापरवाही साफदिखाई दे रही है।

प्रशासन की दोहरी नीति..

स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन समय-समय पर घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाता है। लोगों को सख्ती से कहा जाता है कि घर के आसपास पानी जमा न होने दें, टायर, बर्तन, कूलर आदि में पानी न रखें, वरना डेंगू-मलेरिया जैसे रोग फैल सकते हैं।

लेकिन सवाल यह है – जब नगर परिषद के अपने कार्यालय के सामने ही पानी और कचरे का ऐसा भयानक अड्डा बना हुआ है, तो आम नागरिकों से जागरूकता की अपील किस मुँह से की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस अधूरे डिवाइडर में लगातार पानी भरा रहता है। कचरा भी जमा होता जा रहा है।

सड़क के किनारे से गुजरने वाले लोग बदबू और मच्छरों से परेशान हैं। कई लोगों ने चिंता जताई कि मानसून के इस मौसम में यह जगह डेंगू और अन्य वेक्टर जनित बीमारियों का केंद्र बन सकती है। नागरिकों की मांग है कि नगर परिषद तुरंत इस अधूरे डिवाइडर का निर्माण पूरा करे या कम से कम जमा पानी निकालने और कचरा हटाने की व्यवस्था करे। अन्यथा यह लापरवाही पूरे शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रही है।

क्या नगर परिषद अपने कार्यालय के सामने की इस समस्या को देख पाएगी या फिर जागरूकता अभियान सिर्फ कागजों और फोटो सेशन्स तक ही सीमित रहेंगे?

मनीषा शुक्ला का शिक्षक वर्ग 2 में हुआ चयन..

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में किया पदभार ग्रहण..

जगप्रेरणा लांजी।

क्षेत्र के लिए हर्ष का विषय है कि कु. मनीषा पिता राजेश शुक्ला का चयन माध्यमिक शिक्षक वर्ग-2 (विषय-अंग्रेजी) के पद पर हुआ है।

चयन उपरांत उनकी पदस्थापना शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, लांजी में हुई, जहाँ उन्होंने विधिवत अपना पदभार ग्रहण कर लिया है।

इस अवसर पर कु. मनीषा शुक्ला ने अपनी सफलता का श्रेय अपने सभी गुरुजनों, पिता राजेश शुक्ला, माता रीता शुक्ला, भाई सिद्धांत शुकुला एवं सभी शुभचिंतकों, परिवार जनों और इष्टमित्रों को देते हुए उनके मार्गदर्शन, आशीर्वाद एवं सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। बतादे कि मनीषा शुक्ला के पिता श्री राजेश कुमार शुक्ला, जो स्वयं एक निजी विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं, ने पुत्री की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता उनके निरंतर परिश्रम, लगन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

उन्होंने मनीषा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा देंगी। कु. मनीषा शुक्ला की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

वन स्टॉप सेंटर की पहल से बिखरता परिवार बचा

काउंसलिंग और कानूनी परामर्श से रिश्तों में लौटा विश्वास..

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिला वन स्टॉप सेंटर, बालाघाट की संवेदनशील पहल से एक बिखरते परिवार को नया जीवन मिला। पारिवारिक विवाद, मानसिक तनाव और वैवाहिक संबंधों में आई खटास के बीच सेंटर द्वारा दी गई कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श और काउंसलिंग के

सकारात्मक परिणाम सामने आए, जिसके बाद दंपती ने आपसी मतभेद दूर कर साथ रहने का निर्णय लिया।

वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि विवाह के कई वर्षों बाद दंपती के बीच संबंधों में तनाव बढ़ गया था। पारिवारिक विवादों के कारण महिला मानसिक रूप से बेहद परेशान हो गई और सहायता की तलाश में जिला वन स्टॉप सेंटर पहुंची। सेंटर में उसे अस्थायी आश्रय, भोजन, चिकित्सा सुविधा तथा मनोवैज्ञानिक परामर्श उपलब्ध कराया गया। जांच के दौरान महिला तनाव और चिंता (एंग्जायटी) से पीड़ित पाई गई, जिसके बाद उसका उपचार भी शुरू कराया गया। वन स्टॉप सेंटर की टीम ने पति को बुलाकर दोनों पक्षों की काउंसलिंग कराई। इस दौरान उन्हें घरेलू हिंसा अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराया गया तथा कई चरणों में एकल एवं संयुक्त परामर्श सत्र आयोजित किए गए। परामर्श के दौरान पति को अपने व्यवहार का परिवार और बच्चों पर पडने़ वाले प्रभाव के बारे में समझाया गया तथा आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य उपचार लेने की भी सलाह दी गई।

लगातार काउंसलिंग के बाद पति ने अपने व्यवहार में सुधार लाने, पत्नी के प्रति सम्मानजनक व्यवहार करने और परिवार को प्राथमिकता देने का लिखित आश्वासन दिया। वहीं पत्नी ने भी आपसी विश्वास को एक और अवसर देने का निर्णय लिया। वर्तमान में दंपती अपनी दोनों बेटियों के साथ पुनः एकजुट होकर खुशहाल पारिवारिक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। परिवार में सकारात्मक माहौल लौटने के साथ बच्चों के चेहरे पर भी मुस्कान वापस आई है। वन स्टॉप सेंटर, बालाघाट ने बताया कि समय पर कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श और संवेदनशील हस्तक्षेप से न केवल पीड़ित महिलाओं को सहयोग मिलता है, बल्कि कई मामलों में टूटते परिवारों को भी संभालने में सफलता मिलती है।

मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना वर्ष 2026-27

दिव्यांग छात्र छात्राओ को लेपटॉप, मोट्राराईज्ड ट्राय सायकल प्राप्त करने का सुनहरा अवसर..

31 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांग छात्र छात्राओ को लेपटॉप एवं मोट्राराईज्ड ट्रायसायकल प्रदाय किये जाने के उद्देश्य से प्रदेश में मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है।

इस योजना के अंतर्गत दिव्यांग छात्र छात्राओ को पात्रता अनुसार लेपटॉप, मोट्राराईज्ड ट्रायसायकल प्रदाय की जाती है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस योजना के तहत दिव्यांग बच्चों को लाभान्वित करने के लिए 31 अगस्त 2026 ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। जिला समन्वयक अधिकारी सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बालाघाट ने बताया कि इस योजना के तहत दिव्यांग छात्र छात्राओं को उनकी दिव्यांगता की श्रेणी के आधार पर सामग्री वितरित की जाती है। इसमें दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित, अस्थिबाधित तथा मंदबुद्धि विद्यार्थियों को कक्षा 09वीं में 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण होने के पश्चात् कक्षा 10 वीं में प्रथम बार प्रवेश लेने पर अथवा आईटीआई में प्रवेश लेने पर लेपटॉप प्रदाय किये जाते है। इसी तरह उन अस्थिबाधित छात्र छात्राओं जिनके शरीर का निचला भाग चलने में सक्षम नही है उन्हें कक्षा 10वीं में प्रवेश लेने पर मोट्राराईज्ड ट्रायसायकल प्रदाय की जाती है। विभाग द्वारा बताया गया है कि इस योजना का लाभ लेने के लिए **https//www.sparsh.mp. gov. in/Public/MMDSPY/OnlineRegistration/MMDSPY_Online_Registeration Form.asp&** लिंक के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन दर्ज कराए जा सकते है। ऑनलाईन आवेदन किये जाने के पश्चात विद्यार्थियों को कार्यालय में (आधार कार्ड, समग्र आईडी, प्रवेश कार्ड (एडमिशन स्पील), संस्था का प्रमाणीकरण, 9 वी एवं 10 वी की अंक सूची, निवास प्रमाण पत्र, फोटो, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, पूर्व में किसी भी योजनान्तर्गत लेपटॉप/मोट्राराईज्ड ट्रायसायकल प्राप्त न किया गया संबंधी संबंधित संस्था का प्रमाणीकरण) दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

ग्राम पंचायत विकास योजना (जी.पी.डी.पी.) प्रशिक्षण शिविर संपन्न..

जगप्रेरणा लांजी।

क्षेत्रीय ग्रामीण एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केंद्र, सिवनी के आदेशानुसार 9 जुलाई से 15 जुलाई तक बोलेगांव, कारंजा, पालडोंगरी, घोटी एवं मनेरी सेक्टरों में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायतों के फ्रंटलाइन कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं वार्ड सदस्य सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं।

यह प्रशिक्षण 16वां वित्त आयोग अंतर्गत वर्ष 2026-27 की जी.पी.डी.पी. योजनाओं को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर सही व पूर्ण रूप से अपलोड करने हेतु दिया जा रहा है।10 जुलाई को कारंजा सेक्टर में आयोजित अभ्यास सत्र में कारंजा, कुल्पा, बापड़ी, घंसा, परसोडी, परसवाड़ा, सिंगोला, मिरिया, लाडसा, दिघोरी, सिरेगांव, कुम्हारीकला, कुम्हरीखुर्द, देवलगांव और बिंझलगांव ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर जी.पी.डी.पी. (ग्राम पंचायत विकास योजना) का डेटा 100त्न अपलोड कराने तथा उसी दिवस सभी उपस्थित लोगों को प्रमाण पत्र प्रदान करने का निर्देश दिया गया। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनरों द्वारा संचालित किया गया। मुख्य प्रशिक्षक राजेन्द्र कुमार ताण्डेकर (पीसीओ) के साथ महेन्द्र सिरामे (पीसीओ), परमानंद बोरकर (बीसी) तथा दिलीप सत्कार (सचिव) ने तकनीकी और व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान कर योजनाओं के पोर्टल अपलोडिंग नियम, आवश्यक दस्तावेजों की जाँच तथा फील्ड-लेवल डेटा एंट्री की बारीकियाँ समझाई।

प्रशिक्षण का उद्देश्य :

ग्राम पंचायतों द्वारा वर्ष 2026-27 की जी.पी.डी.पी. योजनाओं को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर समयबद्ध व पूर्ण रूप से अपलोड कराना, क्षेत्रीय फ्रंटलाइन कर्मचारियों को पोर्टल के व्यवहारिक उपयोग का प्रशिक्षण देना, प्रत्येक ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक को पोर्टल ऑपरेशन में सक्षम बनाना, प्रशिक्षण समाप्ति पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनकी उपस्थिति और योग्यता सुनिश्चित करना।

प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित सरपंचों व ग्राम कर्मचारियों ने पोर्टल पर वास्तविक समय में योजनाओं के अपलोड की प्रक्रिया का अभ्यास किया तथा तकनीकी समस्याओं पर प्रशिक्षकों से समाधान प्राप्त किया। आयोजन के समापन पर प्रशिक्षक गणों ने सभी पंचायतों से आग्रह किया कि वे निर्दिष्ट तिथि तक जी.पी.डी.पी. प्लान 100 प्रतिशत अपलोड सुनिश्चित करें ताकि 16वाँ वित्त आयोग अंतर्गत आवंटन प्रक्रियाओं में विलंब न हो।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक ‘जगप्रेरणा’ अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जल जीवन मिशन से बदली रजेगांव की तस्वीर, अब हर घर तक पहुंच रहा शुद्ध पेयजल

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से वारासिवनी विकासखंड के ग्राम रजेगांव की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। कभी पेयजल संकट से जूझने वाला यह गांव आज हर घर तक शुद्ध और सुरक्षित पेयजल की सुविधा मिलने से राहत की सांस ले रहा है।

महिलाओं और बच्चों को अब पानी के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती, जिससे उनके समय और श्रम दोनों की बचत हुई है। ग्राम पंचायत आलेझरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम रजेगांव की कुल जनसंख्या 1202 है। पहले गर्मी के दिनों में गांव के जल स्रोत सूखने लगते थे, जिससे ग्रामीणों को पेयजल के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। स्वच्छ पानी की कमी के कारण जलजनित बीमारियों का खतरा भी बना रहता था।

ग्रामीणों की इस समस्या को दूर करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बालाघाट ने 8 मार्च 2020 को जल जीवन मिशन के तहत ग्राम में नल-जल योजना स्वीकृत की। लगभग 77.69 लाख रुपये की लागत से तैयार इस योजना के अंतर्गत 50 किलोलीटर क्षमता की ओवरहेड पानी की टंकी, 20 किलोलीटर क्षमता का सम्पवेल तथा 250 फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) स्थापित किए गए।

योजना के पूर्ण होने के बाद अब गांव के प्रत्येक परिवार को घर पर ही नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है। महिलाओं और बच्चों का समय बचने के साथ ही स्वच्छ जल उपलब्ध होने से स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी मिल रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन ने उनके जीवन में नया बदलाव लाया है। वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या का स्थायी समाधान होने से अब वे अधिक सुविधा और सम्मान के साथ जीवनयापन कर रहे हैं। ग्राम रजेगांव के ग्रामीणों ने इस जनहितकारी योजना के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बालाघाट के प्रति आभार व्यक्त किया है। रजेगांव की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में केवल पेयजल ही नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य, सम्मान और खुशहाल जीवन का आधार भी बन रहा है।

सांप के काटने पर झाड़-फूंक नहीं, तत्काल अस्पताल पहुंचाएं मरीज, एंटी स्नेक वेनम ही सर्पदंश का एकमात्र प्रभावी इलाज..

वर्षा ऋतु में स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही सर्पदंश की घटनाओं की आशंका बढ़ने लगी है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि सांप के काटने पर झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र, ओझा-गुनिया, सर्पी-बारी या अन्य अंधविश्वास का सहारा लेने के बजाय मरीज को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं।

विभाग का कहना है कि समय पर दिया गया एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) ही सर्पदंश का वैज्ञानिक एवं प्रभावी उपचार है और इससे अधिकांश मरीजों की जान बचाई जा सकती है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि बारिश के मौसम में खेतों, घरों के आसपास, लकड़ी एवं घास-फूस के ढेरों तथा जलभराव वाले स्थानों पर सांपों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सर्पदंश के बाद कई लोग पंडा-पुजारी, ओझा-गुनिया या झाड़-फूंक के चक्कर में बहुमूल्य समय गंवा देते हैं, जिससे मरीज की स्थिति गंभीर हो सकती है।

उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल सहित जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा दूरस्थ क्षेत्रों के कई अस्पतालों में एंटी स्नेक वेनम का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है। इसलिए सर्पदंश की घटना होने पर बिना किसी देरी के मरीज को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचाना चाहिए, जहां तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

डॉ. उपलप ने बताया कि सर्पदंश होने पर मरीज को शांत रखें और घबराने न दें। प्रभावित अंग को अनावश्यक रूप से हिलाने-डुलाने से बचाएं तथा यथाशीघ्र अस्पताल ले जाएं। यदि संभव हो तो सांप के रंग या उसकी पहचान संबंधी जानकारी रखें, लेकिन उसे पकडने या मारने का प्रयास न करें। आवश्यकता पडने पर तत्काल एम्बुलेंस सेवा की सहायता लें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सांप के काटने पर काटे गए स्थान पर चीरा नहीं लगाना चाहिए, जहर चूसने का प्रयास नहीं करना चाहिए और प्रभावित अंग पर अत्यधिक कसकर रस्सी या कपड़ा नहीं बांधना चाहिए। घरेलू नुस्खों और अंधविश्वास के भरोसे समय गंवाना मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से वर्षा ऋतु में खेतों एवं घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, रात में बाहर निकलते समय टॉर्च का उपयोग करने तथा बच्चों को भी सर्पदंश से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने की अपील की है। विभाग ने दोहराया है कि सर्पदंश की स्थिति में त्वरित चिकित्सा उपचार और एंटी स्नेक वेनम ही मरीज की जान बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है। समय पर अस्पताल पहुंचकर उपचार कराने से सर्पदंश से होने वाली मृत्यु की घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।

कुएं में उतरने से पहले जहरीली गैस की जांच जरूर करें, थोड़ी सी सावधानी बचा सकती है जान

कलेक्टर मृणाल मीना की किसानों और ग्रामीणों से अपील

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में कुओं में जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी से होने वाली दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने किसानों, ग्रामीणों और आमजन से कुएं में उतरने से पहले जहरीली गैस की जांच करने की अपील की है।

उन्होंने कहा है कि थोड़ी सी सतर्कता और सावधानी कई अनमोल जिंदगियां बचा सकती है। कलेक्टर श्री मीना ने बताया कि फसलों की सिंचाई के लिए मोटर पंप नीचे उतारने, खराब मोटर की मरम्मत करने अथवा अन्य कारणों से कई बार लोगों को कुएं में उतरना पड़ता है। लेकिन बिना जांच और सुरक्षा उपायों के कुएं में उतरना जानलेवा साबित हो सकता है। बालाघाट जिले में विगत वर्षों में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें लोगों की दम घुटने से मौत हुई है। 9 जुलाई को भी जिले में जहरीली गैस की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई है।

कलेक्टर श्री मीना ने जिले के सभी गांवों में कोटवार के माध्यम से मुनादी करा कर किसानों, ग्रामीणों और आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि सीमेंट-कंक्रीट के कुओं में गोबर, पेड़ों की पत्तियों तथा अन्य जैविक पदार्थों के विघटन से कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रोजन सल्फाइड, अमोनिया और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें बन जाती हैं। इन गैसों के कारण कुएं में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है और बिना सावधानी के उतरने वाले व्यक्ति की दम घुटने से मृत्यु हो सकती है।

कलेक्टर श्री मीना ने बताया कि कुएं में जहरीली गैस की जांच का एक सरल तरीका यह है कि जलते हुए दीये को रस्सी के सहारे पानी की सतह तक ले जाएं। यदि दीया पानी के पास पहुंचकर बुझ जाए तो समझ लें कि कुएं में जहरीली गैस मौजूद है और उसमें उतरना सुरक्षित नहीं है। यदि गैस मौजूद हो तो उल्टे खुले छाते को रस्सी के सहारे पानी की सतह तक ले जाकर बार-बार ऊपर खींचने अथवा ऊपर से पानी का छिड़काव करने से गैस को बाहर निकाला जा सकता है। इसके बाद पुनः जलते हुए दीये से जांच कर यह सुनिश्चित करें कि वह पानी की सतह तक जलता रहे, तभी कुएं में उतरें।

कलेक्टर श्री मीना ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा किसानों और ग्रामीणों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से पूर्व में भी विभिन्न माध्यमों से इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया है तथा कुओं में उतरते समय आवश्यक सावधानी बरतने की लगातार अपील की जाती रही है। इसके बावजूद लापरवाही के कारण दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं भी सुरक्षा नियमों का पालन करें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में जिले में कुओं में दम घुटने से हुई घटनाएं अत्यंत दुखद हैं। यदि लोग सुरक्षा उपाय अपनाएं और कुएं में उतरने से पहले गैस की जांच अवश्य करें, तो ऐसे अधिकांश हादसों को रोका जा सकता है।

आफ कैंपस काउंसलिंग के लिए आवेदन प्रक्रिया 13 जुलाई से शुरू

जगप्रेरणा बालाघाट।

राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय (आरवीएसकेवीवी), ग्वालियर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में बी.एससी. (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर, फॉरेस्ट्री तथा बी.टेक. (एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन

ऑफकैंपस संयुक्त काउंसलिंग कार्यक्रम की अधिसूचना जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (एमपीईएसबी), भोपाल की प्री-एग्रीकल्चर टेस्ट (पीएटी)-2026 परीक्षा के परिणाम के आधार पर पात्र अभ्यर्थी ऑनलाइन काउंसलिंग में भाग ले सकेंगे। काउंसलिंग प्रक्रिया इंटरनेट के माध्यम से घर, शहर या गांव से भी पूरी की जा सकेगी।

काउंसलिंग के प्रथम चरण में ऑनलाइन पंजीयन एवं 1000 रुपये शुल्क का भुगतान 13 से 18 जुलाई 2026 तक किया जाएगा। दस्तावेजों का सत्यापन 14 से 19 जुलाई तक निर्धारित केंद्रों पर होगा। सत्यापन उपरांत पात्र अभ्यर्थियों की मेरिट सूची 20 जुलाई को जारी की जाएगी। मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थी 21 से 24 जुलाई तक 50 रुपये शुल्क देकर अपनी पसंद के महाविद्यालयों का ऑनलाइन चयन एवं लॉकिंग कर सकेंगे। सीट आवंटन सूची 27 जुलाई को जारी होगी। आवंटित महाविद्यालय में 5000 रुपये काउंसलिंग शुल्क जमा कर प्रवेश प्रक्रिया 28 से 30 जुलाई तक पूरी करनी होगी, जबकि संबंधित महाविद्यालय में शेष शुल्क के साथ प्रवेश 28 से 31 जुलाई 2026 तक लिया जा सकेगा।

विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश प्रक्रिया एमपी पीएटी-2026 के नियमों के अनुसार संचालित होगी। पात्रता, आरक्षण, शुल्क एवं अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइटों 222.ह1ह्यद्म11.ठ्ढ़ह्ल, 222.द्धठ्ठद्म11.ठ्ठड्ढ.द्धठ्ठ तथा द्धह्लह्लश्चह्य://द्म11.द्वश्चशठ्ठद्यद्बठ्ठद्ध.द्दश1.द्धठ्ठ पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों से निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की गई है।

मिशन शक्ति के तहत बम्हनी स्कूल में जेंडर संवेदीकरण सत्र आयोजित

विद्यार्थियों को लैंगिक समानता का दिया संदेश

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) देवेन्द्र कुमार सुंद्रीयाल के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर बैहर द्वारा मिशन

शक्ति के अंतर्गत डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन योजना के तहत एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला बम्हनी, विकासखंड बैहर में छात्र-छात्राओं के लिए जेंडर संवेदीकरण विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में लैंगिक समानता, आपसी सम्मान तथा सुरक्षित एवं सकारात्मक व्यवहार के प्रति जागरूकता विकसित करना था।

सत्र के दौरान वन स्टॉप सेंटर की केस वर्कर श्रीमती संध्या चौधरी ने छात्र-छात्राओं को महिला एवं पुरुष के समान अधिकार, लैंगिक भेदभाव के दुष्परिणाम, बाल संरक्षण, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, साइबर सुरक्षा तथा महिलाओं एवं बच्चों के लिए संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को महिला हेल्पलाइन 181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता से भी अवगत कराया और बताया कि किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीडन या संकट की स्थिति में इन सेवाओं का लाभ लिया जा सकता है।

साथ ही विद्यार्थियों को समाज में समान अवसर, सम्मानजनक व्यवहार और संवेदनशील सोच अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने जेंडर समानता से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया। सभी छात्र-छात्राओं ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने तथा किसी भी प्रकार के भेदभाव और हिंसा का विरोध करने का संकल्प लिया।

अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति योजना: नवीनीकरण विद्यार्थियों के लिए पोर्टल शुरू, जल्द करें आवेदन

जगप्रेरणा बालाघाट।

अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 के नवीनीकरण विद्यार्थियों के लिए एनआईसी (ह्द्धष्ट) के

स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि ऐसे विद्यार्थी, जिनके छात्रवृत्ति आवेदन पूर्व वर्षों में स्वीकृत हो चुके हैं अथवा जिनका पोर्टल पर दर्ज पाठ्यक्रम अभी पूर्ण नहीं हुआ है, वे नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विभाग ने पात्र विद्यार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय रहते स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवेदन कर छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करें। आवेदन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी अपने संबंधित शिक्षण संस्थान अथवा जिला सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

ई-कृषि यंत्र अनुदान के लिए एग्री-स्टैक पर फार्मर आईडी अनिवार्य, किसान जल्द कराएं भूमि पंजीयन..

जगप्रेरणा बालाघाट।

वर्ष 2026-27 के लिए संचालनालय कृषि अभियांत्रिकी, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। विभाग ने किसानों से अपील की है कि आवेदन करने से पहले एग्री-स्टैक पोर्टल पर अपनी भूमि का पंजीयन कराकर फार्मर आईडी अवश्य प्राप्त कर लें।

उपसंचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि ई-कृषि यंत्र अनुदान योजना का लाभ लेने के लिए भूमि संबंधी जानकारी के सत्यापन हेतु एग्री-स्टैक की फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी गई है। फार्मर आईडी के बिना किसान ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं कर सकेंगे। कृषि विभाग ने सभी पात्र किसानों से समय रहते एग्री-स्टैक पोर्टल पर अपनी कृषि भूमि का पंजीयन कराने की अपील की है, ताकि ई-कृषि यंत्र अनुदान योजना के लिए आवेदन करते समय किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विभाग ने कहा है कि समय पर पंजीयन कराने से किसान ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया का आसानी से लाभ उठा सकेंगे।

जिले में 10 जुलाई तक 316 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

वारासिवनी तहसील में सबसे अधिक 436 मिलीमीटर और खैरलांजी तहसील में सबसे कम 156 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड

जिले में बीते 24 घंटे में 05 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

बीते 24 घंटे में सर्वाधिक लांजी तहसील में 14 मिमी व किरनापुर तहसील में 11 मिमी वर्षा रिकार्ड

जगप्रेरणा बालाघाट।

चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 1 जून से 10 जुलाई 2026 तक कुल 316 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 569 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है।

जिले में 01 जून से 10 जुलाई तक 394 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए। कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 05 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 00 मिलीमीटर, वारासिवनी में 02 मिलीमीटर, बैहर में 03 मिलीमीटर, लांजी में 14 मिलीमीटर, कटंगी में 02 मिलीमीटर, किरनापुर में 11 मिलीमीटर, खैरलांजी में 00 मिलीमीटर, लालबर्रा में 00 मिलीमीटर, बिरसा में 07 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 07 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 03 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

चालू वर्ष में 01 जून से 10 जुलाई 2026 तक सबसे अधिक 436 मिलीमीटर वर्षा वारासिवनी तहसील में दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम 156 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 422 मिलीमीटर, बैहर में 420 मिलीमीटर, लांजी में 304 मिलीमीटर, कटंगी में 255 मिलीमीटर, किरनापुर में 426 मिलीमीटर, लालबर्रा में 292 मिलीमीटर, बिरसा में 199 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 278 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी में 286 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान बालाघाट तहसील में 740 मिलीमीटर, वारासिवनी में 896 मिलीमीटर, बैहर में 697 मिलीमीटर, लांजी में 235 मिलीमीटर, कटंगी में 619 मिलीमीटर, किरनापुर में 526 मिलीमीटर, खैरलांजी में 233 मिलीमीटर, लालबर्रा में 686 मिलीमीटर, बिरसा में 403 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 664 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 564 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..
दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें..
मो. 9329033433

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा ग्रामीण गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

देवरी में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत 3 हजार पौधों का हुआ रोपण..

मियावाकी तकनीक से साकार होगा 'अटल आनंद घनवन'..

जगप्रेरणा देवरी।

शहर में प्रकृति का संतुलन बनाए रखने और हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) को बढ़ाने के लिए देवरी नगर पंचायत के अंतर्गत आने वाले 'अटल आनंद घनवन' (मियावाकी) प्लांटेशन

साइट पर बुधवार (8 जुलाई) को एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। देशव्यापी अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत करीब 3 हजार विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

कम जगह में घना जंगल: मियावाकी तकनीक..

बढ़ते वैश्विक तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) को रोकने के लिए मियावाकी तकनीक (कम जगह में घना जंगल बनाने की विधि) का उपयोग करके देवरी में 'अटल आनंद घनवन' विकसित किया जा रहा है। इसके लिए सामाजिक वानिकी विभाग (सोशल फॉरेस्ट्री डिपार्टमेंट), देवरी की ओर से विभिन्न प्रकार की स्थानीय और बहुउपयोगी पौधों की उच्च गुणवत्ता वाली पौध उपलब्ध कराई गई थी। अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाने की 'एक पेड़ माँ के नाम' की अनूठी अवधारणा के तहत उपस्थित गणमान्य नागरिकों और अधिकारियों ने वृक्षारोपण किया। यह कार्यक्रम देवरी के नगर अध्यक्ष संजू उइके की प्रमुख उपस्थिति और मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सामाजिक वानिकी देवरी के वन परिक्षेत्र अधिकारी ए. एम. मेश्राम ने वृक्ष संरक्षण के महत्व पर विशेष जोर दिया।

इस मुहिम में वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इनमें मुख्य रूप से सामाजिक वानिकी विभाग के: वनपाल आर. बी. उइके, वनरक्षक वी. पी. कटरे, मुनेश्वर विलास गौतम, इन्होंने वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय योगदान दिया। साथ ही, परियोजना कार्यालय (प्रोजेक्ट ऑफिस) के सभी कर्मचारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

बोले संजू उइके-प्रकृति संरक्षण का संदेश..

'इस भव्य वृक्षारोपण अभियान के कारण भविष्य में 'अटल आनंद घनवन' क्षेत्र को सही मायनों में एक घने जंगल का रूप मिलेगा। सामाजिक वानिकी विभाग और नगर पंचायत के इस संयुक्त प्रयास से देवरी में हरित क्रांति को गति मिलेगी।'

नागरिकों ने भी इस अभियान की सराहना की है, और कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य लोगों ने आम जनता से इन पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी लेने की अपील की है।

पेंशनर्स एसोसिएशन ने नए बने गट विकास अधिकारी तन्मय मांढरेकर का सम्मान किया..

रिटायर्ड लोगों के रेगुलर पेंशन बांटने और पेंडिंग क्लेम के जल्द निपटारे का भरोसा दिया..

जगप्रेरणा आमगांव।

तन्मय मांढरेकर, जो हाल ही में पंचायत समिति आमगांव में गटविकास अधिकारी के तौर पर शामिल हुए हैं, का आमगांव तालुका पेंशनर्स एसोसिएशन ने तालुका अध्यक्ष बी. एफ बोरकर की लीडरशिप में गुलदस्ता देकर

सम्मान किया। इस मौके पर एसोसिएशन के सचिव टी. बी. पटले, उपाध्यक्ष एन. एस. कोसरकर, सक्रिय सदस्य एल. एम. खंडाईत पंचायत समिति आमगांव के सहायक गटविकास अधिकारी गट्टुवार और विस्तार अधिकारी के. एम. रहांगडाले मौजूद थे। सम्मान के बाद, पेंशनर्स एसोसिएशन की तरफ से गट विकास अधिकारी तन्मय मांढरेकर को अलग-अलग मांगों का एक निवेदन दिया गया निवेदन में एक बड़ी मांग यह थी कि पेंशनर्स को हर महीने की पहली तारीख को बिना किसी देरी के रेगुलर पेंशन दी जाए, और रिटायर्ड कर्मचारियों के पेंशन, ग्रेच्युटी, प्रोविडेंट फंड और दूसरे सभी पेंडिंग क्लेम तय समय में निपटाए जाएं।

इस पर सकारात्मक जवाब देते हुए गटविकास अधिकारी तन्मय मांढरेकर ने कहा कि पेंशनर्स को समय पर और रेगुलर पेंशन मिले, इसके लिए ज़रूरी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि रिटायर्ड कर्मचारियों के पेंडिंग क्लेम को तुरंत निपटाने के लिए संबंधित डिपार्टमेंट को ज़रूरी निर्देश दिए जाएंगे और मामलों को प्रायोरिटी पर निपटाया जाएगा।

इस मौके पर, पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने नए नियुक्त ग्रुप डेवलपमेंट ऑफिसर्स का स्वागत किया और उनके आगे के एडमिनिस्ट्रेटिव करियर के लिए शुभकामनाएं दीं। यह भी उम्मीद जताई गई कि रिटायर्ड कर्मचारियों की समस्याओं को सेंसिटिव तरीके से हैंडल किया जाएगा और उन्हें समय पर इंसाफ दिया जाएगा।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे मो. 9329033433

स्टूडेंट रीयूनियन सेरेमनी जोश के साथ मनाई गई..

जगप्रेरणा आमगांव।

जिला परिषद हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज आमगांव में साल 1999 में क्लास 5 से 10 और क्लास 11 से 12 में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के बैच का स्टूडेंट रीयूनियन सेरेमनी जोश के साथ मनाया गया। इस सेरेमनी के लिए, पुराने

स्टूडेंट्स और स्टूडेंट्स ने 25 साल बाद साथ पढ़ रहे अपने क्लासमेट्स को ढूंढा और रीयूनियन सेरेमनी जोश के साथ मनाई। प्रोग्राम की शुरुआत महापुरुषों की फोटो पर माला पहनाकर और राष्ट्रगान गाकर हुई। इस मौके पर क्लास 5 से 10 और क्लास 11 से 12 के साथ पढ़ने वाले बच्चे मौजूद थे। प्रोग्राम को मनोज पंधारे ने मॉडरेट किया।

इस प्रोग्राम में चंकी उके, देवेंद्र फुंडे, जितेंद्र टेंभरे, सचिन श्यामकुंवर, सतीश हटवार, विक्रम सिंह बेदी, महेंद्र बंसोड़, दीपा बिसेन, सविता पटले, सुरेखा सोनवणे, रत्ना हुखारे, ज्योति मोटखरे, रानू मेश्राम, शंकर नायडू, आशीष बोडने, आशीष आदमे, आशीष टेंभरे, राजू हरिनखेड़े, धनंजय डोंगरे, विजय ठाकरे, विवेक पाठक आदि मौजूद थे। प्रोग्राम का धन्यवाद राहुल सेंगर ने किया।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनिथ दोंतुला ने अतिदुर्गम पीएचसी दरेकसा का किया औचक निरीक्षण

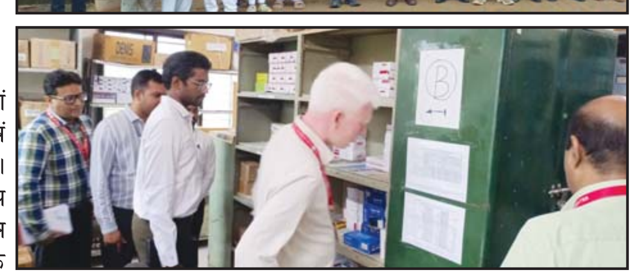

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनिथ चंद्र दोंतुला ने मंगलवार को सालेकसा तहसील के अतिदुर्गम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरेकसा

का औचक निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र परिसर की स्वच्छता, ओपीडी में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाएं, प्रयोगशाला में की जा रही विभिन्न जांच, एनसीडी कार्यक्रम के तहत मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप के मरीजों की जानकारी, क्षेत्रीय स्वास्थ्य कर्मचारियों के गांववार भ्रमण, पर्यवेक्षकों द्वारा उपकेंद्रों के निरीक्षण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, संस्थागत प्रसव, दवाओं की उपलब्धता, कीटजनित रोग नियंत्रण, संक्रामक रोगों की रोकथाम, नियमित टीकाकरण, आंगनवाड़ी स्वास्थ्य जांच तथा गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों (एसएएम एवं एमएएम) की स्थिति का अवलोकन किया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे मुख्यालय पर नियमित रूप से उपस्थित रहें, मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं तथा वर्षा ऋतु के दौरान बाढ़ प्रभावित गांवों की गर्भवती महिलाओं को किसी भी प्रकार की जटिलता उत्पन्न होने से पहले ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, भ्रमण डायरी का नियमित संधारण तथा स्वास्थ्य केंद्र के सभी अभिलेख अद्यतन रखने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर उनके साथ सालेकसा पंचायत समिति के समूह विकास अधिकारी संजय पुरी, सहायक समूह विकास अधिकारी सोनकुवर, सालेकसा तालुका स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. स्वप्निल आत्राम, दरेकसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारस गिरी, प्रयोगशाला वैज्ञानिक अधिकारी उन्नति उप्पलवार सहित विपिन खापर्डे, सरिता पारधी, सुंदराबाई भगत, पूजा बोलणे, दीपेश चव्हाण, आकाश बडोले एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित थे।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

पैथालॉजी लैब के कर्मचारीयों ने की लाखो की धोखाधड़ी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत धोखाधडी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक अप्रैल 2025 से मई 2026 के दरम्यान फर्यादी डॉ मनिषा विवेक मिश्रा उम्र 58 निवासी नागपुर की गोंदिया मे पैथालॉजी लैब है। जहा लॅब मे 3 कर्मचारी काम करते है घटना तारीख के दरम्यान तिनो आरोपी ने आने वाले शुल्क को लॅब के खाते मे जमा नही किये और दुसरे रजिस्टर मे लिखकर कुल 34,41,014 रुपये की धोखाधडी करने से तिनो आरोपीयो के खिलाफ शहर पुलिस थाने मे अपराध क्रमांक 491/2026 धारा 316, 2, 4, 318, 2, 4, 344, 3, 5, बि एन एस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोऊपनी केदार घाडगे पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

पुराने विवाद पर चलाई लाठी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रावणवाडी पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 8/7/2026 के दोपहर 4 बजे के दरम्यान फर्यादी जयचंद दसाराम टेंभरे उम्र 48 वर्ष निवासी छोटा रजेगांव के पिता दसाराम पांडु टेंभरे उम्र 82 वर्ष को आरोपी ने पुराने विवाद पर घटना के समय लकड़ी से सर और आख पर मारकर जख्मी करने से दिये शिकायत और डाक्टर की रिपोर्ट पर पोस्टे रावणवाडी मे अपराध क्रमांक 358/2026 धारा 118,1, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा चौधरी 87 पोस्टे रावणवाडी कर रहे है।

रेल्वे से नीचे गिरी महीला की मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 8/7/2026 के रात 8 बजे के दरम्यान रितु विनायक धमगाये उम्र 43 वर्ष निवासी गनखैरा यहा डव्वा स्टेशन के आसपास रेल्वे से गिरी जिसमे उसकी मौत हो गई। फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे अकस्मात मौत क्रमांक 24/2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जॉच सपोनी भोसले पोस्टे गोंदिया ग्रामीण कर रहे है।

खेती के विवाद पर हुई मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गोरेगाव पुलिस स्टेशन मे मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार मेंगाटोला मे दिनांक 9/ 7/ 2026 के 10 बजे के दरम्यान फर्यादी रोशन जियालाल चन्ने उम्र 33 वर्ष के पिता गांव मे घुमने गये वहा आरोपी से बात चल रही थी। बात बात मे खेती के विवाद पर आरोपी ने गालीगलौच कर धक्का दिया फर्यादी के पिता निचे गिरे जिसमे उन्हें सर मे चोट आयी उन्हे ग्रामीण अस्पताल ले गये जहा प्राथमिक उपचार कर नागपुर रेफर किया गया। फर्यादी के पास इंतजाम नही होने से उस ने अपने पिता को सुप्रिम अस्पताल मे उपचार कराया और दिये बयान पर पोस्टे गोरेगांव मे अपराध क्रमांक 454/2026 धारा 118,1,352,351,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाच पोहवा मुकेश शेंडे 1314 पोस्टे गोरेगांव कर रहे है।

राज्यपाल के हाथों गोंदिया जिले के दो प्रगतिशील किसानों का सम्मान, वर्ष 2026 के कृषि पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित

जगप्रेरणा गोंदिया।

कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गोंदिया जिले के दो प्रगतिशील किसानों को महाराष्ट्र शासन के कृषि विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा के हाथों सम्मानित किया गया। प्रीति टेंभरे को जिजामाता कृषिभूषण पुरस्कार तथा दादा फुंडे को उद्यान पंडित पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

एक जुलाई कृषि दिवस के अवसर पर मुंबई के वरली स्थित समारोह में राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार सहित कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। इस अवसर पर कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले किसानों को सम्मानित किया गया।

चुटिया (तहसील गोंदिया) की प्रीति ऋषि टेंभरे को वर्ष 2023 का जिजामाता कृषिभूषण पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला किसानों को दिया जाता है। उन्होंने वर्मी कम्पोस्ट एवं अजोला उत्पादन इकाई स्थापित कर जैविक खेती को बढ़ावा दिया है। धान के गुणवत्तापूर्ण बीजों का चयन, फल एवं सब्जियों की उन्नत पौध तैयार करना तथा फेरोमोन ट्रैप एवं बर्ड पर्च जैसी आधुनिक कृषि तकनीकों का सफल उपयोग कर वे अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बनी हैं।

वहीं खैरी (तहसील अर्जुनी मोरगांव) के दादा रामाजी फुंडे को वर्ष 2023 का उद्यान पंडित पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने आम, अमरूद, चीकू, सीताफल सहित विभिन्न बागवानी एवं सब्जी फसलों की सफल खेती की है। साथ ही पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर नर्सरी के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पौध तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराने और जैविक खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी निलेश कानवडे ने दोनों किसानों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियों से जिले का गौरव बढ़ा है और वे अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

इस अवसर पर कृषि विभाग ने वर्ष 2026 के कृषि पुरस्कारों के लिए पात्र किसानों, संस्थाओं एवं किसान समूहों से ऑनलाइन आवेदन करने की अपील भी की है। विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी से 31 दिसंबर की अवधि के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में कृषि पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

इच्छुक आवेदक कृषि विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कृषि पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से समय सीमा के भीतर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी निलेश कानवडे ने पात्र किसानों से समय पर प्रस्ताव जमा करने का आग्रह किया है।

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
■ टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET) ■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
■ इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI) ■ शुक्राणु बैंक सुविधा
■ (IUI) आय.यू.आय. ■ सोनोग्राफी
■ अधिक उम्र में मातृत्व ■ हार्मोस की जांच
■ ओव्हम डोनेशन द्वारा ■ हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना ■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

तिरोड़ा में नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद राजेंद्र जैन का हुआ भव्य नागरिक अभिनंदन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद राजेंद्र जैन का तिरोड़ा शहर एवं ग्रामीण राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से स्व. अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में भव्य स्वागत एवं नागरिक अभिनंदन समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित

किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में सांसद राजेंद्र जैन ने कहा कि उनके राजनीतिक जीवन में मिली यह जिम्मेदारी सांसद प्रफुल पटेल के नेतृत्व, मार्गदर्शन, विश्वास और उनके प्रति अपनी निष्ठा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए वे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने समारोह में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों द्वारा व्यक्त किए गए स्नेह, सम्मान और शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता का प्रेम और आशीर्वाद ही उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। सांसद राजेंद्र जैन ने विश्वास व्यक्त किया कि वे भंडारा-गोंदिया जिले के सर्वांगीण विकास, क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान तथा जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। कार्यक्रम में तिरोड़ा तहसील के महायुति एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में नवनिर्वाचित सांसद का पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य सम्मान किया गया।

नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना के तहत गोंदिया में जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न..

जगप्रेरणा गोंदिया।

नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना के अंतर्गत गोंदिया जिले में ग्राम स्तरीय कृषि औजार बैंक के लिए चयनित महिला स्वयं सहायता समूहों एवं ग्राम संघों के प्रतिनिधियों हेतु जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण

का उद्देश्य विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करना, कृषि औजार बैंक की स्थापना तथा एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) योजना की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को इसका लाभ उपलब्ध कराना था यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 9 जुलाई 2026 को गोंदिया स्थित नई प्रशासनिक भवन के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परियोजना संचालक (आत्मा) अजीत आडसूळे ने की।

इस अवसर पर जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी निलेश कानवडे, उप संचालक (आत्मा) रुपेश मेश्राम तथा उपविभागीय कृषि अधिकारी महेंद्र ठोकळे प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य प्रशिक्षक भूपेंद्र पुंडे (सीए) ने विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज तथा बैंक ऋण प्रस्ताव तैयार करने की विस्तृत जानकारी दी। वहीं नोडल अधिकारी शेरान पठाण ने कृषि औजार बैंक के लिए मशीनों के चयन, खरीद प्रक्रिया एवं योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित दिशा-निर्देशों पर विस्तार से मार्गदर्शन किया।

इस दौरान परियोजना विशेषज्ञ (कृषि व्यवसाय) चैतन्य जोंधळेकर ने कृषि व्यवसाय, व्यवसाय नियोजन तथा कृषि क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न रोजगार एवं उद्यम अवसरों की जानकारी दी। वहीं सचिन कुंभारे ने एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) योजना के प्रावधानों एवं उससे मिलने वाले लाभों की विस्तार से जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में परियोजना के अधिकारी एवं कर्मचारी, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा ग्राम संघों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने बताया कि इस प्रशिक्षण से कृषि औजार बैंक की स्थापना, डीपीआर तैयार करने, आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति तथा शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण जिले में कृषि औजार बैंक योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

न.मा.द. महाविद्यालय के ग्रंथपाल डॉ. सुनील जाधव को मिला भारत सरकार से पेटेंट..

जगप्रेरणा गोंदिया।

नटवरलाल माणिकलाल दलाल (न.मा.द.) महाविद्यालय के ग्रंथपाल डॉ. सुनील कुंडलिकराव जाधव को उनके अभिनव शोध कार्य के लिए भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा प्रतिष्ठित पेटेंट

प्रदान किया गया है। उन्हें **"System for Integrating Economic Data Analytics into Public Administration Library Networks"** विषय पर किए गए शोध के लिए यह पेटेंट मंजूर हुआ है। ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में पुस्तकालयों की कार्यप्रणाली तेजी से बदल रही है। डॉ. जाधव द्वारा विकसित यह प्रणाली सार्वजनिक प्रशासन के ग्रंथालय नेटवर्क में आर्थिक डेटा विश्लेषण **(Economic Data Analytics)** को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने में सहायक होगी। इससे पुस्तकालय केवल सूचना संग्रहण केंद्र न रहकर प्रशासनिक निर्णय प्रक्रिया में डेटा आधारित सटीकता उपलब्ध कराने वाले आधुनिक ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित हो सकेंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार यह शोध अर्थशास्त्र, सार्वजनिक प्रशासन तथा ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान जैसे तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह शोध सुशासन, सतत विकास और प्रभावी नीति निर्माण में भी उपयोगी साबित होगा तथा सार्वजनिक पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण को नई दिशा देगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. सुनील जाधव को इससे पहले भी ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान विषय पर भारत सरकार द्वारा दो पेटेंट प्रदान किए जा चुके हैं। इसके अलावा वे अब तक सात पुस्तकों का लेखन कर चुके हैं और शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। डॉ. जाधव की इस उपलब्धि पर गोंदिया शिक्षण संस्था की अध्यक्ष वर्षाताई पटेल, सचिव राजेंद्र जैन, संचालक निखिल जैन, नटवरलाल माणिकलाल दलाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविंद्र मोहतुरे, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी तथा शिक्षा जगत के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

एस. एस. गर्ल्स कॉलेज में नव प्रवेशित छात्राओं का भव्य स्वागत समारोह संपन्न..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया शिक्षण संस्था द्वारा संचालित एस. एस. गर्ल्स कॉलेज, गोंदिया में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की कक्षा 11वीं की नवप्रवेशित छात्राओं के स्वागत हेतु एक भव्य एवं उत्साहपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य

नई छात्राओं का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराना तथा उनके भीतर आत्मविश्वास एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. शारदा महाजन द्वारा फीता काटकर किया गया। उन्होंने छात्राओं का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासन, विविध गतिविधियों तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कला संकाय प्रमुख प्रा. डॉ. गोकुल ढोके, विज्ञान संकाय प्रमुख प्रा. ईश्वरी खटवाणी, कनिष्ठ महाविद्यालय प्रभारी प्रा. संजय कळंबे तथा प्रा. भारती खरवडे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्राध्यापकों एवं छात्राओं का परिचय, पेन एवं चॉकलेट देकर अभिनंदन, छात्राओं के विचार एवं भविष्य के लक्ष्यों को जानने के लिए संवादात्मक गतिविधियाँ, आकर्षक सेल्फी प्वाइंट तथा उत्साहवर्धक जुम्बा सत्र का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। जुम्बा प्रशिक्षण स्टेप अप फिटनेस स्टूडियो की संस्थापक पूजा जोशी तथा प्रशिक्षक सीमा अहमद एवं ओम भेंडारकर ने दिया। उन्होंने छात्राओं को शारीरिक स्वास्थ्य, फिटनेस और सकारात्मक जीवनशैली के प्रति प्रेरित करते हुए व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन प्रा. डॉ. दिशा गेडाम ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रा. कविता वरखड़े ने व्यक्त किया। समारोह की सफलता के लिए महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। समारोह का समापन उत्साह, आनंद और नई ऊर्जा के वातावरण में हुआ। नई छात्राओं ने महाविद्यालय परिवार का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आगामी शैक्षणिक यात्रा को लेकर उत्साह प्रकट किया।

राज्यसभा सांसद राजेंद्र जैन का एकोडी आगमन पर स्वागत एवं सत्कार

शुभकामनाओं के लिए संसद राजेंद्र जैन ने माना आभार

जगप्रेरणा गोंदिया।

राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने के उपलक्ष्य में माननीय श्री राजेंद्र जैन का प्रथम बार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जनसंपर्क कार्यालय, एकोडी में आगमन हुआ। इस अवसर पर आयोजित गरिमामय समारोह में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने उनका शाल एवं श्रीफल भेंट कर सत्कार किया।

कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री राजेंद्र जैन ने उपस्थित कार्यकर्ताओं और नागरिकों से सदिच्छा भेंट कर संगठन की मजबूती, क्षेत्र के विकास तथा जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने सभी के स्नेह, विश्वास एवं शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करने का विश्वास दिलाया।

इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यकर्ता राजेश कटरे, जिल्हा परिषद सदस्या अश्विनीताई पटले, पूर्व सरपंच रविकुमार पटले, सरपंच द्वारका साठवने, ग्राम पंचायत सदस्य नामदेव बिसेन, डॉ. किशोर पारधी तथा ग्राम पंचायत सदस्य दीपक रिणायत, संजय बावनकर, जित्तु कनोजे, मयूर रिणायत, सोनू टेंभेकर, भरत परिहार, मोनू पठान, प्रशांत मिश्रा, आरिफ़भाई पठान, विनोद दुदबर्वे, छगन बिरनवार, गोलू असाठी, लंकेश पटले, राजेश सरोदे, इजु तेले, नरेश असाठी, दुर्गेश बिहार, गोविंद लिचड़े तथा पत्रकार राजेश कुमार तायवाडे सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अनेक कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शिवसेना (उबाठा) गोंदिया एवं महात्मे आय हॉस्पिटल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में भव्य निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन

जगप्रेरणा गोंदिया।

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गोंदिया जिला एवं महात्मे आय हॉस्पिटल, गोंदिया के संयुक्त तत्वावधान में, जिला अंधत्व नियंत्रण समिति, नागपुर के सहयोग से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भव्य निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर एवं ऑपरेशन का आयोजन किया जा रहा है। इस स्वास्थ्य अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को समय पर नेत्र जांच एवं निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना है।

आयोजकों के अनुसार प्रत्येक शिविर में प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक मोतियाबिंद की निःशुल्क जांच की जाएगी। वहीं 20 जुलाई को छोटा गोंदिया स्थित श्री महाकाल मंदिर, पांगोली नदी परिसर में शिविर दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक आयोजित होगा। शिविर का आयोजन 11 जुलाई को शिवसेना जिला कार्यालय, यादव चौक (गोंदिया), 12 जुलाई को सेवा सहकारी कार्यालय (ढाकणी), 18 जुलाई को हनुमान चौक, एम.आई.डी.सी. (मुंडीपार), 19 जुलाई को हनुमान मंदिर (कलारी टोला, बघोली) तथा 20 जुलाई को श्री महाकाल मंदिर, पांगोली नदी (छोटा गोंदिया) में किया जाएगा। शिविर के दौरान मोतियाबिंद की निःशुल्क जांच, पात्र मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन तथा विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों द्वारा परामर्श की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जांच के उपरांत चयनित मरीजों का ऑपरेशन भी पूरी तरह निःशुल्क कराया जाएगा। आयोजकों ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे इस निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने परिवार के बुजुर्गों एवं जरूरतमंद लोगों को भी शिविर में लाकर उनकी आंखों की जांच अवश्य कराएं। इस जनहितकारी स्वास्थ्य अभियान का आयोजन डॉ. विकास महात्मे तथा शिवसेना जिलाप्रमुख पंकज एस. यादव के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

SONO VIEW
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
SONOGRAPHY
X-RAY
CT SCAN
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
■ Color Doppler ■ Power Doppler Imaging
■ B-flow Imaging ■ Tissue Harmonic Imaging
■ Transrectric & TV Sonography
■ Pediatric Sonography ■ Orbital Sonography
■ Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
■ Neonatologist Neurosonogram
■ 2 D Echo Cardiography ■ Foetal Echo
■ Whole Body Ct Scan ■ Digital X-ray Digital Radiography System ■ M.R.I.
DIGITAL X-RAY
● 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
● 2D Echo
● Colour Doppler
● Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन
तुरकर क्लिनिक
SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN
सिव्हिल लाईन, गोंदिया
फोन - 07182- 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com SONOGRAPHY C.T. SCAN

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com